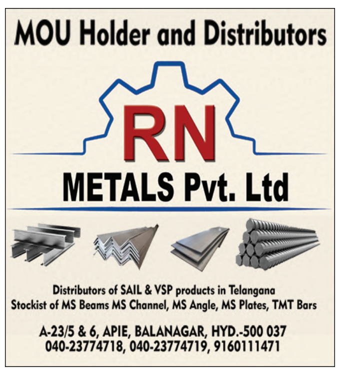

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 17 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-314

बुलेट परियोजना से जुड़े श्रमवीरों से मोदी ने बात की

सूरत, 16 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरा किया। इस दौरान वह सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी ने वहां काम कर रहे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की। इस दौरान एक कर्मचारी ने पीएम मोदी को कुछ खास पंक्तियां भी सुनाईं। इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे पूछा कि बुलेट ट्रेन के बारे में आपका क्या विचार है? क्या सही गति में काम चल रहा है? आप लोगों ने जो सोचा था, उसी टाइम टेबल से चल रहे हैं या आप लोगों को कोई दिक्कत हो रही है? इसके जवाब में इंजीनियरों ने कहा कि सब सही चल रहा है और कोई दिक्कत नहीं है। केरल की एक युवती, जो रोबोटिक्स-आधारित ध्वनि नियंत्रण विभाग की देखरेख कर रही है, ने भी अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वह पहली बार गुजरात आई हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना में किस तरीके से रोबोटिक्स तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है, इसकी जानकारी उन्होंने पीएम मोदी को दी।

पीएम मोदी ने एक महिला कर्मचारी से पूछा कि वह भारत में पहली बार बुलेट ट्रेन बनने और शुरू होने को कैसे देखती हैं? इसको लेकर परिवार को क्या बताती हैं, जिस पर महिला ने जवाब दिया कि मुझे यह किसी सपने जैसा लगता है। आज मैं जो काम कर रही हूं वो आगे जाकर लोगों के लिए बहुत काम आएगा। मेरे और मेरे परिवार के लिए ये गर्व की बात है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे मन में यह भाव होना चाहिए कि मैं मेरे देश के लिए काम कर रही हूं। मैं देश को एक नई चीज दे रहा हूं। उन्होंने कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां उनकी भूमिका और योगदान को याद रखेंगी।

डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण विभाग की देखरेख करने वाली श्रुति ने बताया कि हम पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। हम पहले प्लान तैयार करते हैं और फिर उसी के अनुसार काम करते हैं। इस दौरान हम जो भी चुनौतियां आती हैं, उसे हल करते हैं, लेकिन अगर हमसे नहीं हो पाता है तो क्यों नहीं हो पा रहा है? यह जानने की कोशिश करते हैं। इसके बाद भी हल नहीं निकलता तो हम वैकल्पिक योजना का चुनाव कर स्टेप बाय स्टेप काम करते हैं।

इस दौरान पीएम मोदी ने सुझाव दिया कि वे अपने अनुभवों और सीखों को 'ब्लू बुक' में दर्ज करें, ताकि इसका उपयोग भविष्य में भी किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा करते हैं तो आगे जाकर हमें हर बार कोई नया प्रयोग नहीं करना पड़ेगा, बल्कि आपके अनुभवों और सीखों से ही उन्हें मार्गदर्शन मिलेगा और आसानी से काम हो पाएगा। इतना ही नहीं, ये रिकॉर्ड आने वाली पीढ़ी और बच्चों के लिए भी काम आ सकेगा।

बातचीत के अंत में एक युवक ने पीएम मोदी को खास पंक्तियां भी सुनाई और कहा, 'न नाम चाहिए, न इनाम चाहिए, बस देश आगे बढ़े, ये अरमान चाहिए। मोदी जी, आपका हर सपना साकार हो, देश का नाम ऊंचा रहे हर बार। बुलेट ट्रेन है पहचान हमारी, ये उपलब्धि है मोदी जी आपकी और हमारी।'

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर लगभग 508 किमी तक फैला हुआ है, जो अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, ठाणे और मुंबई जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है। इस परियोजना से मुंबई और गुजरात के बीच यात्रा सुगम होगी। महज दो घंटे में अहमदाबाद से मुंबई आया-जाया जा सकेगा। साथ ही व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका में नई इमिग्रेशन नीति की तैयारी, प्रतिबंधित देशों के लोगों के लिए ग्रीन कार्ड लेना 'मुश्किल'

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका इमिग्रेशन नीति में बदलाव करने की पूरी तैयारी में है। इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर सख्त होते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, यहां की नई आव्रजन नीति तैयार की जा रही है। इसमें ट्रंप प्रशासन के यात्रा प्रतिबंध के तहत ग्रीन कार्ड और अन्य दर्ज लाभों को लेकर कुछ सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। अमेरिकी मीडिया आउटलेट न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के आंतरिक मसौदों में अमेरिकी नागरिकता और

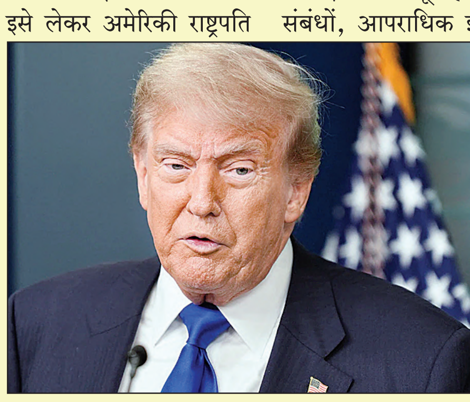

आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे ग्रीन कार्ड, शेल्टर, पैरोल और अन्य आव्रजन लाभों के लिए आवेदनों का मूल्यांकन करते समय यात्रा-प्रतिबंधित देशों से आने वाले किसी व्यक्ति की राष्ट्रीयता को नकारात्मक फैक्टर मानेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिका ने जिन देशों के खिलाफ यात्रा प्रतिबंध लगा रखा है, वहां के लोगों के लिए ग्रीन कार्ड के लाभ को सीमित कर दिया जाएगा। हालांकि, यह परिवर्तन अमेरिकी नागरिकता के आवेदनों पर लागू नहीं होगा। फिलहाल, यूएससीआईएस सामुदायिक संबंधों, आपराधिक इतिहास और मानवीय आवश्यकताओं जैसी बातों पर विचार करता है।

इसी साल जून में अमेरिका ने 12 देशों पर ट्रैवल बैन लगाया था। इसमें अफगानिस्तान, चाड, रिपब्लिक ऑफ कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, म्यांमार, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं।

इसके अलावा अमेरिका ने सात देशों बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर आंशिक प्रतिबंध लगा रखा है। इसके तहत यहां के नागरिक अमेरिका में स्थायी रूप से प्रवेश नहीं कर सकते या कुछ विशेष वीजा प्राप्त नहीं कर सकते।हालांकि, नई इमिग्रेशन नीति की फिलहाल आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो प्रतिबंधित देशों के लिए ग्रीन कार्ड पाना मुश्किल हो जाएगा।यह नीति कानूनी आव्रजन पर ट्रंप की कार्रवाई में एक बड़ी तेजी लाएगी। इसकी वजह से नागरिक अधिकार समूहों की ओर से नई कानूनी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

बहन रोहिणी के अपमान पर भड़के तेज प्रताप, बोले- इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी आचार्य से जुड़े विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कहा कि मेरी बहन का अपमान किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदों परिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। तेज प्रताप यादव ने राजद प्रमुख लालू यादव से आग्रह करते हुए कहा कि आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में खुद गाड़ देगी। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाई तेजस्वी यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए। रोहिणी ने बताया है कि उन्हें पीटने के लिए चप्पल तक उठाई गई। रोहिणी के आरोप पर भाई तेज प्रताप ने सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब दिया है।

जनता दल जनता (जेजेडी) प्रमुख तेज प्रताप ने अपने पार्टी के इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, ''कल की घटना ने दिल को भीतर तक झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ, वह मैं सह गया, लेकिन मेरी बहन के साथ जो अपमान हुआ, वह किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदोंपरिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी।

उन्होंने लिखा, जबसे मेरी रोहिणी बहन के चप्पल उठाने की खबर सुनी, दिल की आहत अब अग्नि बन चुकी है। जब जनमानस की भावनाएं आहत होती हैं तो बुद्धि पर पड़ी धूल उड़ जाती है। इन चंद चेहरों ने तेजस्वी की भी बुद्धि पर परदा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है।

तेज प्रताप ने लिखा, मैं माननीय आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे पिता, मेरे राजनीतिक गुरु लालू प्रसाद जी से आग्रह करता हूं। पिता जी, एक संकेत दीजिए। आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में गाड़ देने का काम खुद कर देगी। यह लड़ाई किसी दल की नहीं, परिवार के सम्मान, बेटी की गरिमा और बिहार के स्वाभिमान की लड़ाई है।

100 साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा है आरएसएस : प्रियांक खड़गे

कलबुर्गी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने रविवार को आरएसएस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संगठन '100 साल में पहली बार' नियमों का पालन करते हुए रूट मार्च कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार चित्तपुर में होने वाले मार्च के लिए आरएसएस ने कानूनी और संवैधानिक अनुमति ली है, जो पहले नहीं देखा गया था। चित्तापुर विधानसभा क्षेत्र, जहां से प्रियांक खरगे विधायक हैं, में आरएसएस ने रूट मार्च निकालने की योजना बनाई थी। शुरुआत में जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद संगठन अदालत पहुंचा और वहीं से इजाजत मिली। प्रियांक खरगे ने कहा कि वे मार्च के खिलाफ नहीं हैं, बस नियमों के पालन पर जोर है। उन्होंने कहा मैंने कभी रूट मार्च का विरोध नहीं किया। मैंने बस इतना कहा कि अनुमति लेनी चाहिए। उनके यहां नियमों का पालन करने की आदत कम है, लेकिन अब कर रहे हैं, अच्छी बात है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन ने कड़े नियम और शर्तें लगाई हैं। अगर शर्तें नहीं मानी गईं, तो कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। इसमें समस्या ही क्या है। उनका दावा है कि यह 'पहली बार है जब आरएसएस कानून और संविधान के अनुसार चल रहा है।

फिलिस्तीन पर बेंजामिन नेतन्याहू का रुख स्पष्ट, बोले-

हमास को किया जाएगा निरस्त्र

यरूशलेम, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीन और गाजा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के खिलाफ हमारा विरोध जारी रहेगा और हमास को निरस्त्र किया जाएगा। इजरायल सरकार की बैठक में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि मैं दो प्रमुख मुद्दों पर बात करना चाहता हूं। पहला मुद्दा गाजा के उस हिस्से के कथित 'गैर-सैन्यीकरण' का है, जो हमास के कब्जे में है। इस क्षेत्र का विसैन्यीकरण किया जाएगा और हमास को निरस्त्र किया जाएगा। इसके लिए चाहे आसान तरीका अपनाना पड़े या कठिन। यही राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप भी चाहते हैं। उन्होंने फिलिस्तीनी राज्य के संबंध में कहा कि जॉर्डन नदी के पश्चिम में किसी भी क्षेत्र में फिलिस्तीनी राज्य के प्रति हमारा विरोध जारी रहेगा। इसमें रत्ती भर भी परिवर्तन नहीं होगा। नेतन्याहू ने इस बैठक में 20 सूत्रीय प्लान रखा है।उन्होंने कहा कि हाल ही में हम दो तरह के उपद्रव देख रहे हैं, जिन्हें हम पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं।

हमें हर सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बिहार चुनाव-2025, कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा मैं पूरी तरह दलगत राजनीति से दूर हूं। मेरी अपने सभी मित्रों से अपील है कि जो भी सार्वजनिक जीवन में हैं, उन्हें हमेशा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। यह बेहद जरूरी है। लोग हमेशा उसी पेड़ पर पत्थर फेंकते हैं, जिस पर फल ज्यादा होते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में धैर्य जरूरी है। हमें हर सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं। उन्हें सवाल पूछने का अधिकार है और हमें जवाब देने या न देने का अधिकार है। बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद सांविधानिक संस्थाओं पर विपक्ष के हमले पर उपराष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। हर किसी की अपनी राय होती है, लेकिन लोग खुद जानते हैं कि सही क्या है। दिल्ली में हुए आतंकी हमले पर उन्होंने कहा, पुलिस और खुफिया एजेंसियों को हर बार सतर्क रहना पड़ता है। आतंकियों को सिर्फ एक बार सफल होना होता है। यह (विस्फोट) बहुत दर्दनाक था, लेकिन इससे सभी एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। वे अपनी पूरी कोशिश करेंगी और भविष्य में ऐसे मामलों पर रोक लगाएंगी।

2028 में चंद्रयान-4 भेजेगा इसरो, अंतरिक्ष यान उत्पादन तीन गुना करने की तैयारी

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी सबसे महत्वाकांक्षी योजनाएं सामने रखी हैं। एजेंसी न केवल 2028 में चंद्रयान-4 भेजने की तैयारी कर रही है, बल्कि बढ़ती मांग के अनुरूप स्पेसक्राफ्ट उत्पादन क्षमता को अगले तीन वर्षों में तीन गुना करने की दिशा में भी तेज काम कर रही है।

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि संगठन इस वित्त वर्ष में सात और प्रक्षेपण करेगा और मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' 2027 में अपने तय कार्यक्रम के अनुसार भेजा जाएगा। इनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह, कई पीए-सएलवी तथा जीएसएलवी मिशन शामिल

हैं। इस दौरान स्वदेशी निर्मित पहला पीए-सएलवी भी प्रक्षेपित किया जाएगा, जो भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के नए चरण की शुरुआत करेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह भारत का पहला 'लूनर सैंपल रिटर्न' मिशन होगा, जो चंद्रमा से नमूने लाकर धरती पर भेजने का प्रयास करेगा। यह क्षमता अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही प्रदर्शित की है। इसके समानांतर, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त मिशन लूपेक्स पर भी काम जारी है, जो चंद्र दक्षिणी ध्रुव पर जल-बर्फ की मौजूदगी का अध्ययन करेगा।

2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का है लक्ष्य

इसरो भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नारायणन ने बताया कि 2035 तक स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है और इसका पहला मॉड्यूल 2028 में कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा। गगनयान मिशन को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल मानवरहित परीक्षणों की टाइमलाइन बदली है, जबकि मानवयुक्त मिशन हमेशा 2027 के लिए ही तय था। तीन मानवरहित उड़ानें इस मिशन से पहले होंगी।

भारत का स्पेस इकोनॉमी बाजार 8.2 अरब डॉलर का

नारायणन ने कहा कि अंतरिक्ष-क्षेत्र के सुधारों के बाद निजी हिस्सेदारी में तेज वृद्धि हुई है। आज 450 से अधिक उद्योग और 330 से ज्यादा स्टार्टअप सक्रिय हैं। भारत का स्पेस इकोनॉमी बाजार 8.2 अरब डॉलर का है, जिसे 2030 तक 8% वैश्विक हिस्सेदारी तक बढ़ाने का लक्ष्य है।

लालू यादव के पारिवारिक विवाद पर भाजपा का तंज, बिहार की जनता ने जंगलराज से बचा लिया

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का बेहद खराब प्रदर्शन रहा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव के परिवार में विवाद चल रहा है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ते हुए परिवार से नाता तोड़ दिया। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजद पर तंज कसा। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्य और रोहिणी आचार्य लालू परिवार पर गंभीर आरोप लगा रही हैं। भाजपा ने वीडियो के साथ लिखा, बिहार की जनता ने आरजेडी को नहीं चुनकर जंगलराज से बचा लिया। पार्टी ने आगे कहा कि जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर और चप्पल से पीटा जाता हो, सोचिए, ये लोग अगर सत्ता में आ जाते, तो बिहार की बहन-बेटियों के साथ कैसा सलूक करते। साथ ही इस वीडियो के ऊपर लिखा है कि बहू-बेटियों के प्रति लालू परिवार का संस्कार। बहू को बाल पकड़ के मारा और बेटी को चप्पल से पीटा।लालू यादव की बहू ऐश्वर्य ने इस वीडियो में रोते हुए कहा कि लालू परिवार ने मुझे मारा है और गार्ड बुलाकर मुझे बाहर निकाल दिया। मेरा फोन भी छीन लिया। राबड़ी देवी ने बाल पकड़कर मारा।वहीं, रोहिणी आचार्य ने कहा कि मेरा कोई परिवार नहीं है।

कार्टून कॉर्नर

दीक्षार्थी लवेश सिंघवी का अभिनंदन समारोह आयोजित

दीक्षा के बिना जन्म मरण के चक्र से मुक्ति संभव नहीं: उप प्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में आयोजित 'मुमुक्षु अभिनंदन समारोह' उप प्रवर्तक दक्षिण सम्राट नरेशमुनि, उप प्रवर्तक पंकजमुनि, डॉ. वरुणमुनि, शालिभद्रमुनि, रूपेशमुनि एवं उप प्रवर्तिनी साध्वी निर्मला के सानिध्य में मंगलमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र जाप से हुई, जिसके पश्चात रूपेशमुनि ने स्तवन की प्रस्तुति दी। उप प्रवर्तक नरेशमुनि ने अपने उपदेश में कहा कि संसार में रहते हुए कई प्रकार के धर्म तो हो सकते हैं, परंतु सारे पापों का क्षय केवल संयम जीवन में ही संभव है। संयमी साधक विष को भी अमृत करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि दीक्षा के बिना जन्म मरण के चक्र से मुक्ति संभव नहीं, इसलिए मोक्ष मार्ग के लिए संयम पथ पर आगे बढ़ना अनिवार्य है। डॉ. वरुणमुनि ने मुमुक्षु को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षा का अर्थ है कषायों व पापों का दमन और अशुभ का परित्याग। दीक्षा जीवन को एक नई दिशा देती है और संयम से ही जीवन महान होता है। दीक्षा का मार्ग वीरों का मार्ग है। शालिभद्रमुनि ने कहा कि दीक्षा आत्मा से महात्मा और महात्मा से परमात्मा बनने का राजमार्ग है। यह भावना केवल भव्यात्माओं में ही जागती है। मानव जीवन दुर्लभ है, लेकिन संयम का पुरुषार्थ उससे भी दुर्लभ है। दीक्षा आत्मशुद्धि की सर्वोत्तम प्रक्रिया है। मुमुक्षु लवेश सिंघवी ने कहा कि आत्मा की पवित्रता का श्रेष्ठतम मार्ग दीक्षा है। संयम के इस मार्ग पर चलते हुए मनुष्य जन्म मरण के चक्र से मुक्त होकर महामानव बन जाता है। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को 25 जनवरी 2026, बेंगलूरु में उप प्रवर्तक नरेशमुनि एवं संतवृंद के सानिध्य में बेंगलूरु में आयोजित दीक्षा समारोह में पधारने का आग्रह किया। मुमुक्षु पिछले दो वर्षों से उप प्रवर्तक नरेशमुनि के सानिध्य में वैराग्य अवस्था में साधना कर रहे हैं। साध्वी उपासना ने कहा कि संयम मार्ग शूरवीरों का मार्ग है, जिन्हे विरले ही अपनाते हैं। कोई विरले ही होते है जो इस पथ के पथिक बनकर अपना आत्मोद्धार करते है। मुमुक्षु इस मार्ग पर चलते हुए जिनशासन एवं गुरुजनो की सेवा करना। साध्वी निर्मला ने दीक्षार्थी की भावनाओं की अनुमोदना करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किए। त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहू मंडल और ब्राह्मी कन्या मंडल द्वारा सुंदर गीतिकाएं प्रस्तुत की गईं। नेमीचंद दलाल ने कहा कि युवावस्था में सांसारिक आकर्षणों का त्यागकर वैराग्य पथ पर अग्रसर होना जिनशासन के लिए गौरव का विषय है। गुरु आज्ञा, अनुशासन, सेवा और समर्पण ही श्रेष्ठ साधना हैं। जिनेश्वर युवा से प्रणीत जैन ने गीतिका प्रस्तुत की और दीक्षित बोहरा ने अपने विचार रखे। संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने सभी का स्वागत किया। महावीरचंद मेहता, नीतू लुंकड़, ममता बागरेचा, कांता बागरेचा, बालिका क्रिस्टल सहित अनेक गणमान्य जनों ने भी अनुमोदना व्यक्त की। कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय एवं संघ संस्थाओं के पदाधिकारी रतनचंद सिंघी, गुलाबचंद पगारिया, किशोरकुमार दलाल, गौतमचंद धारीवाल, शंकर दक, सुनील लोढ़ा, रवि जैन, सौभाग्यमल रांका, रत्नीबाई मेहता, सरला दुगड़, अभयकुमार बांटिया, गौतमचंद ओस्तवाल, ललिता ढिलीवाल सहित अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। समारोह के अंत में मुमुक्षु लवेश सिंघवी का श्रीसंघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहू मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा एवं महावीर जैन पाठशाला द्वारा सामूहिक अभिनंदन हुआ। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सह मंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आत्मिक विकास पर हो चिंतन: आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी

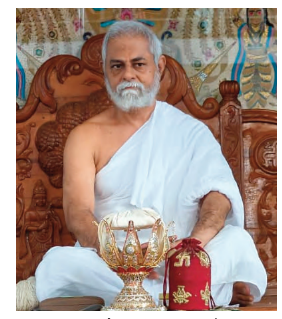

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वी.वी.पुरम् स्थित श्री सीमंधर शांतिसूरि जैन संघ के प्रांगण में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरस-ूरीश्वरजी ने कहा कि समझदार और विवेकी साधक वही कहलाता है जो मिली हुई सामग्री और शक्तियों का उपयोग अपनी आत्मा के विकास के लिए करे। शरीर की देखभाल, इन्द्रियों की मांगें और मन की इच्छाओं को पूरी करने में ही अधिकांश लोग अपना समय और शक्तियां गंवा देते है। अंततः आत्मा को लक्ष्य में रखकर कुछ नहीं किया जाता। नतीजन दुर्लभ मनुष्य जीवन व्यर्थ चला जाता है। प्रत्येक साधक को चाहिए कि कुछ समय वह अपनी आत्मा, उसके भविष्य के बारे में गहराई से चिंतन करे। वह बाहरी दुनिया की भागदौड से निकलकर भीतरी दुनिया के बारे में सोचेगा तभी वह आत्मा के सुख को पहचान पाएगा। क्योंकि जब तक सच्चा सुख मालूम ही नहीं होगा तो उसे पाने के लिए साधना शुरु कैसे हो सकती है। अतः यह जरूरी है कि प्रत्येक साधक पूर्ण सक्रियता से आत्म विकास का पुरुषार्थ करे। उन्होंने कहा कि बचपन से ही माता पिता द्वारा धर्म के संस्कार, प्रेरणा और संयम जीवन का प्रोत्साहन मिलता रहा जो उनके पुरुषार्थ में सहयोगी बना। बेंगलूरु के ही चिकपेट मंदिर और धार्मिक पाठशाला में की गई आराधना एवं अध्ययन ने उनके आध्यात्मिक जीवन की नींव डाली। अंत में उन्होंने संघ संचालकों को भी धर्म आराधना के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने से होने वाले लाभ पर प्रकाश डालते हुए हमेशा संघ की सेवा में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। आचार्य श्री के 44 वें दीक्षा दिवस पर आयोजित संयम सत्कार समारोह में संघ के मीठालाल पावेचा ने संचालन करते हुए 43 वर्ष पूर्व शहर के लालबाग स्थित ग्लास हाऊस में हुई दीक्षा के संस्मरणों को ताजा किया और संघ की ओर से आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए दीक्षा दिवस की मंगलकामना प्रेषित की। कल्याण मित्र परिवार की ओर से निष्क्रित कंकुलोल ने आचार्यश्री की सरलता, विद्वत्ता, निःस्पृहता आदि गुणों से युक्त व्यक्तित्व का परिचय दिया। संघ श्राविकाओं ने गहुंली और गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर गादिया परिवार द्वारा वी.वी.पुरम में निर्मित श्री पद्मप्रभस्वामी गृह जिनालय की प्रतिष्ठा की आमंत्रण पत्रिका लिखी गई। संघ द्वारा आगामी पर्व मौन एकादशी और पोष दशमी की आराधना हेतु आचार्यश्री से निश्रा प्रदान करने की विनंती की गई जिस पर आचार्य ने स्वीकृति प्रदान की। 23 नवंबर को शंकरपुरम में मुमुक्षु भव्य शाह के दीक्षा महोत्सव में दीक्षार्थी के परिवार की ओर से श्रीसंघ को आमंत्रित किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीजीएस विजय नगर क्रिकेटर्स द्वारा हैगनहली स्थित प्रकाश पादुकोण स्टेडियम में बॉक्स क्रिकेट स्पर्धा बी जी एस कन्नडा राज्योत्सव कप का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल को खेल की भावना से खेले। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थित लूणावत निवास में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने कहा कि अहंकार जीवन प्रगति का सबसे बड़ा अवरोध है। अहंकार के वशीभूत होकर चलने वाला मनुष्य प्रायः पतन की राह पर बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन में अभिमान ऐसा विकार है जो न केवल रिश्तों में दरार डालता है बल्कि जीवन की दिशा भी भटका देता है। साध्वी उपासना ने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि रावण की विद्वता, शक्ति और बुद्धि अद्वितीय थी, परंतु अहंकार ने उसकी बुद्धि को उलट कर दिया। हित अहित का विवेक नष्ट हो गया और वही अहंकार उसके विनाश का कारण बना। उन्होंने आगे कहा कि वाणी में मधुरता और व्यवहार में विनम्रता रिश्तों को दृढ़ बनाती है, जबकि अहंकार व्यक्ति के जीवन में विनाश का कारण बन जाता है। जिसकी गति जितनी तीव्र होती है, उसका पतन उतना ही शीघ्र होता है। साधना में सफलता के लिए अभिमान का त्याग और विनम्रता का अंगीकरण अत्यंत आवश्यक है। सभा के अंत में साध्वी नंदिनी ने कहा कि जिस घर में विश्वास, प्रेम और शांति का वास हो, वही घर वास्तविक रूप से स्वर्ग कहलाता है। जहां राग-द्वेष, कलह और अशांति नहीं, बल्कि सम्मान और सौहार्द का वातावरण हो, वही सच्चा घर है। साधना-ाराधना तभी सार्थक होती है, जब घर में शांति और प्रेम का भाव हो। सभा के समापन पर साध्वी निर्मला ने मंगलपाठ प्रदान किया। उगमराज कमलकिशोर लूणावत परिवार की ओर से सभी का स्वागत किया गया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने लूणावत परिवार की अनुमोदना करते हुए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आगामी विहार की जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर पारसमल लोढ़ा , युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, उत्तमचंद कांटेड, विनोद डांगी, चेतन रेदासनी, समरथमल कोठारी, कमलकिशोर लूणावत, गौतम गन्ना, शीतल लूणावत, राकेश लोढ़ा, अमित डांगी, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, ममता बागरेचा, कांता बागरेचा, नेहा लूणावत व अन्य उपस्थित रहे।

बिहार चुनाव के नतीजों के धमाके से हिला कर्नाटक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिलते दिख रहे प्रचंड बहुमत की धमक कर्नाटक में भी सुनाई देने लगी है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बिहार चुनाव नतीजों के बाद राज्य में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति की जरूरत महसूस कर रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बिहार चुनाव के नतीजों को पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए एक सबक बताया। उन्होंने कहा जनता ने उन्हें बहुमत दिया है। ये हमारे लिए एक सबक है। मुझे लगता है कि भविष्य में हम कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति तय करेंगे। बिहार चुनाव में महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने वाली योजना से एनडीए के प्रदर्शन पर असर पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा मुझे इसे देखने दीजिए। मुझे अभी इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिली है। मैं रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस पर बोल पाऊंगा। शिवकुमार का ये बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ घंटों पहले ही कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने बिहार में वोट चोरी किए जाने के आरोप लगाए थे। हालांकि, सिद्धरामैया ने माना कि बिहार में कांग्रेस राजद की हार या एनडीए की निर्णायक जीत की वजह साफ नहीं है। बिहार में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के सवाल पर सिद्धरामैया ने कहा हमें लोगों के जनादेश को मानना होगा। मुझे नहीं पता कि किस वजह से बिहार में हार हुई। बिहार चुनाव में कांग्रेस और राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने (एनडीए) यहां भी वोट चोरी की है।

एक व्यापक सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने शनिवार को बेंगलूरु में लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों, ट्रेन प्रबंधकों, ट्रैक मशीन ऑपरेटरों, टावर वैगन ऑपरेटरों के लिए एक व्यापक सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कटारकी ने यात्रियों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने में रनिंग स्टाफ विशेष रूप से लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित ट्रेन संचालन में मजबूत पेशेवर ज्ञान के साथ साथ, ड्यूटी पर ध्यान केंद्रित करने और सतर्कता बनाए रखने के लिए अच्छी शारीरिक फिटनेस बनाए रखना आवश्यक है। अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मो-हनपुरिया ने रनिंग स्टाफ के लिए उन सभी सेक्शनों के सभी सिग्नल और सुरक्षा पहलुओं से पूरी तरह परिचित रहने के महत्व पर जोर दिया, जहां वे काम करते हैं। उन्होंने क्रू स्टाफ के परिवार के सदस्यों से एक सहायक घरेलू वातावरण प्रदान करने की अपील की - पर्याप्त आराम और तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना ताकि वे बिना किसी विकर्षण के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। संगोष्ठी का एक प्रमुख विषय एसपीएडी (सिग्नल पासिंग एट डेंजर) मामलों की रोकथाम था। प्रतिभागियों ने केस स्टडी और सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की।

ब्रेक पैटर्न विश्लेषण, कार्यस्थल प्रथाओं और रनिंग स्टाफ के प्रदर्शन पर घरेलू वातावरण के प्रभाव पर भी चर्चा की गई। सेमिनार में स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेषज्ञ सत्र भी आयोजित किए गए। पोषण विशेषज्ञ कुमारी भावना ने समग्र स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार, स्वस्थ खान-पान की आदतों, व्यायाम और योग पर बात की। निम्हांस के विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव के प्रभाव, स्वस्थ जीवनशैली की आदतों और बेहतर नींद के लिए सुझाव दिए। डी. रविशंकर, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण संचालन), सुदर्शन भट, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, अखिल मट्टू, मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण संचालन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उप-स्थित थे। लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन प्रबंधक, ट्रैक मशीन ऑपरेटर, टावर वैगन ऑपरेटर और चालक दल के परिवार के सदस्यों ने सेमिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया।

बी.वाई. विजयेंद्र ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में 2 वर्ष पूरे किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बी.वाई. विजयेंद्र ने शनिवार को कर्नाटक प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे कर लिए। इस अवसर पर, जगन्नाथ भवन में आयोजित एक समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उनका अभिनंदन किया गया। बी.वाई. विजयेंद्र ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल की शुरुआत बूथ अध्यक्ष के घर जाकर की थी। पिछले 2 वर्षों में, उन्होंने पूरे कर्नाटक राज्य का दौरा करके पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया है। उनके नेतृत्व में मैसूरु मुडा घोटाला पदयात्रा, वाल्मीकि घोटाले के विरुद्ध संघर्ष, मूल्य वृद्धि के विरोध में रात्रिकालीन धरना, मूल्य वृद्धि के विरुद्ध राज्यव्यापी जनाक्रोश यात्रा, गन्ना किसानों का संघर्ष, राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अनुदान के दुरुपयोग के विरुद्ध संघर्ष तथा राज्य सरकार के शून्य विकास के विरुद्ध संघर्षों ने आम आदमी की दैनिक समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है और कांग्रेस सरकार के जनविरोधी शासन के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिय मन की बात कार्यक्रम के क्रियान्वयन में कर्नाटक तीसरे स्थान पर है। सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे करने और तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के इस अवसर पर जगन्नाथ भवन में आयोजित एक समारोह में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद बसवराज बोम्मई, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व उपमुख्यमंत्री व सांसद गोविंद करजोल, कोर कमेटी के सदस्य व पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, विधानसभा के मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा एच. पाटिल, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली व पार्टी नेताओं ने अध्यक्ष का अभिनंदन, सम्मान व शुभकामनाएं दीं। इसी बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने विश्लेषण किया है कि बिहार की जनता ने एक ओर नरेंद्र मोदी के विकास और दूसरी ओर नीतीश कुमार के सामाजिक न्याय को देखकर अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अपने 20 साल के शासन में जनता की नजरों में रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी की बदौलत हमने (एनडीए) 202 सीटें जीती हैं। सत्ता गंवाने के बाद पागलों जैसा व्यवहार कर रहे कांग्रेसी विक्षिप्त हैं। वे भ्रमित हैं। पूरे देश की जनता उन्हें नकार रही है। उन्होंने राहुल गांधी को एक अपरिपक्व राजनेता बताते हुए उनकी आलोचना की। कांग्रेस लोगों में धर्म और जाति के आधार पर जहर बोकर और वोट बैंक बनाकर देश पर राज करती रही है। अब जनता ऐसे कांग्रेसी और अपरिपक्व राजनेता को नेता के रूप में स्वीकार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदान में धांधली एक बहुत बड़ा देशद्रोह है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवैधानिक संस्था, चुनाव आयोग ने 79 वर्षों तक निष्पक्ष चुनाव कराए हैं। यही कारण है कि कांग्रेस 60 वर्षों तक शासन कर पाई है।

पत्नी को लाइव वीडियो कॉल करते हुए पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदिकेरी के पास सिंकोना इलाके में एक पति ने अपनी पत्नी को वीडियो कॉल पर कॉल करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाला व्यक्ति सोमवारपेट तालुक के किब्बेट्टा निवासी कीर्तन (36) है। पुलिस ने बताया कि चोरी के एक मामले में जेल में बंद कीर्तन हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। इस बीच, जब पति जेल गया, तो उसकी पत्नी ज्योति अपने मायके गई हुई थी। शनिवार को उसने अपनी पत्नी को फोन किया और उसके घर गया। उसने पत्नी को कितनी भी बार बुलाया, लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया और उसे वहां से भगा दिया गया। इससे नाराज होकर पति ने शनिवार शाम वीडियो कॉल करके आत्महत्या कर ली। रविवार को शव मिला और मदिकेरी ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कैबिनेट फेरबदल: मंत्री पद हासिल करने के लिए विधायकों की दिल्ली यात्रा जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अगर विधायक मंत्रिमंडल में फेरबदल का मौका पाने के लिए दिल्ली यात्रा शुरू करते हैं, तो मौजूदा मंत्री पद छिनने का डर बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद सिद्धरामैया के शनिवार को दिल्ली दौरे के दौरान ज्यादा चर्चा नहीं हुई। हालांकि, बताया जा रहा है कि राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल को हरी झंडी दे दी। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है और किसे हटाया जाए और किसे शामिल किया जाए, इस पर सोमवार से चर्चा शुरू हो जाएगी। शनिवार रात दिल्ली से बेंगलूरु लौटे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सोमवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान पेश की जाने वाली याचिका तैयार करने में व्यस्त हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार दिल्ली में ही रुके हुए हैं और राजनीतिक चर्चा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सोमवार सुबह दिल्ली जा रहे हैं और आलाकमान के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि वह एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात करेंगे। विधायक पी.एम. अशोक, ए.एस. पोन्नन्ना, बसवराज रायारेड्डी, अप्पाजिनद गौड़ा और अन्य विधायक मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और मंत्री पद के लिए पैरवी कर रहे हैं। जेवरगी विधायक अजय सिंह दिल्ली पहुंच गए हैं और उच्च अधिकारियों को मंत्री पद के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि कैबिनेट फेरबदल में कई मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, के.एच. मुनियप्पा, एच.सी. महादेवप्पा, के. वेंकटेश, शरणबसप्पा दर्शनपुर, शिवानंद पाटिल, आर.बी. तिमापुर, डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, लक्ष्मी हेब्बालकर, रहीम खान, डी. सुधाकर के मंत्री पद छिनने की संभावना है।

इस संदर्भ में, कुछ मंत्री दिल्ली जा रहे हैं और अपनी सीट सुरक्षित करने के लिए आलाकमान के नेताओं पर दबाव बना रहे हैं। कैबिनेट फेरबदल को हरी झंडी मिलने के साथ ही नेतृत्व संबंधी चर्चा ठंडे बस्ते में चली गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की स्थिति अनिश्चित बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अगर आलाकमान मान भी जाता है, तो भी स्थानीय परिस्थितियों में मंत्रिमंडल में फेरबदल मुश्किल होगा। राज्य की राजनीति में तीन-चार सत्ता केंद्र बन गए हैं। हालांकि मंत्रिमंडल में फेरबदल का अंतिम अधिकार मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पास है, लेकिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की सूची में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। पिछले ढाई साल से निगम मंडलों में सदस्यों और निदेशकों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। खड़गे, सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार की अलग-अलग सूचियां भ्रामक हैं, और महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और के.सी. वेणुगोपाल कुछ दिनों से दिल्ली स्थित अपने कार्यालयों में व्यस्त हैं, इसलिए कोई हल नहीं निकल पाया है और नियुक्तियां पूरी नहीं हो पाई हैं। कहा जा रहा है कि जब मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा शुरू होगी, तो ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सीएम सिद्धरामैया की स्थिति बरकरार: डॉ. जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्रिमंडल में फेरबदल होने पर नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का रुख जस का तस है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के दिल्ली जाने से पहले, मैंने उनसे मुलाकात की थी और इस बारे में चर्चा की थी। मुझे आगे के घटनाक्रम की कोई जानकारी नहीं है। लेकिन मैंने रिपोर्ट देखी है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल की अनुमति दे दी गई है।

काफी समय से कई विधायकों के मंत्री बनने की मांग उठ रही है। उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। मंत्रिमंडल में फेरबदल मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। वह आलाकमान से चर्चा करके उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें केपीसीसी अध्यक्ष में बदलाव की विस्तृत जानकारी नहीं है। आलाकमान समय और परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह दिल्ली नहीं गए हैं और न ही जाएंगे। गन्ने का उचित खुदरा मूल्य (एफआरपी) तय करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

2024-25, 2025-26 के लिए 3,300 रुपये प्रति टन तय किया गया है। हमारे किसान और मांग रहे हैं। कारखानों को अतिरिक्त मूल्य देना चाहिए। किसानों के हित में, राज्य सरकार ने 50 रुपये प्रति टन का भुगतान करने का मूल्य तय किया है। किसानों की मांग थी कि गन्ने के उप-उत्पादों के आधार पर मूल्य का भुगतान किया जाए। मुख्यमंत्री ने इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री से समय मांगा था। अब जब उन्हें समय मिल गया है, तो उन्होंने कहा कि वह उनसे मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान मेकेदातु बांध के निर्माण की अनुमति और अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

ढाई साल में 5800 बसें खरीदी जाएंगी: परिवहन मंत्री

मधुगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि राज्य के लोगों के लिए परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में 5800 बसें खरीदी हैं। वे शनिवार को शहर के हिंदूपुर रोड स्थित पल्यादहल्ली के पास परिवहन विभाग और रेलवे विभाग के सहयोग से निर्मित सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय के नए भवन, स्व-चालित वाहन चालन परीक्षण ट्रैक और रेलवे के सहायक निदेशक कार्यालय के शिलान्यास समारोह का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा 2016 के बाद पहली बार 2023 में विभाग में 9 हजार लोगों को नौकरी दी गई है और 1000 लोगों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी गई है। एक हजार और लंबित हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री के ध्यान में लाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। 70 पालकी बसें निविदा प्रक्रिया में हैं और जल्द ही शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा राज्य भर में कुल 45 ट्रैक बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 7 ट्रैक पहले से ही चालू हैं। 28 ट्रैक अभी लंबित हैं। इस वर्ष 10 ट्रैक के लिए निविदाएं जारी की गई हैं, और मधुगिरी उनमें से एक है। विधायक के.एन. राजन्ना ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए अपनी इच्छाशक्ति दिखाई और रेलवे विभाग को जमीन दी, जिससे मधुगिरी में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का काम शुरू हो गया है। इससे आस-पास के तालुकाओं को लाभ होगा। देश के किसी अन्य राज्य में ऐसे ट्रैक नहीं हैं। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह निर्वाचन क्षेत्र गुजरात में भी ऐसे ट्रैक नहीं हैं। पूर्व मंत्री विधायक के.एन. राजन्ना ने कहा हमारा लक्ष्य आने वाले दिनों में मधुगिरी को जिला मुख्यालय बनाना है। जिला कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय को छोड़कर सभी कार्यालय निर्वाचन क्षेत्र में शुरू हो चुके हैं। केबल कार के बारे में विचार-विमर्श के बाद जल्द से जल्द काम शुरू किया जाएगा। केएसआरटीसी बस स्टैंड का नवीनीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने मंत्री से अपील की। इस मौके पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष लालापेट मंजूनाथ, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ए.वी. प्रसाद, तालुका ईओ लक्ष्मण, परिवहन आयुक्त ओंकारेश्वरी, संयुक्त परिवहन आयुक्त गायत्री देवी, वस्त्र विभाग के निदेशक वाई.टी. थिमय्या, उप निदेशक लक्ष्मीनारसैय्या, सहायक निदेशक मोहन, विस्तार अधिकारी नारायण, वीरन्ना, डीसीसी बैंक के उपाध्यक्ष जी.जे. राजन्ना, निदेशक बी. नागेशबाबू, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पी.सी. कृष्ण रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

राज्य कांग्रेस सरकार की नीति की निंदा करते हुए जिलों और तालुकों में करेंगे संघर्ष: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस सरकार उत्तरी कर्नाटक और किसानों के मुद्दे पर छल कर रही है। वह सौतेली मां की नीति भी अपना रही है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज की भाजपा नेताओं की बैठक में सरकार की नीति के खिलाफ संघर्ष करने का निर्णय लिया गया है। मक्का उगाने वाले किसान संकट में हैं और भाजपा सभी तालुकों में संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा तुरंत खरीद केंद्र शुरू करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाएगी। हम तुंगभद्रा जलाशय के अंतर्गत आने वाले चार जिलों के किसानों को शामिल करके स्थानीय स्तर पर संघर्ष करने जा रहे हैं। राज्य सरकार को दूसरी फसल के लिए भी पानी उपलब्ध कराना चाहिए। यदि पानी छोड़ना संभव न हो, तो राज्य सरकार को उस क्षेत्र के किसानों को 25,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देना चाहिए। तुंगभद्रा जलाशय बांध को लेकर काफी चर्चा हो चुकी है। जब 19वां क्रस्ट गेट टूटा था, तब डी.के. शिवकुमार ने कहा था कि आंध्र और तेलंगाना इंतजार नहीं करेंगे। राज्य सरकार जिम्मेदारी लेगी और 32 नए क्रस्ट गेट लगाएगी। राज्य सरकार पैसा जारी करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समारोपदी में नए क्रस्ट गेट लगाने का काम, जो किया जाना था, नहीं हो रहा है। तुंगभद्रा जलाशय बांध में न केवल 32 नए क्रस्ट गेट लगाए जाएं, बल्कि बाएं और दाएं नहरों की मरम्मत का काम भी किया जाए। बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की कि राज्य सरकार इस मरम्मत कार्य के लिए धन जारी करे। समस्या पहले से ही मौजूद है। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि पानी की बर्बादी हो रही है। भाजपा ने इन तीनों मुद्दों पर जिला और तालुका केंद्रों पर संघर्ष करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमने 26 नवंबर तक संघर्ष आयोजित करने पर चर्चा की है। रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली ने घोषणा की कि वह जिले का दौरा करेंगे और स्थानीय लोगों से चर्चा करके विरोध प्रदर्शन की तारीख तय करेंगे। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर बार-बार टालमटोल करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। 32 नए क्रस्ट गेट लगाने के लिए धनराशि उपलब्ध न कराने से काम में बाधा आ रही है। सरकार को तुंगभद्रा जलाशय के अंतर्गत आने वाले 4 जिलों के किसानों की दूसरी फसल के लिए तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। हालांकि, उन्होंने शिकायत की कि पहली फसल के लिए पानी ठीक से नहीं छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज की पार्टी नेताओं की बैठक में यह राय बनी कि जब से सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार कर्नाटक में सत्ता में आई है, उसे उत्तरी कर्नाटक की समस्याओं की कोई चिंता नहीं है। वह देश के किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है। सूखे के दौरान राज्य सरकार नहीं जागी, भारी बारिश के दौरान भी उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। गन्ना उत्पादक लगातार संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब मक्का किसान भी मुश्किल में हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार ने अभी तक खरीद केंद्र शुरू नहीं किए हैं। राज्य सरकार ने मुआवजे की घोषणा के बाद कम से कम डेढ़ महीने तक फसल क्षति का मुआवजा देने की जहमत नहीं उठाई है। धान की फसल वायरल संक्रमण के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। इन पर चर्चा करते हुए, उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बेंगलूरु तक सीमित रहने और देश के किसानों की समस्याओं पर ध्यान न देने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व डीसीएम गोविंद करजोल, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, विधायकों, पूर्व विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, पूर्व सांसदों और विजयनगर, बल्लारी, कोप्पल और रायचूर जिलों के रायता मोर्चा के अध्यक्ष की उपस्थिति में एक बैठक हुई। उन्होंने कहा कि हमने राज्य के किसानों की समस्याओं पर व्यापक रूप से चर्चा की है।

बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ भाकपा कल देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देश भर में अनुसूचित जाति, आदिवासियों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार की बढ़ती घटनाओं की निंदा करते हुए, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने मंगलवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। सीपीआई के जिला सचिव डॉ. महेश कुमार राठौड़ ने बताया कि इस आह्वान के तहत, सीपीआई की कलबुर्गी जिला इकाई मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन करेगी। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. राठौड़ ने कहा जमीनी स्तर पर स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, हाशिए पर रहने वाले समुदायों को हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। आधिकारिक अपराध आंकड़ों का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अत्याचार के लगभग 57,000 मामले और अनुसूचित जातियों की महिलाओं पर यौन उत्पीड़न और हमले के लगभग 2,835 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि डर, सामाजिक कलंक और अपर्याप्त पुलिस कार्रवाई के कारण कई मामले दर्ज नहीं हो पाते। डॉ. राठौड़ ने कहा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य कमजोर समुदायों में बढ़ती असुरक्षा की ओर ध्यान आकर्षित करना है। भाकपा सदस्यों ने ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।

मंत्री दिनेश गुंडू राव ने आवारा कुत्तों को स्थानांतरित करने का दिया आदेश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक व्यापक समीक्षा बैठक में, दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्धारित क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने वानिकी, स्वास्थ्य, आयुष दवाओं और लाल ग्रेनाइट खनन के मुद्दों पर भी ध्यान दिया। जिला पंचायत के नेत्रवती हॉल में जिला स्तरीय तिमाही केडीपी बैठक की अध्यक्षता करते हुए, गुंडू राव ने जोर देकर कहा कि आवारा कुत्तों को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार उपयुक्त स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमें शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपयुक्त स्थानों की पहचान करनी चाहिए और उनके स्थायी आवास की व्यवस्था करनी चाहिए। एमएलसी इवान डिसूजा ने कुम्पाला में हुई एक हालिया घटना पर प्रकाश डाला, जहां एक आवारा कुत्ते ने एक स्थानीय निवासी पर जान-लेवा हमला किया था। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने का आग्रह किया। पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. अरुण कुमार शेट्टी ने बताया कि पुनर्वास एजेंसियों के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं, लेकिन अभी तक कोई उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों के पास आवारा कुत्तों की आबादी बढ़ रही है, जिससे बच्चों और अभिभावकों में डर पैदा हो रहा है। डॉ. शेट्टी ने कहा ग्रामीण विकास मानदंडों के तहत, कुत्ते के काटने पर 5,000 रुपये और मृत्यु होने पर 5 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाता है। पुत्तूर के विधायक अशोक राय ने आरटीओ ट्रैक निर्माण के लिए पेड़ों को हटाने में हो रही देरी पर चिंता जताई, जबकि एक साल पहले 9 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। हालांकि बबूल और यूकेलिप्टस के पेड़ों के लिए मंजूरी के आदेश जारी किए गए थे, फिर भी काम रुका हुआ है। वन संरक्षण अधिकारी एंथनी मरियप्पा ने बताया कि 2017-18 से इन प्रजातियों के कोई नए पेड़ नहीं लगाए गए हैं और इस साल 470 हेक्टेयर जमीन साफ की गई है। विधायक भोजेगौड़ा ने राज्य वन विभाग से पेड़ों को पूरी तरह से हटाने और सड़कों के किनारे फलदार पेड़ लगाने की अनुमति देने का आग्रह किया। विधायकों ने बैठकों से बार-बार अनुपस्थित रहने के लिए मेस्कॉम के प्रबंध निदेशक की आलोचना की। मंत्री गुंडू राव ने उपायुक्त को चेतावनी नोटिस जारी करने और उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में, वेनलॉक अस्पताल में आईसीयू की कमी पर प्रकाश डाला गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तिम्मय्या ने आश्वासन दिया कि नए मेडिकल ब्लॉक में 76 नए आईसीयू बेड लगाए जाएंगे। विधायक वेदव्यास कामथ ने चिकमंगलूरु और हासन के मरीजों को बिचौलियों के जरिए एक्सपायरी डेट की आयुष दवाइयां सप्लाई किए जाने पर चिंता जताई। गुंडू राव ने पूरी जांच के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि रॉयल्टी कम होने के बावजूद लाल ग्रेनाइट की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिससे निर्माण परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। लाइसेंस की संख्या बढ़ाने से कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। ग्रेनाइट की वर्तमान कीमत 28-30 रुपये प्रति यूनिट है, परिवहन के कारण कुछ इलाकों में यह 60 रुपये तक पहुंच जाती है। अब तक 28.93 एकड़ क्षेत्रफल वाले 59 लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं और 29 नए आवेदनों की समीक्षा चल रही है। संयुक्त सर्वेक्षण के बाद 10 दिनों के भीतर मंजूरी मिलने की उम्मीद है। बैठक में विधायक डॉ. भरत शेट्टी, हरीश, भागीरथी मुरली प्रताप सिंह नाइक, सीईओ जी.पी. विनायक नरवड़े, पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी, एसपी अरुण कुमार और मनोनीत सदस्य शामिल हुए।

कर्नाटक पब्लिक स्कूलों के पीयू छात्रों को भी मध्याह्न भोजन मिलेगा: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने घोषणा की कि राज्य सरकार राज्य भर के कर्नाटक पब्लिक स्कूलों (केपीएस) में पढ़ने वाले पीयूसी छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराना शुरू करेगी। अगले शैक्षणिक वर्ष से, हम राज्य भर के केपीएस में पीयू के छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएंगे। लेकिन हमने अभी तक इस कार्यक्रम को सभी सरकारी कॉलेजों तक विस्तारित करने पर निर्णय नहीं लिया है। मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से अनुमति देने का अनुरोध करूंगा और एक बार अनुमति मिल जाने पर, हम अगले शैक्षणिक वर्ष में इसे प्रदान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बैलहोंगल के पीयू छात्र राकेश से बातचीत की और मध्याह्न भोजन पर उनकी राय जानी। राकेश ने कहा चूंकि कॉलेज सुबह 10 बजे शुरू होता है और मैं दूर रहता हूं, इसलिए मैं सुबह 7.45 बजे घर से निकलता हूं। अगर विभाग मध्याह्न भोजन की अवधि बढ़ा दे तो यह हम जैसे छात्रों के लिए मददगार होगा। मंत्री ने कहा पहले यह योजना कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए थी। अब इसे कक्षा 10 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को अंडे और केले वितरित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये का अनुदान देने के लिए धन्यवाद भी दिया। वर्तमान में, सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 45 लाख छात्र मध्याह्न भोजन का लाभ उठाते हैं। पीयू लेक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निंगेगौड़ा एएच ने कहा राज्य में लगभग 2,000 सरकारी और सहायता प्राप्त पीयू कॉलेज हैं, जिनमें लगभग साढ़े तीन लाख छात्र पढ़ते हैं। अनुमान है कि इतने छात्रों तक मध्याह्न भोजन पहुंचाने के लिए लगभग 195 करोड़ रुपये की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने आगे कहा अधिकांश सरकारी पीयू कॉलेज परिसरों में हाई स्कूल और प्राथमिक स्कूल भी हैं। इसके अलावा, भोजन तैयार करने के लिए पहले से ही रसोई की व्यवस्था है। यदि कार्यक्रम का विस्तार किया जाता है तो अतिरिक्त बुनियादी ढांचा प्रदान करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत : बीआर गवई

अमरावती,16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम 'इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक स्तर पर नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

सीजेआई गवई ने बताया कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि 'न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव

नहीं करना चाहिए और मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है। सीजेआई ने कहा कि देश में वर्षों के दौरान महिलाओं के अधिकारों और समानता को लेकर जागरूकता बढ़ी है, और भेदभाव की पुरानी सोच को पीछे छोड़ा जा रहा है।

उन्होंने भावुक होकर याद किया कि उनके कार्यकाल का पहला कार्यक्रम महाराष्ट्र के अपने गृह नगर अमरावती में था और आखिरी कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के अमरावती में, मानो उनकी यात्रा एक पूरा चक्र पूरा कर रही हो। सीजेआई गवई ने कहा कि भारतीय संविधान स्थिर नहीं है, बल्कि एक 'जीवंत, विकसित होने वाला' दस्तावेज है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन की प्रक्रिया इसीलिए रखी गई ताकि समय के साथ जरूरतें बदलने पर देश आगे बढ़ सके। उन्होंने बताया कि अंबेडकर के भाषण, विशेषकर जब वे मसौदा संविधान प्रस्तुत कर रहे थे, हर कानून के विद्यार्थी को पढ़ने चाहिए। आंबेडकर के तीन शब्द- समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व- को उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ बताया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, 'अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।

राजभवन में हथियार बांटे जाने के आरोपों का मामला

माफी मांगें या फिर कानूनी कार्रवाई होगी : राज्यपाल सीवी आनंद बोस

कोलकाता,16 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया था कि राजभवन में हथियार बांटे जाते हैं। राज्यपाल ने आरोपों को आधारहीन बताया और चेतावनी दी कि अगर टीएमसी सांसद ने माफी नहीं मांगी तो वे कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि 'जो आरोप लगाए गए हैं, उनके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जब सत्ताधारी पार्टी के सांसद कहते हैं कि राजभवन में हथियार उपलब्ध हैं तो इसका मतलब ये है कि उनका अपने ही राज्य की पुलिस पर भरोसा नहीं है? क्या इसके पीछे कोई अंदरूनी राजनीति है? राज्यपाल ने कहा कि 'राजभवन में हथियारों को ढूंढने की बात ऐसी है, जैसे कोई दृष्टिहीन व्यक्ति एक अंधेरे कमरे में काली बिल्ली को ढूंढ रहा हो, जो कि वहां है ही नहीं। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन लोगों के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि 'सुबह 5 बजे से लेकर आम लोग, नागरिक समाज के लोग, मीडियाकर्मी राजभवन

आकर देख सकते हैं कि क्या राजभवन में हथियार हैं या नहीं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के आरोप पर कानूनी राय मांगी है।

उन्होंने टीएमसी सांसद के बयान की निंदा करते हुए शेक्सपियर की एक कविता का एक अंश पढ़ा कि यह एक मूर्ख द्वारा सुनाई गई कहानी है, जो शोर और रोष से भरी है, जिसका कोई मतलब नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि 'राजभवन के दरवाजे सुबह 5 बजे से खुले रखे गए हैं और वह बनर्जी के आने और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के सबूत इकट्ठा करने के लिए निरीक्षण करने का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, अगर वह अपनी कही बात साबित करने में नाकाम रहते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए? राजभवन ने एक बयान में बताया कि राज्यपाल इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष को भी पत्र लिख रहे हैं, क्योंकि टीएमसी सांसद ने गंभीर आरोप लगाए हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया था कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुला रहे हैं और उन्हें हथियार दे रहे हैं ताकि वे टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले कर सकें। उन्होंने कहा कि 'बंगाल के राज्यपाल को कह दें कि वे भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुलाना बंद करें। वह उन्हें वहां रख रहे हैं और उन्हें हथियार दे रहे हैं ताकि वे टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले कर सकें। जब तक ये राज्यपाल, राजभवन में हैं, तब तक बंगाल के साथ कुछ अच्छा नहीं हो सकता।

कांग्रेस अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र और हम भी: उद्धव ठाकरे

मुंबई,16 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले राजनीति का माहौल गर्म है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को साफ कहा कि कांग्रेस चाहे जिस तरह चुनाव लड़े, फैसला उनका है और ठीक उसी तरह उनकी पार्टी भी अपने फैसले खुद लेगी। कांग्रेस ने एक दिन पहले संकेत दिया था कि वह बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने की तैयारी में है। यह बयान तब आया है जब महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के अंदर एमएनएस को साथ लेने पर मतभेद उभर रहे हैं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने राज

ठाकरे की पार्टी को गठबंधन में शामिल करने पर ऐतराज जताया है, जबकि हाल के दिनों में उद्धव और राज ठाकरे की नजदीकियां चर्चा में हैं। वहीं उद्धव ठाकरे ने बिहार चुनावों के नतीजों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, समझ में नहीं आता कि सभाओं में लाखों लोग जुटते हैं, लेकिन उम्मीदवार हार जाते हैं। यह कौन-सी नई लोकतंत्र की गणित है? उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव की भारी भीड़ के बावजूद मिली हार पर भी निशाना साधा और पूछा कि यह समर्थन असली था या फिर कहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई 'दिखावटी भीड़'? उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार मतदाता सूची में अनियमितताओं की शिकायत कर रहा है, मार्च निकाल रहा है, लेकिन चुनाव आयोग इन मुद्दों पर बात करने को तैयार ही नहीं दिखता। हम चुनावों का विरोध नहीं करते, चुनाव राजनीति की जान हैं। लेकिन क्या इसे लोकतंत्र कहा जाए अगर प्रक्रिया पारदर्शी ही न हो? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश में क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करने की कोशिश कर रही है, और ऐसी राजनीति ज्यादा समय नहीं टिक पाएगी। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कांग्रेस स्वतंत्र पार्टी है, अपने निर्णय लेने के लिए आजाद है। और मेरी पार्टी भी बिल्कुल स्वतंत्र है। उनके इस बयान से साफ है कि बीएमसी चुनावों को लेकर एमवीए के अंदर की खिचड़ी पूरी तरह पक चुकी है, और आगे की राजनीति में नए समीकरण भी बन सकते हैं।

फिल्म 'वाराणसी' के इवेंट में राजामौली ने दिया विवादित बयान, यूजर्स ने जमकर लताड़ा

मुंबई,16 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी इवेंट में दिए गए बयान पर अब डायरेक्टर एसएस राजामौली ट्रोल हो रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें खरी-खोटी सुना रहे हैं। कई यूजर्स उनके बयान को बहुत ही शर्मनाक बता रहे हैं। शनिवार को फिल्म 'वाराणसी' का ग्रैंड इवेंट वाराणसी में किया गया। फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली हैं। फिल्म की पूरी स्टार कास्ट वाराणसी में मौजूद थी। प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आए। इवेंट के दौरान ही स्टेज पर राजामौली ने कहा यह मेरे लिए एक भावुक पल है। मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता। लेकिन मेरे पिताजी आए और कहा कि भगवान हनुमान सब संभाल लेंगे। क्या वह ऐसे ही संभालते हैं। यह सोचकर मुझे गुस्सा आ रहा है। वह आगे कहते हैं, 'जब मेरे पिता ने हनुमान के बारे में बात की और सफलता के लिए उनके आशीर्वाद पर निर्भर रहने का सुझाव दिया, तो मुझे बहुत गुस्सा आया। बताते चलें कि इवेंट में टेक्निकल प्रॉब्लम आ रही थी, इस बात

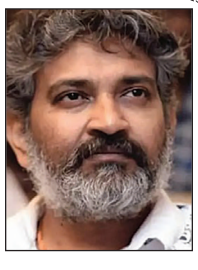

से एसएस राजामौली गुस्सा थे। उन्होंने इस बात को भगवान हनुमान से जोड़ दिया। उनके फैंस का मानना है कि नर्वस होकर एसएस राजामौली ने ऐसा किया। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स डायरेक्टर के बयान पर नाराज हो चुके हैं। जब से राजामौली का बयान सामने आया है, सोशल मीडिया पर वह ट्रोल हो रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'हम सब जानते हैं कि आप नास्तिक हैं राजामौली। लेकिन अपनी बकवास में भगवान हनुमान को घसीटने की हिम्मत मत कीजिए। आपकी लापरवाह और अहंकारी टिप्पणियां शर्मनाक हैं। अगर आप निराश हैं तो अपनी टीम और परिवार पर गुस्सा निकालिए, जो इस मिस मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा राजामौली ने भगवान हनुमान के बारे में कुछ ऐसा कह दिया जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'हनुमान जी को किसी तकनीकी खराबी के लिए दोषी ठहराना। राजामौली से इस घटिया व्यवहार की उम्मीद नहीं थी।

आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर के साथी अमीर को एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एजेंसी ने उस कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रची थी। इस हमले में 13 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 32 अन्य घायल हुए थे। यह गिरफ्तारी मामले की दिशा बदल सकती है और आतंकियों के नेटवर्क को उजागर करने में अहम साबित हो सकती है। एनआईए के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमीर रशीद अली उस कार का पंजीकृत मालिक है, जिसका इस्तेमाल आत्मघाती हमलावर द्वारा धमाके में किया गया था। प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि आरोपी ने हमलावर के साथ मिलकर पूरी योजना तैयार की थी। एजेंसी ने दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद आरोपी की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था। कई राज्यों में खोज अभियान चलाने के बाद आखिरकार अमीर रशीद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी की आतंकियों से संपर्क की अवधि कितनी लंबी थी, वह किस नेटवर्क के संपर्क में था और इस साजिश में अन्य कितने लोग शामिल थे। एजेंसी आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, बैंक लेनदेन और कॉल रिकॉर्ड भी खंगाल रही है, जिससे उसकी गतिविधियों और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बीजेपी का एजेंट बनकर काम कर रहे हैं राज्यपाल : टीएमसी सांसद

कोलकाता,16 नवंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कल्याण बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मुद्दा बहुत स्पष्ट है। आप केवल यह देख रहे हैं कि उन्होंने क्या कहा। उन्होंने कहा कि बंगाल में पूरी तरह कानून-व्यवस्था का अभाव है। उन्होंने कहा कि बंगाल में चुनाव बैलेट (मतपत्र) पर होने चाहिए, बुलेट (गोली) पर नहीं। ये राज्यपाल की ओर से इस्तेमाल किए गए उकसाने वाले शब्द हैं। क्या यह राज्यपाल का काम है। कल्याण बनर्जी ने आगे कहा राज्यपाल को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच सेतु का काम करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि राज्यपाल को केंद्र सरकार का एजेंट नहीं बनना चाहिए। लेकिन वह भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहे हैं। अगर आप हम पर राजनीतिक रूप से हमला करते हैं, तो आपके पास उस तरह के हमले को सहन करने का भी साहस होना चाहिए।

वह संविधान के कसाई हैं। जहां भी गैर-भाजपा शासित राज्य हैं, वहां हर राज्यपाल ऐसा कर रहा है। यह सज्जन तो हद कर गए हैं। टीएमसी सांसद ने शनिवार को आरोप लगाया था कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुला रहे हैं और उन्हें हथियार दे रहे हैं ताकि वे टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले कर सकें। उन्होंने कहा कि 'बंगाल के राज्यपाल को कह दें कि वे भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुलाना बंद करें। वह उन्हें वहां रख रहे हैं और उन्हें हथियार दे रहे हैं ताकि वे टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले कर सकें। जब तक ये राज्यपाल, राजभवन में हैं, तब तक बंगाल के साथ कुछ अच्छा नहीं हो सकता।

असम मंत्री के गोभी की खेती पोस्ट पर बवाल

धर्म और राष्ट्रवाद नहीं करते नरसंहार की सराहना : शशि थरूर

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। असम के मंत्री अशोक सिंघल के विवादित 'गोभी की खेती' वाले पोस्ट पर बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पोस्ट की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि न तो हिंदू धर्म और न ही राष्ट्रवाद ऐसे नरसंहारों को सही ठहराता है, न ही उनकी प्रशंसा करता है। शुक्रवार को अशोक सिंघल ने एक्स पर 'बिहार में गोभी की खेती को मंजूरी' लिखकर एक पोस्ट किया, साथ में फूलगोभी के खेत की

तस्वीर लगाई। कई लोगों ने इसे 1989 के भागलपुर दंगों से जोड़ते हुए कहा कि यह उस हिंसा का संदर्भ है जिसमें 116 मुस्लिम मारे गए थे और उनके शवों को खेतों में दफनाकर ऊपर गोभी की खेती कर दी गई थी। ऑनलाइन कई लोगों ने इस पोस्ट को 'नरसंहार का महिमामंडन' बताया। एक उपयोगकर्ता ने कांग्रेस नेता शशि थरूर को टैग करते हुए पूछा कि क्या वे ऐसे 'सामान्यीकरण' के खिलाफ हिंदू नेताओं से बयान दिलवा सकते हैं। इस पर शशि थरूर ने जवाब दिया, मैं कोई समुदाय संगठित करने वाला नेता नहीं, लेकिन एक गर्वित हिंदू और समावेशी भारत का समर्थक हूं। हमारा धर्म और हमारा राष्ट्रवाद ऐसे हत्याकांडों को न तो स्वीकार करता है, न ही सराहता है। जब एक दूसरे उपयोगकर्ता ने कहा कि थरूर ने इस पोस्ट की निंदा नहीं की, तो उन्होंने साफ लिखा, 'मैंने यही तो किया, मैंने इसकी निंदा की। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे मंत्री द्वारा 'गोभी की खेती' जैसी उपमा का इस्तेमाल राजनीतिक गिरावट का नया स्तर है। उन्होंने कहा यह अश्लील और शर्मनाक है। इस तस्वीर का संबंध लोगाईं नरसंहार से है, जहां 116 मुस्लिमों की हत्या कर उनके शव गोभी के खेतों में छिपाए गए थे। गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'यह मानसिकता उन्हीं के नेतृत्व से पनपी है। वहीं टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने भी इस पोस्ट को 'मुस्लिम नरसंहार का महिमामंडन' बताया। उन्होंने कहा यह कोई फ्रिंज एलिमेंट नहीं, बल्कि मोदी सरकार का मंत्री है।

नौसेना की ताकत में होगा इजाफा

24 नवंबर को सेवा में शामिल होगा पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत माहे

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत 'माहे' 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह एक शैलो-वॉटर क्राफ्ट है। यानी यह युद्धपोत समुद्र की बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है। यह टॉरपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से सुसज्जित है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत बना रहा है, जिनमें यह पहला है, जिसका नाम माहे है। यह नाम पुडुचेरी के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर माहे के नाम पर रखा गया है और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रतीक है। नौसेना प्रवक्ता ने कहा, अपनी ताकत, छिपकर काम करने की क्षमता और गतिशीलता के साथ यह जहाज पनडुब्बियों का शिकार करने, तटीय गश्त करने और भारत के अहम समुद्री मार्गों की सुरक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया है। टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेट से सुसज्जित माहे-श्रेणी का पहला जहाज 23 अक्टूबर को नौसेना को सौंपा गया था। नौसेना प्रवक्ता ने कहा कि 24 नवंबर को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में 'माहे' को शामिल करने के साथ ही नौसेना की देशी जहाज निर्माण की यात्रा में एक और मील का पत्थर छूने वाला है। उन्होंने कहा माहे आत्मनिर्भर भारत पहल में नौसैनिक जहाज डिजाइन और निर्माण की अत्याधुनिक तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है। छोटा होने के बावजूद यह जहाज शक्तिशाली है और तेजी, सटीकता का प्रतीक है। ये सभी गुण तटीय क्षेत्रों में दबदबा बनाए रखने के लिए अहम हैं। 80 फीसदी से अधिक देशी सामग्री के साथ माहे-श्रेणी भारत की युद्धपोत डिजाइन, निर्माण और एकीकरण में बढ़ती महारत को दर्शाता है। मलाबार तट के ऐतिहासिक तटीय शहर के नाम पर रखे गए इस जहाज के प्रतीक चिह्न में 'उरुमी', केरल की मार्शल आर्ट 'कलारिप्पायट्टु' की तलवार दिखाई देती है, जो तेजी, सटीकता और मारक क्षमता का प्रतीक है। नौसेना ने कहा, माहे' का कमीशन होना नई पीढ़ी के देशी शैलो-वॉटर युद्धपोतों के आगमन का प्रतीक होगा।

नारी शक्ति की उड़ान

अब टेरिटोरियल आर्मी में भी शामिल हो सकेंगी महिलाएं

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना महिलाओं के लिए एक और नया दरवाजा खोलने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, आर्मी ने टेरिटोरियल आर्मी की कुछ बटालियनों में महिला कैडर की भर्ती का प्रस्ताव विचार के लिए रखा है। शुरुआत एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर होगी, यानी फिलहाल कुछ ही यूनिट्स में महिलाओं को जगह दी जाएगी। आगे चलकर, नतीजों और अनुभव के आधार पर दायरा बढ़ाया जा सकता है। सरकार लंबे समय से सशस्त्र बलों में 'नारी शक्ति' पर जोर दे रही है। सेना भी अपने ढांचे में महिलाओं की भूमिका को धीरे-धीरे विस्तार दे रही है। मार्च 2022 में राज्यसभा में दिए एक लिखित जवाब में तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने बताया था कि महिलाओं की कॉम्बैट भूमिका को लेकर नीति लगातार समीक्षा में रहती है। आज महिलाएं सेना की 10 बड़ी शाखाओं, इंजीनियर्स, सिग्नल्स, एयर डिफेंस, एएससी, एओसी, ईएमई, आर्मी एविएशन, इंटेलिजेंस, जेएजी और एजुकेशन कॉर्प्स, में सेवा दे रही हैं। टेरीटोरियल आर्मी को 18 अगस्त 1948 को कानून के तहत स्थापित किया गया था। बाद में भारत के पहले गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी ने 9 अक्टूबर 1949 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसकी खासियत है, नागरिक सैनिक (सिटिजन सोल्जर) का विचार। यानी ऐसे नागरिक जिन्हें देश की सेवा का जुनून है, लेकिन जो नियमित सेना में शामिल होने की उम्र पार कर चुके हों, उन्हें वर्दी पहनने का मौका मिलता है। आज टेरिटोरियल आर्मी में करीब 50,000 जवान हैं। इनमें 65 विभागीय इकाइयां (जैसे रेलवे, आईओसी, ओएनजीसी) और कई गैर-विभागीय टेरिटोरियल आर्मी बटालियन शामिल हैं। इसमें इंफैंट्री, होम एंड हार्थ बटालियन, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी इकोलॉजिकल बटालियन, एलओसी पर बाड़बंदी का रखरखाव करने वाली इंजीनियर रेजिमेंट शामिल हैं। टेरियर्स यानी टेरीटोरियल आर्मी जवानों ने देश के कई बड़े सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, इसमें 1962, 1965 और 1971 के युद्ध, श्रीलंका का ऑपरेशन पवन, पंजाब व जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन रक्षक, पूर्वोत्तर राज्यों में ऑपरेशन राइनो और बजरंग शामिल हैं।

‘जनजातीय गौरव दिवस’ पर सोनभद्र पहुंचे सीएम, बिरसा मुण्डा को अर्पित की श्रद्धांजलि

सोनभद्र में किया 548 करोड़ की 432 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जनजातीय समुदाय तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा देश के विकास में अपना योगदान दे रहा है। बिरसा मुण्डा के संघर्ष के दौरान साधन व संसाधन नहीं थे, लेकिन उस समय जनजातीय समुदाय भारत की मुख्य धारा के साथ मिलकर स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहा था। अंग्रेजों ने उन्हें मात्र 25 वर्ष की आयु में रांची की जेल में कैद कर लिया, जहां उनकी दुखद मृत्यु हो गई। उस समय उनके द्वारा दिया गया नारा ‘अबुआ दिसुम, अबुआ राज’ लोगों के लिए एक प्रेरणा है। धरती आबा बिरसा मुण्डा ने विदेशी राज को इसके माध्यम से नकारने का कार्य किया। जनजातियों के लिए भगवान बिरसा मुण्डा की मांग के समक्ष ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा तथा जनजातीय समाज को उनका अधिकार देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती ‘जनजातीय गौरव दिवस’ के अवसर पर सोनभद्र में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जनपद के सर्वांगीण विकास को समर्पित 548 करोड़ रुपये की 432 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व चेक वितरित किए। उन्होंने मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों के लिए 25 स्कूटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा सोनभद्र के पर्यटन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने जनजाति विकास पर आधारित प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में प्रदेश में जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा किये गए कार्यों तथा सोनभद्र के पर्यटन विकास पर आधारित लघु फिल्म भी दिखायी गयी। मुख्यमंत्री जी ने जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। डबल इंजन सरकार ने जनजातीय समुदाय को उसके अधिकार दिलाने का कार्य किया है। प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय गौरव के संरक्षण के लिए बलरामपुर के इमलिया कोडर में जनजातीय म्यूजियम और छात्रावास की स्थापना की है। मिर्जापुर मण्डल में भी म्यूजियम की स्थापना की जाएगी। जनजातीय गौरव की धरोहर सभी के लिए एक प्रेरणा बनेगी। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमें जनजातीय गौरव दिवस के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 22 राज्यों की टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें अरुणाचल प्रदेश हमारा सहभागी राज्य रहा। हमारे जनजातीय समाज ने विरासत के साथ जुड़कर भारत की गौरव गाथा व परम्परा को आगे बढ़ने का कार्य किया है। सोनभद्र के सलखन फॉसिल्स पार्क में 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इसके माध्यम से दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से जनपद में शिवद्वार, पंचमुखी महादेव, कंटाकोट महादेव, ज्वालामुखी शक्तिपीठ, मुखा फॉल व हाथी नाला आदि जैसे महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल हैं। यहां पर बायो डायवर्सिटी पार्क इत्यादि हैं। उत्तर प्रदेश में पायी जाने वाली 15 जनजातियों में से 14 जनजाति सोनभद्र में मिलती हैं। देश में सबसे अधिक जनजातियां सोनभद्र में ही निवास करती हैं। इनकी कुल आबादी जनपद सोनभद्र में चार लाख से अधिक है। इन सभी जनजातियों का

इतिहास मानवता के इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने ‘पीएम जनमन योजना’ के अन्तर्गत ‘धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान’ प्रारंभ किया है। उत्तर प्रदेश के 517 जनजातीय ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं के साथ उनके समग्र विकास के लिए सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश की 11 लाख से अधिक जनजातीय आबादी के मध्य इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन सभी ग्रामों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए ‘वन अधिकार कानून’ में संशोधन के उपरांत जनजातीय समाज के लोगों को पट्टा भी दिया जा रहा है। अब तक 23 हजार से अधिक लोगों को पट्टे आवंटित किये जा चुके हैं, जिससे जनजातीय लोगों को उनकी जमीन का मालिकाना हक प्राप्त हुआ है और किसी भी उत्पीड़न से मुक्ति मिली है। प्रदेश सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर प्रदेश की सभी जनजातियों को सभी प्रकार की योजनाओं से आच्छादित कर रही है। सभी को भूमि का पट्टा, आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, घर में शौचालय, पत्रों को वृद्धावस्था या निराश्रित महिला पेंशन आदि से आच्छादित किया जा रहा है। उनके बच्चों के लिए आंगनबाड़ी व स्कूल की व्यवस्था की जा रही है। उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना और अन्य योजनाओं से अच्छादित किया जा रहा है। सोनभद्र में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का निर्माण किया गया है, जिसमें 120 छात्र तथा 120 छात्राएं आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विकासखंड रॉबर्ट्सगंज में आश्रम पद्धति विद्यालय तथा विकासखंड नदवा में आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय का निर्माण भी कराया जा रहा है। अनुसूचित जाति व जनजाति की छात्राओं हेतु एक राजकीय छात्रावास का भी निर्माण किया जा रहा है। जनपद में चार पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित है, जहां आवासीय पठन-पाठन, निःशुल्क पुस्तक, पुस्तकालय, वस्त्र, स्मार्ट क्लासेस आदि की व्यवस्था के माध्यम से जनजातीय छात्र-छात्राओं को आधुनिक शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। सोनभद्र के सभी विकास खण्डो में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें कक्षा 06 से कक्षा 12 तक छात्राएं एक ही परिसर में आवासीय सुविधा के साथ पठन-पाठन कर सकती हैं। अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से जनजातीय छात्रों को नीट व आईआईटी जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त हुई है। बिरसा मुण्डा के संदेश के अनुरूप जनजातीय समाज को राष्ट्रप्रथम के भाव से जोड़ने के लिए सोनभद्र के जनजातीय युवाओं को टूरिस्ट गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। सरकार द्वारा जनजातीय समाज के अनुभवी वैद्यों की विशेषज्ञता व उनकी जड़ी बूटी औषधीय को प्रचारित करने का कार्य किया जा रहा है। इससे उनको अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई है। जनपद में विकास की परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। सोनभद्र प्रदेश की ऊर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है। ओबरा में स्थित उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की इकाई में 1320 मेगावाट क्षमता का प्लांट लगाया गया है जिसकी कुल लागत 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इस परियोजना के साथ युवाओं के लिए नौकरी की नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। जनपद में 3,394 करोड़ रुपये लागत से निर्मित कनहर सिंचाई परियोजना के माध्यम से रॉबर्ट्सगंज, दुद्धी व ओबरा विधानसभा के 108 ग्रामों के 53 हजार से भी अधिक कृषक परिवारों को 35 हजार 467 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई है। जनजातीय ग्रामों में ‘हर घर नल योजना’ का अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है। पूर्ण संतृप्तीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूर्ण होने के उपरांत इसमें प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। जिला चिकित्सालय की क्षमता बढ़ाकर 500 बेड की कर दी गई है। आज निवेशक सोनभद्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं। 2 लाख 05 हजार 981 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जनपद में प्राप्त हुए हैं। इससे हजारों नौजवानों को रोजगार प्राप्त होगा। सोनभद्र में ग्रामीण क्षेत्र में 80 हजार 516 तथा शहरी क्षेत्र में 11 हजार 411 प्रधानमंत्री आवास दिए गए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 23 हजार 973 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 03 लाख 51 हजार 772 परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है तथा 669 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। पहले जंगल की लकड़ी या गोबर के उपलों से भोजन बनाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के माध्यम से धुएं से मुक्ति मिली है। जनपद में 2 लाख 51 हजार से अधिक निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। अब होली व दीपावली पर दो भरे हुए गैस सिलेंडर मुफ्त दिए जाते हैं। 6 लाख 50 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड अकेले सोनभद्र जनपद में ही बनाए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के अन्तर्गत 8 हजार से अधिक स्ट्रीट वेण्डरों को लाभान्वित किया गया है। अटल पेंशन योजना में 1 लाख 8 हजार 324, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 6 लाख 86 हजार 87, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 3 लाख 49 हजार 796 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना में 8 लाख 30 हजार 570 खाते खोले गए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में एक 1 लाख 38 हजार 393 लाभार्थियों को ऋण दिया गया है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 9 हजार से अधिक लोगों को उनके निवास स्थान पर ही पट्टे उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 02 लाख 35 हजार 573 किसानों को लाभान्वित किया गया है। पीएम कुसुम योजना में 2 हजार 646 किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 8 हजार 324 बेटियों का विवाह कराया गया है। 75 हजार 709 वृद्धजनों, 26 हजार 432 निराश्रित महिलाओं व 11 हजार 17 दिव्यांगों को पेंशन की सुविधा का लाभ जनपद सोनभद्र में दिया गया है। बीसी सखी के माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण व विधान परिषद सदस्य भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रवीन्द्र जायसवाल, समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड अधिकारी उपस्थित थे।

वामपंथी इतिहासकारों ने दरकिनार किया दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदान : राजनाथ

इंडिया की आन-बान-शान के लिए हर बेटी बन सकती ऊदा देवी

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वामपंथी इतिहासकारों ने अपनी सुविधानुसार इतिहास को लिखा, जिसमें दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदान को दरकिनार किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज शहीद वीरांगना ऊदा देवी के शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।राजनाथ सिंह ने कहा कि दलित, आदिवासी, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों को इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। इन नायकों को न सिर्फ पढ़ाया जाना चाहिए था बल्कि उनको पूजा जाना चाहिए था। दुखद बात है कि इतिहासकारों ने पासी साम्राज्य पर कोई किताबें नहीं लिखीं। विद्वानों ने कभी इस वीर समुदाय के इतिहास पर रिसर्च नहीं की। पहले की सरकार ने कभी भी पासी साम्राज्य के बारे में जानकारी एकत्र करने की कोशिश नहीं की।एका आंदोलन में मदारी पासी का योगदान कौन ही भूल सकता है।मदारी पासी ने अन्याय के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूँका।जब किसानों पर बहुत अधिक लगान लगाया गया तो मदारी पासी 'किसानों के मसीहा'

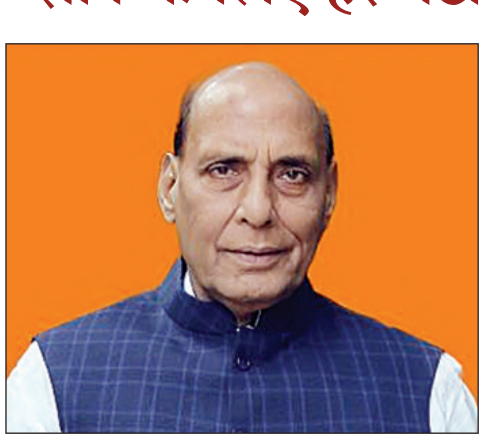

बनकर उभरे।मैं मदारी पासी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।रक्षा मंत्री ने कहा कि वह निःसंकोच कह सकता है कि इंडिया की आन-बान-शान की रक्षा के लिए इंडिया की हर बेटी ऊदा देवी बन सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऊदा देवी ने अप्रतिम पराक्रम और अदम्य साहस से न सिर्फ अंग्रेजी सेना को धूल चटायी बल्कि राष्ट्र प्रेम का ऐसा मानक स्थापित किया है जो अनंत काल तक इंडिया के हर नागरिक को प्रेरित करता रहेगा।ऊदा देवी ने बता दिया था कि जब-जब इंडिया की ओर कोई आंख उठाकर देखेगा, तो इंडिया की हर बेटी भी उसका डटकर मुकाबला करेगी। जब अंग्रेजों की एक बटालियन से लड़ते हुए ऊदा देवी शहीद हुईं, तब उनके मृत शरीर को देखकर ब्रिटिश अधिकारी भी उनके प्रति सम्मान में झुक गए थे। वीरांगना ऊदा देवी ने न केवल पासी समुदाय, बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। प्रत्येक भारतीय को उन पर अत्यंत गर्व है। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी की कहानी हमें आत्म-सम्मान सिखाती है। 1857 की क्रांति के इतिहास में ऊदा देवी पासी ने न केवल अंग्रेज़ी हुकूमत को चुनौती दी, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था को भी चुनौती दी जिसने उनके समाज को सदियों तक हाशिए पर रखा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऊदा देवी जी ने यह सिद्ध किया कि देशभक्ति और वीरता किसी जाति या वर्ग की सीमा में बंधी नहीं होती। लखनऊ की लड़ाई में उन्होंने दिखाया कि स्वतंत्रता की ज्वाला हर हृदय में प्रज्वलित हो सकती है।

ग्राम चौपालों में 5 लाख 78हजार से अधिक समस्याओं,प्रकरणों का निस्तारण

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल गांव की समस्या गांव में समाधान का आयोजन किया जा रहा है।बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।डबल इन्जन सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष फोकस है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है ।व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। शुक्रवार को प्रदेश की 1303 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3204 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3026 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 5456ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 58हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। लगभग 2.5 साल से ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। 1 लाख 70 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है। 5लाख 78 हजार से अधिक समस्याओं प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं वीरांगना ऊदादेवी : योगी

36 अंग्रेज सैनिकों को किया था ढेर

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडिया की स्वाधीनता में वीरों व वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इस मामले में लखनऊ की भूमि अनोखी है। 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश ही था।शहीद मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसकी हुंकार भरी थी।धन सिंह कोतवाल ने उसे मेरठ में आगे बढ़ाया था।झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई अमर योद्धा के रूप में उसे नेतृत्व दे रही थीं।बिठूर में तात्या टोपे उस लहर को मजबूती प्रदान कर रहे थे।सीएम ने बेगम हजरत महल का भी जिक्र किया और कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी जैसे अमर सेनानियों के साथ मिलकर विदेशी फिरंगियों को भगाने

के लिए प्रथम स्वातंत्र्य समर की अमर योद्धा के रूप में वे स्मरण की जाती हैं। वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।उन्होंने पासी स्वाभिमान दिवस को भी संबोधित किया। वीरांगना ऊदा देवी ने विदेशी हुकूमतों के चूलों को हिलाने व अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को लखनऊ के सिकंदरबाग में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था।उनका नाम इतिहास में अमर हो गया. वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए।उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर निर्माण किया गया।सरकार ने हर क्रांतिकारी, बलिदानी, इंडिया मां के सपूत के योगदान को पाठ्यक्रम का हिस्सा भी बनाया है।बेसिक शिक्षा परिषद में बच्चों को अतिरिक्त पुस्तक उपलब्ध कराई गई है। हमारी सरकार ने 8 वर्ष में 2 लाख 19 हजार पुलिस भर्ती की है।इसमें 20 फीसदी महिलाओं की भर्ती अनिवार्य की गई। गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी व बदायूं में गठित बटालियन का नाम वीरांगना अवंती बाई लोधी के नाम पर रखा है।

डिस्लेक्सिया वाले बच्चों की शिक्षा, अधिकार के लिए योगी सरकार संवेदनशील : झा

डिस्लेक्सिया एवं एडीएचडी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य स्तरीय डिस्लेक्सिया एवं एडीएचडी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को लखनऊ में सफल समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त दिव्यांगजन प्रो. हिमांशु शेखर झा ने अपने संबोधन में कहा कि डिस्लेक्सिया वाले बच्चों को भी शिक्षा में समान अवसर और अधिकार सुनिश्चित करने हेतु विभाग पूर्ण संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की शिक्षा को गुणात्मक और सुगम बनाने के लिए अध्यापकों के विशेष प्रशिक्षण, अभिभावक जागरूकता विशेष कार्ययोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप निदेशक डॉ. अमित राय ने जानकारी दी कि डिस्लेक्सिया जागरूकता माह के अंतर्गत यह दो-दिवसीय प्रशिक्षण प्रदेश के सभी 75 जिलों के चयनित अध्यापकों, विशेष शिक्षकों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए आयोजित किया गया।

इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में, चेंजइंक फाउंडेशन के एसएलडी विशेषज्ञ अमरेश चंद्रा ने विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता के प्रकार, उनकी शीघ्र पहचान, प्रमाणीकरण एवं डिस्लेक्सिया तथा एसएलडी वाले बच्चों के शिक्षण में उपयोगी सहायक प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त संजय कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, डीएसएमएनआरयू ने डिस्लेक्सिया व एडीएचडी की परिभाषा, लक्षण तथा अनुकूल वातावरण निर्माण पर और नागेश पाण्डेय प्रवक्ता सीआरसी लखनऊ ने कक्षा प्रबंधन और सहपाठी ट्यूटरिंग पर प्रशिक्षण प्रदान किया।द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण सत्रों में दीपक कुमार जायसवाल प्रवक्ता, अध्यापक शिक्षक केंद्र, लखनऊ ने डिस्लेक्सिया तथा एडीएचडी वाले बच्चों के पुनर्वास एवं हस्तक्षेप में अभिभावकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग पर, डा. स्वाती कात्याल समृद्धि-ए लर्निंग फाउंडेशन ने आकलन उपकरण और बहुसंवेदी शिक्षण तकनीकों पर, जबकि डा मधुबाला यादव मनोवैज्ञानिक बचपन दे केयर सेंटर लखनऊ ने सामाजिक-भावनात्मक प्रभाव से संबंधित जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण से संम्पन हुआ।

34 पीपीएस अफसरों की ट्रेनिंग पूरी, हुई तैनाती

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रशिक्षण ले रहे 34 पीपीएस अफसरों की ट्रेनिंग पूरी हो गई। योगी सरकार ने सभी 34 पीपीएस अफसरों को जिलों में तैनात दे दी है। इनमें 30 अफसरों को सीओ बनाकर भेजा गया है जबकि चार अफसरों को कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त पद पर तैनात किया गया है। बसंत सिंह को महाराजगंज, संकल्प दीप कुशवाहा को एटा, प्रतिज्ञा सिंह को बांदा, नारायण दत्त मिश्रा को बहराइच, ऋतिक कपूर को सुलतानपुर, अभिमन्यु त्रिपाठी को लखीमपुर खीरी, पीयूष कुमार पाण्डेय को झांसी, क्रिश राजूपत को मऊ, गायत्री यादव को मर्जापुर, मनोज कुमार गंगवार को औरैया, सुधीर सिंह को मेरठ, जयंत यादव को कुशीनगर, रोहिनी यादव को सिद्धार्थनगर, प्रभा पटेल को हरदोई, आकृति पटेल को पीलीभीत, अभय कुमार वर्मा को फतेहगढ़, अभिषेक कुमार को सीतापुर, अनुभव राजर्षि को गाजीपुर, आकांक्षा गौतम को बिजनौर, शुभम वर्मा को शाहजहांपुर, अमित कुमार संतकबीरनगर, देशहराज सिंह बलिया, दीपशिखा को मेनपुरी, कुलदीप सिंह यादव को बस्ती, अवनीश कुमार सिंह को इटावा शशांक श्रीवास्तव को बुलंदशहर, गौरव उपाध्याय को महोबा, मयंक मिश्रा को अयोध्या विनी सिंह को उन्नाव, अपूर्वा पाण्डेय को यूपी 112 लखनऊ में पुलिस उपाधीक्षक बनाकर भेजा गया है। शशि प्रकाश मिश्रा को सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ, हरेकृष्ण शर्मा को सहायक पुलिस आयुक्त आगरा, अरुण पाराशर को सहायक पुलिस आयुक्त प्रयागराज, अपूर्व पाण्डेय को सहायक पुलिस आयुक्त वाराणसी बनाया गया है।

घर संसार

पार्टी में जाने से पहले नहीं भूलनी चाहिए ये बात..

लड़कों के लिए सुबह ऑफिस जाकर आठ घंटे काम करने के बाद शाम को पार्टी अटैंड करना सचमुच किसी चुनौती से कम नहीं होता है। ऐसे में जब वह किसी पार्टी मे जाते हैं तो बिना किसी खास तैयारी के ही पहुंच जाते हैं।

आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी बात जो लड़को को पार्टी में जाने से पहले नहीं भूलनी चाहिए। जब आप पूरा दिन दफ्तर में काम करने के बाद पार्टी में जाते हैं तो आपके फेस पर थकान साफ नजर आती है। ऐसी सिचुएशन में आपको कुछ ही समय में होने वाले एनर्जाइजिंग स्क्रब की जरूरत होती है। यह चेहरे से गंदगी और मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए सबसे आसान तरीका है। इसके बाद आपके चेहरे पर पार्टी में अलग ही चमक आएगी।

* बालों पर दें ध्यान

अगर आपको कुछ घंटो के बाद किसी पार्टी में जाना है तो आप ड्राई शैम्पू कर सकते हैं। बालों को गीला दिखाने के लिए आप जेल या क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। पार्टी चाहे कोई भी हो रूखे और बेजान बाल दिखना कोई अच्छी बात नहीं है। अगली बार किसी भी पार्टी में जाने से पहले अपने बालों पर ध्यान जरूरी दें।

* परफ्यूम का स्प्रे करना ना भूलें

अगर आपने डिओडोरेंट का उपयोग कर रखा तो फिर भी बॉडी पर परफ्यूम का स्प्रे करना ना भूलें। अक्सर लोग स्प्रे केवल अपनी गर्दन पर करते हैं। लेकिन हमारी आपको सलाह है कि आप स्प्रे चेस्ट और अंडर आर्म्स पर इसका उपयोग करें। क्योंकि शरीर के ये भाग अधिक गंध से ग्रस्त होते हैं।

नाखूनों पर दें विशेष ध्यान

लड़कों को पार्टी में जाने से पहले अपने नाखूनों पर भी विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि पार्टी में अक्सर खाने की प्लेट और ग्लास पकड़कर बातें करने के ज्यादा मौके आते हैं। इन मौकों पर सामने वाले व्यक्ति का ध्यान आपके हाथों और नाखूनों पर जाना लाजमी है। इसलिए पार्टी में जाने से पहले अपने नाखूनों की साफ सफाई पर जरूर ध्यान दें। बालों पर आप जेल या क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

माउथवॉश हमेशा रखें पास

अगर आपकी सांस में से बदबू आती है तो आपको अपने साथ हमेशा माउथवॉश रखना चाहिए। इसके अलावा इलायची या सौंफ बीज के चबाने से भी सांस की बदबू से निपटने में मदद कर सकते हैं।

फैशनेबल और ट्रेंडी दिखना है तो बोहो को अपनाए

बोहेमियन, यह शब्द कहते ही दिमाग में लूज और ग्रेसफुल ड्रेसेज या टॉप्स की तस्वीर उभरती है जिसमें लेयर्स और सिल्वेट होते हैं और उन्हें पहनकर बेहद कंफर्टेबल महसूस होता है। बोहेमियन फैशन, वेस्टर्न और इंडियन स्टाइल्स के बीच लयबद्ध लिंक की तरह है। डिजाइनर साक्षा भट्ट कहते हैं, इस ट्रेंड में भारत के फ्लोरल नोमैडिक प्रिंट्स को वेस्टर्न फ्लोइ सिल्वेट और कट्स के साथ फ्यूजन कर बनाया जाता है।

बोहो लुक्स के लिए आप इन 7 तरीकों को आजमा सकते हैं-

1. **काफ्तान-** लूज, कलरफुल और कंफर्टेबल काफ्तान भी बोहेमियन लुक का हिस्सा है। आप चाहें तो पुराने शॉल या स्टोल का इस्तेमाल कर काफ्तान बना सकती हैं। अपने इस लुक को झोला, कोल्हापुरी और ब्राइट कलर के बीड्स के साथ फिनिश करें।

2. **ईकाट-** मिट्टी के रंग के ईकाट फैब्रिक या कॉटन फैब्रिक का इस्तेमाल करें। इसे आप फुलर पैंट्स या मैनस्कर्ट्स के साथ पेयर करके पहन सकती हैं।

3. **पैच करें-** आप चाहें तो साड़ी में भी बोहो लुक को अपना सकती हैं। इसके लिए पैचवर्क साड़ी का इस्तेमाल करें।

4. **लेयर्स यूज करें-** स्कार्फ, दुपट्टा, जैकेट, श्रग या लॉन्ग शर्ट का इस्तेमाल कर आप अपने कपड़े में मल्टिपल लेयर्स बना सकती हैं।

5. **ओवरसाइज-** आप चाहें तो कोई ओवरसाइज्ड सिल्वेट पहन सकती हैं। इस स्टाइल के लिए ओवरसाइज्ड पैंट्स के साथ फिटेड टॉप या फिटेड पैंट्स के साथ ओवरसाइज्ड टॉप का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

6. **स्कार्फ का करें इस्तेमाल-** किसने कहा कि आप स्कार्फ को सिर्फ गले पर बांध सकती हैं। आगे बढ़े और इसे सिर पर बांधकर और भी स्टाइलिश बन जाएं।

7. **प्रिंट्स को करें मिक्स-** अलग-अलग तरह के प्रिंट्स को मिक्स करना भी क्लासिक बोहेमियन ट्रिक है। हालांकि इसमें एक जैसे कलर टोन ही रखें। एक्सट्रा इफेक्ट के लिए अक्सेसरीज का ध्यान रखें।

5 मिनट में तरोताजा हो जाएगा थका हुआ चेहरा

अगर आपके पास अपनी थकी हुई स्किन को दोबारा तरोताजा बनाने के लिए ढेर सारे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और समय नहीं है तो हम आपको बता रहे हैं बेहद आसान ट्रिक जिसका इस्तेमाल कर महज 5 मिनट में आपका थका हुआ चेहरा फिर से फ्रेश हो जाएगा...

1. गुलाब जल

गुलाब जल यानी रोज वॉटर में हाइड्रेटिंग और ब्राइटनिंग प्रॉपर्टी होती है। रूई को गुलाब जल में भिगोएं और उससे अपना चेहरा साफ करें। आप देखेंगे कि ऐसा करते ही आपका चेहरा तुरंत रिफ्रेश लगने लगेगा। साथ ही गुलाब जल की खुश्बू, दिन की थकान को भी दूर कर देती है।

2. शहद का फेसपैक

शहद में मौजूद विटमिन बी और सी स्किन को पोषण देते हैं। शहद की कुछ बूंदों से चेहरे को धोएं और फिर ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें, आप देखेंगी कि शहद की वजह से चेहरे से थकान तुरंत गायब हो जाएगी। इंस्टेंट फ्रेशनेस के लिए आप दही और शहद का पैक बनाकर चेहरे पर 5 मिनट तक लगाकर रखें और फिर पानी से धो लें।

3. लेमन बेस्ड फेसवॉश

ज्यादातर लेमन बेस्ट फेसवॉश में ऐसी प्रॉपर्टीज होती है जो आपकी स्किन को एनर्जाइज करते हैं। साथ ही नींबू की साइट्रस सुगंध भी आपको फ्रेश फील करने में मदद करती है।

4. पेट्रोलियम जेली

आंखों की आइलिड्स और चेहरे के चीक बोन्स पर थोड़ा सा पेट्रोलियम जेली लगाएं और चेहरे को इंस्टेंट फ्रेश बनाएं। पेट्रोलियम जेली लगाने से चेहरा ग्लॉसी और फेशल कराया हुआ जैसा भी दिखने लगेगा।

5. मस्कारा यूज करें

सबसे पहले ट्रांसपेरेंट आईलाइनर लगाएं, फिर अपनी पलकों पर थोड़ा सा इशेंल ऑयल लगाएं और फिर पलकों पर ढेर सारा मस्कारा लगा लें। पहला कोट सूख जाए फिर मस्कारा का दूसरा कोट लगाएं ताकि आपकी पलकें मोटी दिखें। इससे भी चेहरे की थकान गायब हो जाएगी।

स्वास्थ्य टिप्स

सर्दी के मौसम में एलर्जी से ऐसे रहें दूर, अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों के दौरान मौसम में अचानक बदलाव होने से सर्दी, जुकाम से परेशान और त्वचा पर चकत्ते से पीड़ित रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। साथ ही मौसम में एलजी के मामले भी अधिक देखने को मिलते हैं। कुछ लोगों को सांस लेने की समस्या और शरीर में खुजली की समस्या का भी सामना करना पड़ता है।

इंडस हेल्थ प्लस में प्रिवेन्टिव हेल्थकेयर स्पेशलिस्ट कंचन कहती हैं कि सर्दियों में लोग घरों के अंदर इनडोर एलर्जी के शिकार हो जाते हैं, जैसे धूल कण, सूक्ष्म जीवाणु और फफूंदी से जुड़ी एलजी क्योंकि इस मौसम में वे ज्यादा समय घरों में रहते हैं। फफूंदी और घरों की गंदगी दमा रोग बढ़ाती हैं। इससे खांसी, गले में घरघराहट और सांस लेने में तकलीफ होती है। शहरों में प्रदूषण के बड़े स्तर को भी देखा गया है। इस तरह की एलर्जी को रोकने के लिए घर और आसपास की जगह को साफ-सुथरा रखना चाहिए।

एलर्जी को रोकने के संबंध में सुझाव

1. घर में धूल व गंदगी से कालीन और बिस्तर पर सूक्ष्म रोगाणु पनपने लगते हैं। जो एलर्जी का कारण बनते हैं। एलर्जी के कारण की पहचान के लिए एक खास खून जांच है, जिसका नाम है कॉम्प्रीहेन्सिव एलर्जी टेस्ट। एक बार एलर्जी का कारण पता चल जाता जाने पर इलाज को शुरू किया जा सकता है।

2. धूल कणों और सूक्ष्म रोगाणुओं से बचाव के लिए घर के अंदर हवा के प्रवाह में सुधार लाएं और रसोईघर, गुसलखाने व कमरों को साफ-सुथरा रखें। घर और कालीन की नियमित रूप से सफाई करें।

3. एलर्जी से पीड़ित लोग खुद को धूल और गंदगी से दूर रखें। दमा और गले की सूजन से पीड़ित लोगों को डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। त्वचा की एलर्जी या चकत्ते से पीड़ित लोगों को भी डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

पपीता में कई रोगों का इलाज, अपनी डाइट में करें शामिल

पपीता आसानी से हजम होने वाला फल है। पपीता भूख व शक्ति को ब?ता है। यह कई रोगों को समाप्त करता है।

पेट के रोगों को दूर करने के लिए पपीते का सेवन करना लाभकारी होता है। पपीते के सेवन से पाचनतंत्र ठीक होता है।

पपीते का रस अरूचि, नींद का न आना, सिर दर्द, कब्ज व आंवदस्त आदि रोगों को ठीक करता है।

पपीते का रस सेवन करने से अम्लपित्त (खट्टी डकारें) बंद हो जाती है। पपीता पेट रोग, हृदय रोग, आंतों की कमजोरी आदि को दूर करता है।

पके या कच्चे पपीते की सब्जी बनाकर खाना पेट के लिए लाभकारी होता है।

पपीते के पत्तों के उपयोग से उच्च रक्तचाप में लाभ होता है और हृदय की ध?कन नियमित होती है।

पपीता वीर्य को ब?ता है, पागलपन को दूर करता है एवं वात दोषों को नष्ट करता है।

इसके सेवन से जख्म भरता है और दस्त व पेशाब की रुकावट दूर होती है।

कच्चे पपीते का दूध त्वचा रोग के लिए बहुत लाभकारी होता है।

पपीते के बीज की? को नष्ट करने वाला और मासिक-धर्म को नियमित बनाने वाला होता है।

कच्चे आहार और उनके फायदों के बारे में जानें

सबसे अधिक कच्चे खाद्य पदार्थ अक्सर सिर्फ शाकाहारी होते हैं। लेकिन कुछ कच्चे खाद्य पदार्थ में गैरपाश्चुराईज डेयरी उत्पाद, कच्चा मांस, कच्चे अंडे, और सुशी (जापानी भोजन) भी खाये जाते हैं । अधिकांश लोगों मानते है कि खाद्य पदार्थ पकाया जाना चाहिए या 116 से 118 ए फॉरेनहाइट तक गर्म हो, लेकिन जो लोग कच्चे खाद्य पदार्थ के विचार में विश्वास करते हुए मानते हैं कि पकाने से खाद्य पदार्थ के एंजाइमों नष्ट हो जाते हैं और इसमे कई पोषण संबंधी लाभ है। कच्चे खाद्य पदार्थ के समर्थको का कहना कि बिमारियों के जोखिम जैसे मधुमेह और उच्च रक्तचाप में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पशु उत्पादों, पाश्चयुराईजड खाद्य पदार्थ और रासायनिक योजक के साथ खाद्य पदार्थ को खाने से वृद्धि होती है।

क्या खा सकते हैं आप

फल और सब्जियां, बादाम, अनाज और बीज वाले खाद्य पदार्थ, जडी बूटी और मसाले कुछ गैरपाश्चयुरीकृत डेयरी उत्पाद, कच्चे मांस, कच्चे अंडे,और सुशी भी खाये जा सकते है। कुछ कच्चे खाद्य पदार्थ जैसे उबला हुआ पास्ता या एक बेक्ड आलू को सीमित मात्र में पकाया जाता है। लेकिन ये खाद्य पदार्थ आपके कुल दैनिक खाद्य पदार्थ से कम से कम 25 होना चाहिए। कच्चे खाद्य पदार्थ में कच्चे मांस आमतौर पर मछली या चिकन है। आहार के इस प्रकार में खाद्य पदार्थ मिश्रण, सूखे चूर्ण या जूस हो सकता है। यदि आप अपने भोजन के कच्चे खाद्य पदार्थ ही खा रहे तो आपके भोजन का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा बिना पका या कच्चा होना चाहिए। कच्चे खाद्य पदार्थ का सिद्धांत है कि यदि आप कच्चे खाद्य पदार्थ को जरुरत से अधिक खाते है तो यह पचाने में मुश्किल होता है। कच्चे या शाकाहारी भोजन को आप अपनी आवश्यकता के अनुसार ही खाएं।

कच्चे खाद्य पदार्थ अल्पावधि के लिए अच्छा हैअल्पकालिक-दीर्घकालिक प्रभाव

कच्चे खाद्य पदार्थ अल्पावधि के लिए अच्छा है क्योंकि इसमें कम मात्र में कैलोरी होती है, अच्छी मात्र में पोषक तत्व और भरण-पोषण शामिल होता है। लेकिन आहार का यह एक प्रकार जोकि दीर्घ समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है,ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ जिसे आप खा सकते हैं, लेकिन एक लंबी अवधि के लिए रखने में यथार्थवादी विकल्प नहीं है। बहुत ही सीमित समय तक रख सकते है और कच्चे खाद्य पदार्थ खाने में बहुत स्वादिष्ट नहीं होते है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि आप एक अल्पावधि के लिए कच्चे खाद्य आहार को अपनाकर या खाकर अपना वजन कम कर सकते हैं और फिर धीरे धीरे पौष्टिक, अधिक परंपरागत भोजन (जो आप रोज खाते है)।

रेसिपी

पनीर पराठा

सामग्री

पनीर- 220 ग्राम, हरी मिर्च- 1 टेबलस्पून, धनिया- 2 टेबलस्पून, अजवाइन- 1/2 टीस्पून, गरम मसाला- 1/2 टीस्पून, नमक-1/2 टीस्पून, (आटे के लिए), मैदा- 120 ग्राम, नमक-1/2 टीस्पून, तेल- 1 टीस्पून, पानी- 100 मि.ली, घी

विधि

एक बाउल में पनीर, हरीमिर्च, धनिया, अजवाइन, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करके साइड पर रख दें। (आटे के लिए) एक बाउल में मैदा, नमक, तेल और पानी डालकर अच्छे से मिलाएं और आटा गूंध लें। सबसे पहले थोड़ा-सा आटा लेकर मीडियम साइज बॉल बना लें। अब इसे रोटी की तरह बेल लें। फिर इस पर थोड़ा सा तैयार किया पनीर का मिक्सर डालें और अच्छे से फैलाएं। इसके बार इसके किनारों को सील करें और फिर से इसे गोल आकार दें। इसपर थोड़ा सा सूखा आटा छिड़कें और रोटी की तरह बेल लें। पराठा तैयार है। पैन को गर्म करें। फिर इसपर पराठा रखें और मध्य आंच पर पकाएं। इसे पलटें और घी लगाएं। ऐसे ही पराठे की दूसरी तरफ घी लगाएं और अच्छे से सेकें। इसे तबतक सेकें जबतक इसका रंग हल्का ब्राउन न हो जाएं। पनीर पराठा तैयार है, इसे दही के साथ सर्व करें।

तवा आलू मसाला

सामग्री

तेल -जरूरत अनुसार उबले आलू 500 ग्राम, नमक -1 टीस्पून हल्दी-1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाऊडर -आधा टीस्पून धनिया पाऊडर 1 टीस्पून चाट मसाला पाऊडर आधा टीस्पून जीरा आधा टीस्पून प्याज -70 ग्रामद्व अदरक पेस्ट आधा टीस्पून लहसुन पेस्ट -आधा टीस्पून टमाटर पूरी 180 ग्राम गर्म मसाला पाऊडर-आधा टीस्पून मेथी -आधा टीस्पून धनिया गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसके बाद इसमें उबले हुए आलू, हल्दी, धनिया मसाला, चाट मसाला, नमक और लाल मिर्च पाऊडर डालकर अच्छे से पकाएं। जब आलू का रंग सुनहरा हो जाएं तो इसे आंच से हटा लें। अब एक पैन में तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म होने दें। फिर इसमें जीरा, लहसुन, अदरक और प्याज डालकर फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें टमाटर प्यूरी डालकर 2 मिनट तक पकाएं। अब इसमें फ्राई किए हुए आलू, मेथी और गर्म मसाला डालकर कुछ मिनट तक कम आंच में पकाते रहे। आपका तवा आलू मसाला बनकर तैयार हैं। इसे धनिये के साथ गार्निश करके सर्व करें।

पुरूषों की हर स्किन प्रॉब्लम का हल हैं ये फेस पैक

हमें स्किन की देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। औरतों के मुकाबले पुरूषों की त्वचा सख्त होती है और जल्दी ही डैमेज भी होने लगती है। शेविंग क्रीम, धूल-मिट्टी, धूप आदि के कारण स्किन की नैचुरल नमी खो जाती है। इसी कारण त्वचा रूखी-सूखी और बेजान सी लगने लगती है। पुरूषों को अपनी त्वचा सॉफ्ट बनाएं रखने के लिए कई तरह की क्रीमों का इस्तेमाल करना पड़ता है लेकिन इनमें कई तरह के कैमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे त्वचा पर ज्यादा असर दिखाई नहीं देता। आप घरेलू फेस पैक से भी त्वचा को सॉफ्ट बना सकते हैं।

दूध- दूध त्वचा को मुलायम बनाएं रखने का काम करता है। यह नेचुरल तरीके से त्वचा को गहराइयों का साफ करके डेड स्किन को दूर करने का काम करता है। एक कटोरी में 1 टेबलस्पून कच्चा दूध लेकर रूई की सहायता से इसे चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को ठंड़े पानी से साथ धो लें। लगातार इसके इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट होने लगेगी।

पपीता- पपीता से बना फेस पैक पुरूषों की स्किन के लिए बैस्ट होता है। पपीते का पेस्ट, 1 चम्मच नींबू का रस और 1 चम्मच दूध मिलाकर पैक तैयार कर लें और फेस पर लगाएं। सूख जाने के बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ते हुए साफ कर लें।

केला- स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए केला और गुलाब जल डालकर पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे पर लगाएं और 20-25 मिनट बाद धो लें। चेहरे के दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे।

संपादकीय

बिहार में मोदी-नीतिश की बहार

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम केवल बिहार तक सीमित नहीं हैं अपितु इस परिणाम में राष्ट्रीय स्तर पर संदेश दिया है। देश में विकास की राजनीति लोगों को पसंद आ रही है। प्रोपेगेंडा करके संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अराजक वातावरण बनाने वालों को जनता ने सिरे से नकार दिया है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में नीतिश कुमार, दोनों ही राजनेता विकास की राजनीति के पर्याय बन गए हैं। जनता उनकी बातों पर विश्वास करती है क्योंकि उन्होंने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करके दिखाया है। बिहार की जनता ने परिवारवाद, जातिवाद और सांप्रदायिक राजनीति को भी ठेंगा दिखा दिया है। याद हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव ने श्री राम मंदिर पर विवादित बयान देकर हिन्दू समाज की अस्मिता को ललकारा था, जिसका प्रतिकार हिन्दू समाज ने एकजुट होकर दिया है। विपक्ष के नेताओं को समझना होगा कि मुसलमानों के वोटबैंक को साधने के लिए हिन्दुओं को निशाना बनाने की राजनीति अब बीते जमाने की बात हो गई है। हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है, वह अपने मान बिन्दुओं पर होनेवाले हमलों को स्वीकार नहीं करता है। बहरहाल, बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणामों ने एक स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है, जिसने न केवल राज्य की राजनीति को नया आकार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है। इन परिणामों का सार एक ही है- भाजपानीत गठबंधन के सुशासन मॉडल की वापसी और विपक्षी 'महागठबंधन' का आत्मघाती बिखराव। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राजग गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की है, जिसमें भाजपा, जदयू और लोजपा (रामविलास) की सम्मिलित शक्ति ने यह दर्शा दिया है कि जनता सुशासन साथ है। 'सुशासन बाबू' के रूप में पहचान बनाने वाले नीतीश कुमार के लिए, यह चुनाव राजनीतिक सहनशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा थी, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय अपील और अपनी व्यापक जमीनी पकड़ के साथ मिलकर एक दुर्जेय चुनावी ताकत का निर्माण किया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का नीतीश कुमार के साथ मजबूती से खड़े रहना गठबंधन की एकता का प्रतीक बना, जिसने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढाँचे के विस्तार और प्रशासनिक स्थिरता पर केंद्रित एक एकजुट मोर्चे के माध्यम से मतदाताओं को आश्वस्त किया। परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण बात चुनाव के संचालन का तरीका रहा। अतीत के चुनावों में हुई हिंसा और बार-बार के पुनर्मतदान के विपरीत, इस बार के चुनाव ने एक स्थिर और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को रेखांकित किया है, जो 'जंगल राज' से 'सुशासन' की ओर बिहार के निर्णायक परिवर्तन को प्रमाणित करता है। वहीं, महागठबंधन की करारी हार और कांग्रेस का अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन भी चर्चा का विषय है। कांग्रेस की यह हार विपक्षी गठबंधन में उसकी स्थिति को और कमजोर करेगी। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर राजग की यह भारी जीत भाजपा के लिए 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का एक ठोस आधार प्रदान करेगी। भाजपा खेमे में बिहार की जबरदस्त जीत से उत्साह का वातावरण है।

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में नीतिश कुमार, दोनों ही राजनेता विकास की राजनीति के पर्याय बन गए हैं। जनता उनकी बातों पर विश्वास करती है क्योंकि उन्होंने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करके दिखाया है। बिहार की जनता ने परिवारवाद, जातिवाद और सांप्रदायिक राजनीति को भी ठेंगा दिखा दिया है। याद हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव ने श्री राम मंदिर पर विवादित बयान देकर हिन्दू समाज की अस्मिता को ललकारा था, जिसका प्रतिकार हिन्दू समाज ने एकजुट होकर दिया है। विपक्ष के नेताओं को समझना होगा कि मुसलमानों के वोटबैंक को साधने के लिए हिन्दुओं को निशाना बनाने की राजनीति अब बीते जमाने की बात हो गई है। हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है, वह अपने मान बिन्दुओं पर होनेवाले हमलों को स्वीकार नहीं करता है। बहरहाल, बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणामों ने एक स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है, जिसने न केवल राज्य की राजनीति को नया आकार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है। इन परिणामों का सार एक ही है- भाजपानीत गठबंधन के सुशासन मॉडल की वापसी और विपक्षी 'महागठबंधन' का आत्मघाती बिखराव। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राजग गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की है, जिसमें भाजपा, जदयू और लोजपा (रामविलास) की सम्मिलित शक्ति ने यह दर्शा दिया है कि जनता सुशासन साथ है।

कुछ अलग

समय की पाबंदी

बात साबरमती आश्रम में गांधी जी के प्रवास के दिनों की है। एक दिन एक गाँव के कुछ लोग बापू के पास आए और उनसे कहने लगे, बापू कल हमारे गाँव में एक सभा हो रही है, यदि आप समय निकाल कर जनता को देश की स्थिति व स्वाधीनता के प्रति कुछ शब्द कहें तो आपकी कृपा होगी। गांधी जी ने अपना कल का कार्यक्रम देखा और गाँव के लोगों के मुखिया से पूछा, ₹सभा के कार्यक्रम का समय कब है? मुखिया ने कहा, हमने चार बजे निश्चित कर रखा है। गांधी जी ने आने की अपनी अनुमति दे दी। मुखिया बोला, बापू मैं गाड़ी से एक व्यक्ति को भेज दूँगा, जो आपको ले आएगा। आपको अधिक कष्ट नहीं होगा। गांधी जी मुस्कराते हुए बोले, ₹अच्छी बात है, कल निश्चित समय मैं तैयार रहूँगा। अगले दिन जब पौने चार बजे तक मुखिया का आदमी नहीं पहुँचा तो गांधी जी चिंतित हो गए। उन्होंने सोचा अगर मैं समय से नहीं पहुँचा तो लोग क्या कहेंगे। उनका समय व्यर्थ नष्ट होगा। गांधी जी ने एक तरीक़ा सोचा और उसी के अनुसार अमल किया। कुछ समय पश्चात मुखिया गांधी जी को लेने आश्रम पहुँचा तो गांधी जी को वहाँ नहीं पाकर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। लेकिन वह क्या कर सकते थे। मुखिया सभा स्थल पर पहुँचा तो उन्हें यह देख कर और अधिक आश्चर्य हुआ कि गांधी जी भाषण दे रहे हैं और सभी लोग तन्मयता से उन्हें सुन रहे हैं। भाषण के उपरांत मुखिया गांधी जी से मिला और उनसे पूछने लगा, मैं आपको लेने आश्रम गया था लेकिन आप वहाँ नहीं मिले फिर आप यहाँ तक कैसे पहुँचे?

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और निम्न गुणवत्ता के कारण लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है

सड़कों पर मौत की रफ़्तार पर ब्रेक कब लगेगा ?

डॉ प्रियंका सौरभ

भारत की सड़कों पर हर दिन लगभग चार सौ लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह आँकड़ा किसी आपदा या महामारी से नहीं, बल्कि हमारी सड़कों पर व्याप्त अव्यवस्था और लापरवाही से जुड़ा है। अनेक योजनाएँ, अभियान और कानून बनने के बावजूद भारत आज भी दुनिया के सबसे अधिक सड़क दुर्घटना मृत्यु दर वाले देशों में गिना जाता है। सवाल यह नहीं कि सरकार ने कुछ किया या नहीं, बल्कि यह है कि हमने सड़क सुरक्षा को कितनी प्राथमिकता दी। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक असफलता है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक संस्कृति की भी परीक्षा है। भारत में सड़क सुरक्षा पर चर्चा अक्सर किसी बड़ी दुर्घटना या प्रसिद्ध व्यक्ति के हादसे के बाद तेज होती है, लेकिन कुछ दिनों में सब सामान्य हो जाता है। सड़क सुरक्षा को लेकर जो नीतियाँ बनती हैं, वे अधिकतर काग़ज़ों तक सीमित रह जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत विश्व की कुल सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का लगभग ग्यारह प्रतिशत अकेले वहन करता है, जबकि हमारे पास विश्व की कुल गाड़ियों का हिस्सा मात्र एक प्रतिशत है। यह असंतुलन किसी भी जिम्मेदार राष्ट्र के लिए चेतावनी है। सड़क दुर्घटनाओं के पीछे कई गहरे और परस्पर जुड़े कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है — अवसंरचना की गुणवत्ता और डिजाइन में गंभीर खामियाँ। हमारे अनेक राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर संकेतक, डिवाइडर, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा अवरोधक नहीं हैं। कई बार सड़कों का चौड़ीकरण बिना यातायात प्रवाह के वैज्ञानिक अध्ययन के किया जाता है। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में सड़कें वर्षा में टूट जाती हैं और वर्षों तक बिना मरम्मत के उपयोग में रहती हैं। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और निम्न गुणवत्ता के कारण लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। दूसरा बड़ा कारण है — कमजोर प्रवर्तन प्रणाली। भारत में यातायात नियम तो हैं, पर उनके पालन की संस्कृति नहीं है। तेज रफ़्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के यात्रा करना और नशे की हालत में गाड़ी चलाना आम बात है। पुलिस बलों के पास न तो पर्याप्त संसाधन हैं और न ही तकनीकी प्रशिक्षण कि वे इन नियमों को सख़्ती से लागू करा सकें। "ई-चालान" जैसी पहलें केवल बड़े शहरों तक सीमित रह जाती हैं, जबकि ग्रामीण भारत में यातायात नियंत्रण लगभग नाममात्र का है। तीसरा कारण है — ड्राइविंग लाइसेंस व्यवस्था की खामियाँ। भारत में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना कौशल का नहीं, बल्कि प्रक्रिया की औपचारिकता का प्रतीक बन गया है। प्रशिक्षण केंद्रों की कमी और भ्रष्टाचार के कारण बिना समुचित परीक्षण के लाइसेंस जारी कर दिए जाते हैं। परिणामस्वरूप असुरक्षित चालक सड़कों पर उतर जाते हैं। कई देशों में वाहन चलाना एक जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है, जबकि भारत में यह केवल एक अधिकार की तरह देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, वाहनों की तकनीकी सुरक्षा प्रणाली का अभाव भी दुर्घटनाओं में मृत्यु का बड़ा कारण है।

भारत में सड़क सुरक्षा पर चर्चा अक्सर किसी बड़ी दुर्घटना या प्रसिद्ध व्यक्ति के हादसे के बाद तेज होती है, लेकिन कुछ दिनों में सब सामान्य हो जाता है। सड़क सुरक्षा को लेकर जो नीतियाँ बनती हैं, वे अधिकतर काग़ज़ों तक सीमित रह जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत विश्व की कुल सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का लगभग ग्यारह प्रतिशत अकेले वहन करता है, जबकि हमारे पास विश्व की कुल गाड़ियों का हिस्सा मात्र एक प्रतिशत है। यह असंतुलन किसी भी जिम्मेदार राष्ट्र के लिए चेतावनी है। सड़क दुर्घटनाओं के पीछे कई गहरे और परस्पर जुड़े कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है — अवसंरचना की गुणवत्ता और डिजाइन में गंभीर खामियाँ। हमारे अनेक राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर संकेतक, डिवाइडर, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा अवरोधक नहीं हैं। कई बार सड़कों का चौड़ीकरण बिना यातायात प्रवाह के वैज्ञानिक अध्ययन के किया जाता है।

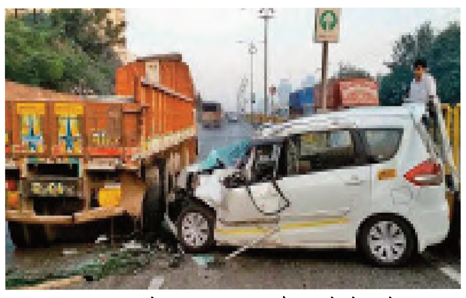

अधिकांश वाहनों, विशेषकर ट्रक, बस और ऑटो श्रेणी में टक्कर-चेतावनी प्रणाली, एयरबैग, या ऊर्जा-अवशोषक ढाँचा नहीं होता। विकसित देशों में वाहन निर्माण के समय सुरक्षा प्रावधान अनिवार्य हैं, परंतु भारत में ये केवल महंगे मॉडलों तक सीमित रहते हैं। वाहन उद्योग और नियामक संस्थाओं के बीच जवाबदेही का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। दुर्घटना के बाद की स्थिति और भी भयावह है। ट्रॉमा केयर और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की कमी के कारण घायल व्यक्ति समय पर उपचार नहीं पा पाते। "स्वर्णिम घंटा" यानी दुर्घटना के बाद का पहला घंटा जीवन बचाने के लिए निर्णायक होता है, परंतु हमारे देश में यह घंटा अक्सर सड़कों पर तड़पते हुए बीत जाता है। ग्रामीण इलाकों में एम्बुलेंस सेवाएँ भी सीमित हैं, और जो हैं, वे ईंधन या स्टाफ की कमी से प्रभावित रहती हैं। सड़क दुर्घटनाओं का आर्थिक पक्ष भी गंभीर है। नीति आयोग के अनुसार, भारत हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं के कारण अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग तीन प्रतिशत तक खो देता है। यानी न केवल लोग मर रहे हैं, बल्कि विकास की रफ़्तार भी घट रही है। एक व्यक्ति की मृत्यु परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था के लिए स्थायी क्षति है। यह केवल आँकड़ों की बात नहीं, बल्कि मानवीय जीवन के सम्मान का प्रश्न है। अब प्रश्न यह है कि इस स्थिति को बदला कैसे जाए? सबसे पहले तो सड़क सुरक्षा को प्रतिक्रियात्मक नहीं, निवारक नीति के रूप में अपनाना होगा। इसका अर्थ है कि दुर्घटनाओं के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जो दुर्घटनाओं को रोके। इसके लिए सड़क निर्माण, वाहन प्रौद्योगिकी, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक है। पहला कदम होना चाहिए — वैज्ञानिक सड़क डिजाइन और रखरखाव। हर सड़क परियोजना में निर्माण से पहले "सड़क सुरक्षा लेखा-परीक्षण" अनिवार्य किया जाना चाहिए। सड़कें केवल चौड़ी नहीं, बल्कि सुरक्षित और समझदार हों। संकेतक, गति अवरोधक, क्रैश बैरियर और रात्रि प्रकाश जैसे तत्वों को डिजाइन का अभिन्न भाग बनाना होगा। उदाहरण के लिए, चेन्नई और पुणे जैसे शहरों में "शून्य मृत्यु गलियारा" (Zero Fatality Corridor) योजना के तहत मृत्यु दर में पचास प्रतिशत तक कमी आई है। दूसरा कदम, लाइसेंस व्यवस्था में सुधार। पासपोर्ट सेवा केंद्र की तरह "लाइसेंस सेवा केंद्र" बनाकर पारदर्शी, डिजिटल और कौशल आधारित मूल्यांकन किया जा सकता है। प्रत्येक चालक को सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण से गुजरना अनिवार्य किया जाए। इससे भ्रष्टाचार घटेगा और योग्य चालक सड़कों पर उतरेंगे। तीसरा कदम, वाहनों में सुरक्षा प्रौद्योगिकी का प्रसार। सरकार को सभी वाहनों में एयरबैग, सेंसर और टक्कर चेतावनी प्रणाली जैसे फीचर अनिवार्य करने चाहिए। "भारत वाहन सुरक्षा मूल्यांकन कार्यक्रम" (भारत एनसीएपी) सही दिशा में है, परंतु इसे प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। चौथा कदम, पैदल यात्रियों और गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए सुरक्षित अवसंरचना का विकास। हमारे शहरों में फुटपाथ अक्सर गायब हैं या दुकानों और पार्किंग में बदल जाते हैं। सुरक्षित ज़ेब्रा क्रॉसिंग, फुटओवर पुल और संकेत व्यवस्था से हजारों जानें बचाई जा सकती हैं। कोपेनहेगन और टोक्यो जैसे शहरों की तरह पैदल और साइकिल यात्रियों के लिए समर्पित मार्ग विकसित करने होंगे। पाँचवाँ कदम, आपातकालीन प्रतिक्रिया नेटवर्क को मज़बूत करना। हर पचास किलोमीटर पर ट्रॉमा केंद्र, चौबीस घंटे एम्बुलेंस सेवा और हेल्पलाइन के साथ "राष्ट्रीय दुर्घटना प्रतिक्रिया जाल" तैयार किया जा सकता है। उपग्रह आधारित प्रणाली से एम्बुलेंस को शीघ्रतम मार्ग मिल सकता है। निजी अस्पतालों को दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने का दायित्व कानूनी रूप से लागू किया जाना चाहिए। साथ ही, जनजागरूकता का पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि नागरिकों की जिम्मेदारी भी है। विद्यालय स्तर पर सड़क सुरक्षा शिक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट अभियान, तथा मीडिया के माध्यम से निरंतर जनसंवाद से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं लेंगे, तब तक कोई भी नीति स्थायी परिणाम नहीं दे पाएगी। कई देशों में सड़क सुरक्षा को राष्ट्र-निर्माण का अंग माना गया है। स्वीडन की "विजन ज़ीरो" नीति इसका उदाहरण है, जहाँ 1997 से यह लक्ष्य रखा गया कि किसी को भी सड़क पर मरना नहीं चाहिए। इस नीति ने डिज़ाइन, प्रवर्तन और तकनीक के संयोजन से मृत्यु दर को आधे से अधिक घटा दिया। भारत को भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा, जहाँ मानव जीवन की कीमत सर्वोपरि हो। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि भारत की सड़क सुरक्षा समस्या केवल अवसंरचना की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी है। जब तक लोग स्वयं अनुशासन को अपनाने और दूसरों के जीवन का सम्मान करने नहीं सीखेंगे, तब तक कोई भी कानून कारगर नहीं होगा। सड़क सुरक्षा को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। भारत आज आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, पर यह विडंबना है कि हर साल लाखों लोग केवल इसलिए मर जाते हैं क्योंकि हमारी सड़कें असुरक्षित हैं।

देश दुनिया से

लोकतंत्र का ऑक्सीजन है प्रेसः क्या इसे सुरक्षित रख पा रहे हैं हम?

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को देश में 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अर्ध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी, जिसने 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की, जिसने 16 नवम्बर 1966 को अपना कार्य शुरू किया और उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो। राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान् हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है, जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस (16 नवम्बर) पर विशेष

अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र, जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था, जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता। आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी है लेकिन पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से हर हाल में बचना चाहिए। कुछ पत्रकार या मीडिया हाउस आज यह कुतर्क देते हैं कि यदि कोई राजनीतिक पार्टी तथा कोई पेशेवर संस्थान अपनी आचार संहिता का पालन नहीं करता तो केवल प्रेस से ही आचार संहिता के पालन की उम्मीद क्यों की जाए? दरअसल प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है, अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे, वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो, उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे। पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। बहरहाल, राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास, राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करते रहना होगा।

आप का नजरिया

आदर्श युवा ग्राम सभाः जमीनी लोकतंत्र की नई पहल

भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जहाँ शासन व्यवस्था की आत्मा जनता की भागीदारी में निहित है। संविधान ने पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण भारत को शासन की बुनियाद से जोड़ा है। लेकिन विडंबना यह रही कि युवा वर्ग, जो किसी भी समाज की सबसे ऊर्जावान और रचनात्मक शक्ति होता है, स्थानीय शासन व्यवस्था से लंबे समय तक अपेक्षाकृत दूर रहा। इस परिप्रेक्ष्य में "आदर्श युवा ग्राम सभा" पहल एक नई उम्मीद के रूप में उभरी है, जो छात्रों और युवाओं को लोकतंत्र के व्यवहारिक पाठ से परिचित कराते हुए उन्हें सक्रिय नागरिकता की ओर प्रेरित करती है। यह पहल वास्तव में एक प्रयोगात्मक लोकतंत्र की प्रयोगशाला है, जहाँ छात्र केवल दर्शक नहीं बल्कि प्रतिभागी बनते हैं। यहाँ वे ग्राम स्तर के निर्णयों, पंचायत की कार्यप्रणाली, सामाजिक समस्याओं और विकास योजनाओं को न केवल समझते हैं बल्कि उनमें अपने सुझाव और विचार भी रखते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम लोकतंत्र को मात्र चुनाव तक सीमित रखने के बजाय उसे निरंतर संवाद, विचार और जिम्मेदारी की प्रक्रिया में परिवर्तित करता है। भारतीय लोकतंत्र का वास्तविक सार 'जन भागीदारी' है। संविधान के अनुच्छेद 40 के अनुसार, राज्य का कर्तव्य है कि वह ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाए। किंतु जब तक समाज का युवा वर्ग इसमें शामिल नहीं होगा, तब तक यह सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। आदर्श युवा ग्राम सभा इस कमी को पूरा करती है। इसमें युवाओं को पंचायत की नीतियों, ग्राम विकास योजनाओं, वित्तीय पारदर्शिता और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलता है। इससे उनमें न केवल राजनीतिक जागरूकता आती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान भी विकसित होता है। युवा वर्ग में शासन की समझ और सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव विकसित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह पहल उस दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि दायित्वों को निभाने वाली भी बने। पारदर्शी और उत्तरदायी शासन तभी संभव है जब नागरिक उसकी प्रक्रियाओं को समझें और उनमें भागीदारी करें। आदर्श युवा ग्राम सभा इस दृष्टि से एक प्रेरणादायी मॉडल है। इसमें छात्र पंचायत सदस्यों के साथ बैठकर योजनाओं की प्राथमिकता तय करते हैं, बजट का विश्लेषण करते हैं और जनकल्याण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हैं। इस तरह लोकतंत्र केवल कागजों में नहीं, बल्कि व्यवहार में उतरता है। यह पहल ग्रामीण स्तर पर नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है। युवा अपनी शिक्षा और तकनीकी समझ के आधार पर ग्राम पंचायतों को आधुनिक समाधान सुझा सकते हैं—जैसे डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली, जल संरक्षण के नए उपाय, अपशिष्ट प्रबंधन के स्थानीय मॉडल आदि। इससे विकास योजनाओं की गुणवत्ता और स्थायित्व दोनों में सुधार होता है। आदर्श युवा ग्राम सभा शिक्षा को केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे व्यवहारिक लोकतंत्र से जोड़ती है। छात्रों को ग्राम सभा की बैठकों में शामिल होने, प्रस्ताव रखने और चर्चा में भाग लेने के अवसर दिए जाते हैं। यह अनुभव उन्हें नेतृत्व, संप्रेषण कौशल और निर्णय क्षमता सिखाता है। वास्तव में, यह पहल नागरिक शिक्षा (Civic Education) का सबसे व्यवहारिक रूप है। जब छात्र स्वयं ग्राम विकास के निर्णयों में भाग लेते हैं, तब वे "लोकतंत्र" शब्द का अर्थ पुस्तकों से नहीं, अनुभव से सीखते हैं। यही वह प्रक्रिया है जो भारत के भविष्य के नेताओं और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समावेशिता है। आदर्श युवा ग्राम सभा विभिन्न वर्गों, जातियों और लिंगों के छात्रों को एक साझा मंच देती है जहाँ वे समान रूप से भाग ले सकते हैं। यह ग्रामीण समाज में सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ाती है। विशेष रूप से ग्रामीण बालिकाओं के लिए यह पहल आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का साधन बन सकती है। जब वे सार्वजनिक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनती हैं, तो परिवार और समाज में उनके विचारों को मान्यता मिलने लगती है।

संविधान ने पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण भारत को शासन की बुनियाद से जोड़ा है। लेकिन विडंबना यह रही कि युवा वर्ग, जो किसी भी समाज की सबसे ऊर्जावान और रचनात्मक शक्ति होता है, स्थानीय शासन व्यवस्था से लंबे समय तक अपेक्षाकृत दूर रहा। इस परिप्रेक्ष्य में "आदर्श युवा ग्राम सभा" पहल एक नई उम्मीद के रूप में उभरी है, जो छात्रों और युवाओं को लोकतंत्र के व्यवहारिक पाठ से परिचित कराते हुए उन्हें सक्रिय नागरिकता की ओर प्रेरित करती है। यह पहल वास्तव में एक प्रयोगात्मक लोकतंत्र की प्रयोगशाला है, जहाँ छात्र केवल दर्शक नहीं बल्कि प्रतिभागी बनते हैं। यहाँ वे ग्राम स्तर के निर्णयों, पंचायत की कार्यप्रणाली, सामाजिक समस्याओं और विकास योजनाओं को न केवल समझते हैं बल्कि उनमें अपने सुझाव और विचार भी रखते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम लोकतंत्र को मात्र चुनाव तक सीमित रखने के बजाय उसे निरंतर संवाद, विचार और जिम्मेदारी की प्रक्रिया में परिवर्तित करता है।

दृष्टि कोण

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणालीः मौतों का भयावह यथार्थ

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा? आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ "सफलता" का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को "प्रदर्शन की प्रतियोगिता" बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था- "पढ़ि-पढ़ि पिंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।" आज की शिक्षा बच्चों को केवल "जानकार" बना रही है, "ज्ञानी" नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा "प्रतियोगिता का उद्योग" पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी।

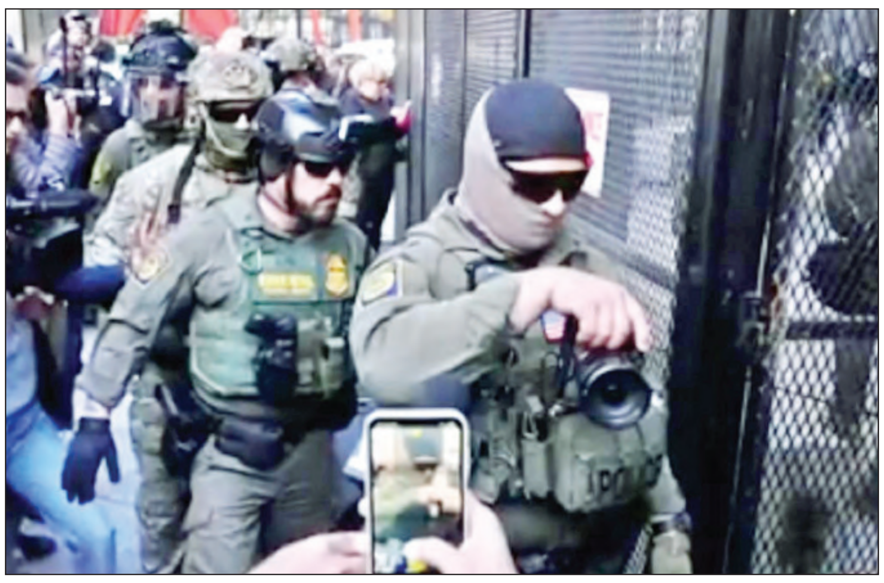

उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट शहर में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

वाशिंगटन, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तरी कैरोलिना राज्य के मैक्लेनबर्ग काउंटी के शहर चार्लोट में संघीय आव्रजन एजेंटों ने शनिवार को कार्रवाई शुरू की है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा कि चार्लोट में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। इसे आधिकारिक तौर पर 'चार्लोट्स वेब' नाम दिया गया है। इस शहर को शार्लोट को भी कहा जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग का मुख्य जिम्मेदारी आतंकवाद, सीमा सुरक्षा, आव्रजन और साइबर आदि के विभिन्न खतरों से देश को सुरक्षित रखना है। यह अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अवैध आव्रजन पर की जा रही कड़ी कार्रवाई का नया लक्ष्य है। गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि चार्लोट को अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों से खाली कराया जाएगा। इस अभियान की तैयारी पिछले सप्ताह शुरू की गई थी।

गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, ' अभियान का लक्ष्य अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षा कवच प्रदान करना है। इन लोगों से सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।' शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बॉर्डर पेट्रोल एजेंट चार्लोट क्षेत्र में अवैध रूप से रहे प्रवासियों को गिरफ्तार करते दिखाए गए हैं। इस अभियान में बख्तरबंद वाहन और विशेष अभियान दल भी शामिल हो सकते हैं।

ट्रंप प्रशासन के इस अभियान की चार्लोट के मेयर वी लाइल्स और उत्तरी कैरोलिना के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। लाइल्स ने अन्य स्थानीय नेताओं के साथ संयुक्त बयान में कहा कि यह अभियान 'अनावश्यक भय और अनिश्चितता पैदा कर रहा है।' चार्लोट दक्षिण-मध्य उत्तरी कैरोलिना में पीडमोंट क्षेत्र में कैटावबा नदी के ठीक पूर्व में स्थित है। यह उत्तरी कैरोलिना का सबसे बड़ा और अमेरिका का 14वां सबसे बड़ा शहर है। चार्लोट में अभियान पूरा होने के बाद यह कार्रवाई न्यू ऑरलियन्स पर शुरू हो सकती है। विभाग यहां 200 एजेंटों को भेजने की योजना बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन और नेतन्याहू ने टेलीफोनिक बातचीत में मध्य पूर्व के हालात पर बातचीत की

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी और मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा की है। दोनों नेताओं ने इन जगहों के मौजूदा हालात पर टेलीफोन पर बातचीत की। क्रेमलिन प्रेस सेवा ने 15 नवंबर की आधारीत यह जानकारी दी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बयान में कहा, ' दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थिति पर विचारों का गहन आदान-प्रदान हुआ। बातचीत के केंद्र में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन और बंदियों की अदला-बदली, गाजा पट्टी हालात, ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरीकरण को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दे रहे।' सनद रहे, गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता 10 अक्टूबर से लागू है। छह अक्टूबर को इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों ने गाजा में संघर्ष को सुलझाने के लिए अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू की। दोनों के मध्य मिस्र, कतर, अमेरिका और तुर्किये मध्यस्थ रहे। नौ अक्टूबर को दोनों पक्षों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण को लागू करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का निधन

कोलंबो। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का रविवार सुबह कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 62 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह कुछ समय से बीमार थे। श्रीलंका के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरिश्चंद्र ने कई वर्षों तक कई विभागों में सार्वजनिक सेवा की । राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने उन्हें पिछले साल 25 सितंबर को दक्षिणी प्रांत का गर्वनर नियुक्त किया था। रिपोर्ट के अनुसार बंदुला हरिश्चंद्र की माध्यमिक शिक्षा श्रीपाली कॉलेज, होराना से हुई। उन्होंने केलानिया विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे 1991 में श्रीलंका प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्हें सबसे पहले अम्पारा जिले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। इसके बाद उन्होंने गाले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य किया। इसके बाद हरिश्चंद्र ने गाले फोर ग्रेवेट्स के संभागीय सचिव और गाले के अतिरिक्त जिला सचिव के रूप में कार्य किया। वह कुछ समय तक गाले के कार्यवाहक जिला सचिव के रूप में भी काम किया। इसके बाद उन्हें रत्नपुरा जिला सचिव और हंबनटोटा जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। उन्होंने सामाजिक अधिकारिता, कल्याण और कंद्यान विरासत मंत्रालय के सचिव का पद संभाला। उन्होंने कुछ समय तक वन्यजीव संरक्षण विभाग के सचिव और आप्रवासन एवं उत्प्रवास विभाग में अतिरिक्त महानियंत्रक के रूप में कार्य किया।

बलोचिस्तान में पुलिस अधिकारी के काफिले पर गोलीबारी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के सनी और भाग के मध्य के इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के काफिले पर गोलीबारी की। इस दौरान पुलिस ने भी गोली चलानी पड़ी। फिलहाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और काफिले में शामिल सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। हमलावरों के भाग जाने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश शुरू कर दी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कच्छी के एसएसपी हाल ही में सरकारी रिकॉर्ड जलाने की घटना की जांच के लिए शनिवार को हाजी शहर थाने पहुंचे थे। मुआयना करने के बाद लौटते समय, सनी और भाग के बीच के इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने अचानक उनके काफिले पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, दोनों ओर से लगभग 20-25 मिनट तक भीषण गोलीबारी हुई, लेकिन हमलावर घटनास्थल से भागने में सफल रहे। एसएसपी और सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में प्रांत के कई जिलों में गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। कच्छी जिले के भाग थाना क्षेत्र में महमूद औलिया की सीमा के पास हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। बंदूकधारी वारदात को अंजाम देने के बाद भाग गए। लोरलाई में गोलीबारी की सूचना पर एसएसपी मलिक मोहम्मद असगर उस्मान के नेतृत्व में एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा।

पोप लियो ने कहा-फिल्में सच दिखाएं आशा का संचार करने वाला हो सिनेमा

वेटिकन सिटी, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

पोप लियो ने कहा कि फिल्मों को सच दिखाना चाहिए। सिनेमा ऐसा रचा जो, जो आम आदमी में आशा का संचार करे। उन्होंने विश्व सिनेमा के दिग्गजों को आज की दुनिया में आशा, सुंदरता और सच्चाई का साक्षी बनने की चुनौती दी। पोप लियो (चौदहवें) ने वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में शनिवार सुबह विश्व सिनेमा के दिग्गजों (अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखकों) के स्वागत समारोह में यह आह्वान किया।

रिपोर्ट के अनुसार, पोप ने कहा कि सिनेमा सिर्फ परदा नहीं, वह उससे से कहीं बढ़कर है। यह आशा को साकार करता है। पोप ने खचाखच भरे अपोस्टोलिक पैलेस 1895 में पेरिस में पहली फिल्म के प्रीमियर के लगभग 130 साल बाद फिल्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। पोप ने कहा आज का सिनेमा को समझने का माध्यम बन गया है। यग अनंत की लालसा को चित्रित करने की इच्छा की अभिव्यक्ति' बन गया। है।

पोप लियो ने सिनेमा के प्रति आभार व्यक्त करते कहा, 'सही अर्थों में यह एक लोकप्रिय कला है। यह सभी के लिए सुलभ है। यह मनोरंजन से कहीं अधिक है। फिल्में लोगों की जीवन यात्रा का एक आख्यान प्रस्तुत करती हैं।' उन्होंने कहा कि सिनेमा का मानवता के लिए बड़ा योगदान है। यह दर्शकों को दुनिया को परखने में नई दृष्टि प्रदान करता है। यह आत्मनिरीक्षण लोगों को जीवन को पूरी तरह से जीने के लिए आवश्यक आशा के एक हिस्से को फिर से खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहा कि सिनेमा में खो जाने का मतलब है एक दहलीज पार करना हो। थियेटर के अंधेरे में हमारी इंद्रियां तीव्र हो जाती हैं और हमारा मन उन चीजों के प्रति अधिक खुला हो जाता है जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। प्रस्तुतियां उन लोगों तक पहुंचती हैं जो मनोरंजन की तलाश में हैं, लेकिन साथ ही अर्थ, सौंदर्य और न्याय की भी तलाश कर रहे हैं। ऐसी दुनिया में जहां स्क्रीन हमारे दैनिक जीवन में सर्वत्र मौजूद हैं, सिनेमा एक ऐसा स्क्रीन हो सकता है जो और भी बहुत कुछ प्रदान करता है।

पोप लियो ने जोर देकर कहा, 'यह इच्छाओं, स्मृतियों और प्रश्नों का एक संगम है।' उन्होंने कहा कि थियेटर और सिनेमा 'हमारे समुदायों के धड़कते दिल हैं, क्योंकि ये उन्हें और अधिक मानवीय बनाने में योगदान देते हैं।' उन्होंने सिनेमा उद्योग को सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कला हमेशा संभावनाओं के द्वार खोलती है। प्रामाणिक सिनेमा केवल सांत्वना ही नहीं बल्कि चुनौती भी देता है। सिनेमा हृदय की गहराई में छुपे प्रश्नों पर चिंतन करने में मदद करता है।

उन्होंने कहा यह मौजूद सभी लोग आशा के तीर्थयात्री भी हैं। पोप लियो ने चर्च और सिनेमा के बीच मित्रता को नवीनीकृत करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने तर्क दिया कि सिनेमा आशा की कार्यशाला है। यह आशा, सौंदर्य और सत्य का साक्षी हो सकता है। इसकी वर्तमान दुनिया को सख्त जरूरत है। इस अवसर अमेरिकी अभिनेत्री केट ब्लैंचेट ने पोप को एक ब्रेसलेट भेंट किया।

पाकिस्तान के हैदराबाद में हुआ भीषण धमाका, 6 की मौत, वीडियो हुआ वायरल

हैदराबाद। पाकिस्तान के हैदराबाद में एक भीषड़ धमाका हुआ है। इसमें कम से कम 6 लोगों की मौत हुई और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। धमाके का वीडियो भी वायरल हुआ है। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। इस धमाके का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ब्लास्ट की वजह से गिरी एक बिल्डिंग दिखाई दे ही है और आस-पास सिर्फ धुआं ही नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि ये धमाका इतना भयानक था कि इसकी वजह से एक पूरी बिल्डिंग भरभराकर गिर पड़ी। वीडियो में वही टूटी हुई बिल्डिंग दिखाई दे रही है और आस-पास धुएं का गुबार नजर आ रहा है। बता दें कि इस धमाके की वजह से दहशत इसलिए भी फैल गई क्योंकि कुछ दिनों पहले पाकिस्तान में कोर्ट के बाहर एक ब्लास्ट हुआ था। 11 नवंबर को एक आत्मघाती हमलावर ने इस्लामाबाद में सुसाइड बॉम्बिंग को अंजाम दिया था। जिसके बाद पूरे देश में पैनिक का माहौल है। हैदराबाद शहर के लतीफाबाद इलाके में धमाका हुआ है, जो मोची गोठ एयरपोर्ट के पास है। अभी तक ब्लास्ट के कारणों को पता नहीं चल पाया है।

चीन का दावा- मंगल पर दिखी एलियन की गुफाएं कहा- अब उसी गुफा में घुसेंगे इंसान

बीजिंग, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

एलियन को लेकर चीन ने बड़ा दावा किया है। यहां के वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने मंगल पर एलियन की गुफाएं देखी हैं और आने वाले समय में इंसान भी इन गुफाओं में रहे सकते हैं। बता ये चीन ने ये दावा ऐसे वक्त पर किया है जब पूरी दुनिया स्पेश पर काम कर रही है। चीन के शेन्जेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम ने मंगल ग्रह पर एक नए प्रकार की गुफा का पहला प्रमाण खोजा है। शोधकर्ताओं का दावा है कि ये गुफाएं कभी एलियन जीवन को पनपने के लिए जरूरी परिस्थितियां पैदा कर सकती थीं। शोध में दावा किया गया है कि ये भूमिगत गुफाएं चट्टानों में पानी के प्रेशर से बनी हो सकती हैं।

पृथ्वी पर ऐसी चट्टान संरचना को कार्स्टिक गुफा के रूप में जाना जाता है। शोधकर्ताओं की टीम ने इन गुफाओं में इंसानी रिसर्च तक की प्लानिंग कर ली है। उनका दावा है कि लाल ग्रह के लिए भविष्य के मिशनों को इन भूमिगत गुफाओं को टारगेट बनाना चाहिए। यहां पर प्राचीन जीवन के सबूत पाए जा सकते हैं, जो कभी इन जलमग्न गुफाओं में निवास करते थे। यही नहीं दावा ये भी किया जा रहा है कि इन गुफाओं को आश्रय और रिसर्च सेंटर के तौर पर भी उपयोग किया जा सकता है। टीम ने अपनी रिसर्च को 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स' में पब्लिश किया है। जिसमें बताया गया है कि अभी तक खोजी गई मंगल ग्रह की अधिकांश गुफाएं लावा ट्यूब्स आकार की हैं, जो ग्रह पर ज्वालामुखी फटने का सबूत हैं।

हालांकि, नई गुफाओं की खोज में शोधकर्ताओं ने ऐसे प्रमाण दिए हैं जो साबित करते हैं कि ये गुफाएं पानी के प्रेशर से तराशी गई हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्होंने जिन आठ कार्स्टिक गुफाओं की पहचान की है, उन्हें मंगल पर भविष्य के मानव या रोबोटिक मिशनों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि ये प्राकृतिक आश्रय इस बात का सबूत हैं कि मंगल ग्रह पर जीवन संभव है। मंगल ग्रह पर इंसानों के लिए शेल्टर बन सकती हैं ये गुफाएं वैज्ञानिक सालों से मंगल पर प्राचीन जीवन के संकेतों की तलाश कर रहे हैं। हाल ही में पाई गईं ये चट्टानी संरचनाएं लाल ग्रह की सतह पर गंभीर धूल भरी आंधियों, हाई रेडिएशन और अत्यधिक तापमान बचाकर शेल्टर दे सकती हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के पांच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को बन्नू और लक्की मरवत जिलों में संयुक्त अभियान में पांच लड़ाकों को मार गिराया। पांचों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य तख्ती खेल और होवैद के सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी को निशाना बनाना था। यह अभियान बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जाद खान के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षकजुल्फिकार हमीद ने बन्नू और लक्की मरवत पुलिस की अभियान की सफलता के लिए सराहना की है।

कनाडा पीआर हासिल करने वाले 34 प्रतिशत भारतीयों के पास वहां काम करने का अनुभव नहीं

टोरोंटो, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

नवंबर 2025 में जारी रिपोर्ट के मुताबिक़, 2024 में जिन लोगों को कनाडा पीआर के लिए आमंत्रण (आईटीए) मिला, उसमें एक-तिहाई (लगभग 34प्रतिशत) उम्मीदवारों के पास कनाडा का कोई काम का अनुभव नहीं था। फिर भी उन्हें मौका मिला, क्योंकि उनके पास किसी देश में अच्छा वर्क एक्सपीरिंयस, हाई एजुकेशन और भाषा पर पकड़ थी।

वहीं, पीआर हासिल करने वालों में 1 प्रतिशत उम्मीदवार वे थें, जिनके पास कोई काम का अनुभव नहीं था जबकि बाकी करीब सभी के पास या विदेशी या कनाडाई, या दोनों तरह का अनुभव था। 2024 में कुल 98,903 उम्मीदवारों को पीआर के लिए आवेदन का निमंत्रण मिला।

रिपोर्ट के अनुसार, नागरिकता के आधार पर भारत पहले स्थान पर रहा। 2024 में 43,004 भारतीय नागरिकों को आईटीए जारी किए गए, जो किसी भी दूसरे देश से चार गुना ज़्यादा हैं। भारत के बाद कैमरून, नाइजीरिया, चीन और फिलीपींस के उम्मीदवार टॉप-5 में रहे। 2024 में जिन पेशों को सबसे ज़्यादा आईटीए मिले।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर और डिजाइनर 3,715, फूड सर्विस सुपरवाइजर 3,608, सॉफ्टवेयर डेवलपर और प्रोग्रामर 3,142, एडमिन असिस्टेंट 2,669, टीचर (सेकेंडरी स्कूल) 2,136, इंफॉर्मेशन सिस्टम एकाउंटेंट/ऑडिटर 2,079, नर्स और हेल्थकेयर असिस्टेंट 1,946 में शामिल रहे। देश आईटीए की संख्या, कनाडा 67,817, कैमरून 8,999,भारत 3,104, नाइजीरिया 3,088, मोरक्को 1,770 भारतीयों के लिए क्या संकेत हैं भारत अभी भी कनाडा पीआर का सबसे मज़बूत सोर्स है। हालांकि इसके लिए कनाडा में रहना अब ज़रूरी नहीं। विदेशी अनुभव वाले उम्मीदवार भी सफल हो सकते हैं। फ्रेंच भाषा में दक्षता से चयन की संभावना बढ़ जाती है। टेक, हेल्थ और एडमिन जैसे सेक्टर में मौके सबसे ज़्यादा हैं।

एक बार फिर हिली म्यांमार की धरती, दहशत में घर से निकले लोग सुरक्षित जगह की तरफ भागे

नेप्यीडॉ, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

म्यांमार में बार-बार आ रहे भूकंप ने एक बार फिर सभी को डरा दिया है। बीती रात आए भूकंप से लोग काफी डर गए। जैसे ही झटके लगे वे अपने अपने घरों से बाहर निकल पड़े और सुरक्षित स्थान की तरफ भागते देखे गए। म्यांमार की राजधानी नेप्यीडॉ और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह धरती एक बार फिर कांपी। इससे लोगों में दहशत फैल गई, क्योंकि इसी साल म्यांमार में जोरदार भूकंप से 3500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

बता दें पिछले दो दिनों में लगातार आए इन दो भूकंपों ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

म्यांमार भूकंप जोखिम वाले देशों में शामिल है, क्योंकि यह चार बड़ी टेक्टॉनिक प्लेटों- भारतीय, यूरेशियन, सुंडा, और बर्मा प्लेट के बीच स्थित है। प्लेटों की टक्कर और खिसकने की प्रक्रिया यहां बार-बार हलचल पैदा करती है। म्यांमार का लंबा समुद्री तट इसे सुनामी जैसे जोखिमों के प्रति भी संवेदनशील बनाता है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक देश में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप भारतीय समय के मुताबिक 16 नवंबर को सुबह 02:40 पर आया। इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर थी, जिसे विशेषज्ञ 'शैलो क्वेक' यानी सतही भूकंप मानते हैं। ऐसे भूकंप जमीन के बहुत करीब ऊर्जा छोड़ते हैं, इसलिए इनके बाद झटकों का खतरा भी ज्यादा रहता है।

एनसीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, सतही भूकंप बड़े नुकसान का कारण बन सकते हैं, क्योंकि इनकी ऊर्जा सीधे धरातल पर पहुंचती है। इसके कारण इमारतों में तेज हिलावट महसूस होती है और ढांचागत नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। इससे पहले 14 नवंबर को भी म्यांमार में 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था। यह भूकंप 35 किलोमीटर की गहराई पर आया था। एनसीएस ने उस वक्त भी एक्स पर इसकी जानकारी दी थी।

भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक देश के भीतर से होकर करीब 1,400 किलोमीटर लंबी ट्रांसफॉर्म फॉल्ट लाइन गुजरती है, जिसे सागाइंग फॉल्ट कहा जाता है। यही फॉल्ट देश के बड़े हिस्से को भूकंपीय खतरे में रखता है। सागाइंग, मंडाले, बागो और यांगून जैसे इलाके इसकी चपेट में आते हैं, जहां म्यांमार की लगभग 46 फीसदी आबादी रहती है। मार्च 2025 में आए जोरदार भूकंप में 3500 लोगों की मौत हुई। वहीं 1903 में बागो में आए 7.0 तीव्रता के भूकंप की मार यांगून तक महसूस की गई थी, जिसका असर आज भी एक चेतावनी के रूप में याद किया जाता है।

हिंदू कालेज मुरादाबाद व जेएसएच कालेज अमरोहा की टीम फाइनल में पहुंचीं

मुरादाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)।
गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद की अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 के दो सेमीफाइनल मैच रविवार को खेले गए। हिन्दू कालेज मुरादाबाद ने वर्धमान कालेज बिजनौर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि जेएसएच कालेज अमरोहा ने केजीके कालेज मुरादाबाद को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच की खिताबी भिड़ंत 17 नवम्बर को हिन्दू कालेज और जेएसएच कालेज अमरोहा के बीच होगी।

केजीके कालेज मैदान पर टॉस जीतकर जे.एस.एच. कॉलेज, अमरोहा ने पहले गेंदबाज़ी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए केजीके कॉलेज ने 20 ओवर में 158 रन बनाए। सार्थक चौधरी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 55 गेंदों पर 91 रन की सर्वोच्च पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए जे.एस. एच. कॉलेज, अमरोहा ने मात्र 18 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर 5 विकेट से जीत दर्ज की तथा फ़ाइनल में प्रवेश किया।

जबकि दूसरे मैच में टॉस जीतकर हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद ने 20 ओवर में 258 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ऋतिक ने 47 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद की तरफ से सचिन सिंह 35 गेंदों पर 70 रन वहीं आकाश रावत ने 28 गेंदों पर 68 रन की शानदार पारी खेली।

जवाब में वर्धमान कॉलेज, बिजनौर की टीम 19.5 ओवर में मात्र 115 रन पर ऑल आउट हो गई। इस प्रकार हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद ने 143 रन की विशाल विजय प्राप्त की।

सेमीफाइनल मैच का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. सत्य व्रत सिंह रावत, प्राचार्य, हिन्दू कॉलेज, मुरादाबाद एवं क्रीड़ा सचिव, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रो. अजय कुमार सिंह एवं अजय कपूर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय से नामित खेल विशेषज्ञ के रूप में प्रो मनीष भट्ट एवं पर्यवेक्षक प्रो. मुजाहिद रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गुरमीत सिंह, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. चरणजीत, प्रो. विनोद कुमार पांडे, प्रो. राजकुमार सोनकर, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. सत्यवीर, बृजनाथ मौर्य, मोनू कश्यप, विपुल चौधरी आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

एटीपी फाइनल्स : ऑगर का सेमीफाइनल में अल्काराज से मुकाबला होगा

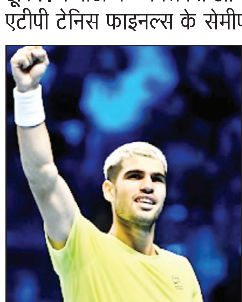

टूरिन। कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने एटीपी टेनिस फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यहां उनका सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से होगा। इससे पहले ऑगर ने क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के एलेक्सेंडर ज़्वेरेव को हराया था। जीत के बाद ऑगर ने कहा कि अनका लक्ष्य अल्करज पर जीत दर्ज करना है। साथ ही कहा कि वह स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ दबाव में नहीं आयेंगे। कनाडाई खिलाड़ी ने इससे पहले जर्मनी के ज्वेरेव के खिलाफ मैच में दबाव के दौरान भी संयम बनाये रखा। निर्णायक समय में बेहतरीन सर्व कीं। मैच के बाद उन्होंने कहा, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बेहद विशेष है। फाइनल तक पहुंचने के लिए मुझे महान खिलाड़ी अल्कराज को हराना होगा। उनका मेरी नजर में बहुत सम्मान है। ये सेमीफाइनल खेल आसान नहीं रहेगा पर मुझे अपने पर भरोस है। ऑगर ने अब तक जिस प्रकार शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन किया है उससे वह जीत के दावेदार नजर आते हैं।

जब 'जेंटलमैन गेम' क्रिकेट बना दर्द का मैदान, मैदान पर हुई मौतों ने बदल दिए खेल के सुरक्षा नियम

नई दिल्ली। क्रिकेट को हमेशा 'जेंटलमैन गेम' कहा जाता रहा है, लेकिन इसके इतिहास में कई ऐसे हादसे दर्ज हैं जिन्होंने साबित किया कि यह खेल कभी-कभी जानलेवा भी बन सकता है। बल्ले और गेंद के बीच की टक्कर ने कई खिलाड़ियों की जिंदगी छीन ली और इन घटनाओं ने न सिर्फ दुनिया को झकझोर दिया, बल्कि खेल के सुरक्षा मानकों में भी बड़े बदलाव की जरूरत को सामने रखा। सबसे चर्चित नामों में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज फिलिप ह्यूज शामिल हैं, जिनकी 2014 में एक घरेलू मैच के दौरान शॉन एबट की बाउंसर गर्दन के ठीक नीचे लगी। इस चोट ने उनके दिमाग को गंभीर नुकसान पहुंचाया और दो दिन बाद अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद हेलमेट डिजाइन में बड़ा बदलाव किया गया और खिलाड़ियों की गर्दन की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। ह्यूज का '63 नॉट आउट' स्कोर आज भी उन्हें याद करने का प्रतीक माना जाता है। भारत के पूर्व बल्लेबाज रमन लांबा की 1998 में ढाका प्रीमियर लीग के दौरान मौत हुई। वह शॉर्ट लेग पर बिना हेलमेट फील्डिंग कर रहे थे जब बल्लेबाज मेहराब हुसैन के शॉट से उनके सिर पर चोट लगी। कुछ ही घंटों में वे कोमा में चले गए और तीन दिन बाद दुनिया को अलविदा कह गए। इस घटना के बाद क्लोज-इन पोजिशन पर खड़े फील्डरों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया। इंग्लैंड के विल्फ स्लैक की 1989 में बल्लेबाजी करते समय अचानक गिरकर मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें पहले भी ब्लैकआउट होता था, लेकिन इसकी वजह स्पष्ट नहीं हो पाई।

वरुण चक्रवर्ती को मिली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी

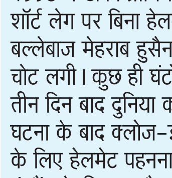

चेन्नई। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी सरजमीं पर खेली गई टी-20 श्रृंखला में अहम योगदान दिया, जिसमें तीन मैचों में उन्होंने पांच विकेट लिए और भारत की 2-1 से जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन को तमिलनाडु टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी शामिल हैं, वहीं भारत के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह मिली है। तमिलनाडु को इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र भी शामिल हैं। तमिलनाडु अपना अभियान अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। टीम का यह संतुलित संयोजन और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी तमिलनाडु के लिए इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।
तमिलनाडु का स्क्वॉड: वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन।

कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से हराया

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)।
कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 30 रनों से हरा दिया है। मेहमान टीम ने दूसरी पारी में 153 रन पर सिमटकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम रविवार को दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा।

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने एक रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए। पहले यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए और फिर केएल राहुल भी मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लंच ब्रेक तक दूसरी पारी में भारतीय टीम ने दो विकेट खोकर 10 रन बनाए। लंच के बाद वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की और भारत का स्कोर 30 रन के पार पहुंचाया। दोनों अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे कि इसी बीच जुरेल के रूप में भारतीय टीम को तीसरा झटका लगा। जुरेल 34 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋषभ पंत भी जल्दी आउट हो गए। पंत ने 2 रन बनाए।

भारतीय टीम का रवींद्र जडेजा के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जडेजा 18 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर से संभल कर बल्लेबाजी कर रहे वाशिंगटन सुंदर भी 72 रन के कुल टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गए। वाशिंगटन ने 92 गेंदों का सामना करते हुए 31 रन बनाए। इसके बाद कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। टीम को अभी भी 40 से ज्यादा रन बनाने थे। ऐसे में अक्षर पटेल ने तेजी से रन बटोरे और पहले एक चौका और फिर दो छक्के लगाए। इसी दौरान एक और बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अक्षर अपना विकेट गंवा बैठे। अक्षर 17 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। अंत में मोहम्मद सिराज बिना खाता खोले आउट हो गए। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पहली पारी में 4 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह गर्दन में चोट के कारण पूरे मैच से बाहर हो गए थे, जिस कारण भारतीय पारी 93 रन पर समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। एडेन मार्करम को एक विकेट मिला।

दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 153 रन इससे पहले सुबह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई। पहले सत्र में ही मेहमान टीम के शेष तीन विकेट गिर गए। कॉर्बिन बॉश 25 रन, सिमोन हार्मर 7 रन बनाकर आउट हुए। केशव महाराज खाता खोले बिना एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के सात विकेट गिरे थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने शानदार बल्लेबाजी की और 55 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय टीम के लिए रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट, जबकि जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। भारत ने पहली पारी में बनाए 189 रनभारत ने अपनी पहली पारी में 189 रन बनाए थे और 30 रनों की छोटी बढ़त हासिल की थी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रनों की पारी खेली। इनके अलावा ऋषभ पंत ने 27, रवींद्र जडेजा ने 27, अक्षर पटेल ने 16, ध्रुव जुरेल ने 14, यशस्वी जायसवाल ने 12, कुलदीप यादव ने एक, मोहम्मद सिराज ने एक और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद एक रन बनाए। कप्तान गिल चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन को तीन सफलता मिली। केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश ने एक-एक विकेट हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी। शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया और पहली पारी में टीम 159 पर सिमट गई थी। उनके लिए एडन मार्करम ने 31 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।
टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं।

भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने

टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है।

2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है। डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी।

चीन में नेशनल गेम्स

चीन में नेशनल गेम्स के दौरान टीम फूजियन की गी मैंगेकी मिश्रित चार गुण 100 मीटर रिले फाइनल में आगे निकली हुई ।

रिटेंशन सूची जारी होने के बाद केकेआर के पास बची सबसे अधिक राशि

मिनी नीलामी में खरीद सकेगी कई खिलाड़ी

मुम्बई, 16 नवंबर (एजेंसियां)।
सभी फ्रेंचाइजियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के लिए अपने रिटेन किये खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। रिटेंशन के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पास सबसे ज्यादा 64.30 करोड़ रुपये बचे है कयोंकि उसने आंद्रे रसेल 12 करोड़ और वेंकटेश अय्यर 23.75 करोड़ रुपए जैसे कई महंगे खिलाड़ियों को रिलीज किया था। ऐसे में अब टीम मिनी नीलामी में कई अच्छे खिलाड़ियों का खरीदने का प्रयास करेगी।

केकेआर के पास 13 जगहें खाली हैं, जिनमें वह छह विदेशी खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास 43.40 करोड़ रुपये शेष है। सीएसके नीलामी में दूसरी ऐसी टीम रहेगी जिसके पास मोटी रकम रहेगी। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद पर्स में बचे पैसों के आधार पर तीसरी सबसे धनी टीम है। उसके पास 25.50 करोड़ रुपये बचे हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाइंट्स के पास 22.95 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स के पास 21.80 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 16.40 करोड़, राजस्थान रॉयल्स के पास 16.05 करोड़, गुजरात टाइटंस के पास 12.90 करोड़, पंजाब किंग्स के पास 11.50 करोड़, और मुंबई इंडियंस के पास 2.75 करोड़ है। मुंबई इंडियंस के पास इस छोटी नीलामी में सबसे कम रकम रहेगी क्योंकि उसने अपनी सभी खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

गौरतलब है कि आईपीएल की मिनी नीलामी 16 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद एरीना में आयोजित की जाएगी।

मिनी नीलामी से पहले सभी टीमों ने रिलीज किये खिलाड़ियों की सूची जारी की

मुम्बई, 16 नवंबर (एजेंसियां)।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से पहले होने वाली मिनी नीलामी को देखते हुए सभी टीमों ने अपने उन खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। जिन्हें रिलीज किया गया है, वहीं कई खिलाड़ियों को ट्रेड किया गया है। टीमों ने कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज किया है। अब रिलीज किये गये ये सभी खिलाड़ी मिनी नीलामी में उतरेंगे जहां इनपर मोटी रकम लग सकती है। इस बार कई दिग्गज खिलाड़ी भी बाहर हुए हैं। इसमे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर वेस्टंडीज के आंद्रे रसेल भी शामिल हैं। रसेल एक दशक तक केकेआर में रहे हैं। इसके अलावा पंजाब किंग्स ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को भी रिलीज कर दिया है। दिल्ली कैपिल्स ने दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी फाफ डुप्लेसी को भी बाहर कर दिया है। सैम करन, रवींद्र जडेजा, मयंक मार्कंडे सहित कई खिलाड़ियों को ट्रेड किया गया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स

रिलीज खिलाड़ी: आंद्रे रसेल, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डिकॉक, एनरिख नॉर्खिया, मोईन अली, लवनीत सिसोदिया, रहमानुल्लाह गुरबाज, चेतन साकरिया, स्पेंसर जॉनसन
ट्रेड: मयंक मार्कंडे

दिल्ली कैपिटल्स

रिलीज खिलाड़ी: फाफ डुप्लेसी, जेक फ्रेजर मैक्गर्क, सेदिकुल्लाह अटल, मनवंत कुमार, मोहित शर्मा, दर्शन नालंकडे
ट्रेड: डोनोवन फरेरा
इस खिलाड़ियों को किया गया रिलीज

चेन्नई सुपर किंग्स

रिलीज खिलाड़ी: मतीषा पथिराना, डेवन कॉनवे, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, विजय शंकर, दीपक हुड्डा, कमलेश नागरकोटी
ट्रेड: सैम करन, रवींद्र जडेजा
रिटायर: रविचंद्रन अश्विन

गुजरात टाइटंस

रिलीज खिलाड़ी: महिपाल लोमरोड़, करीम जनात, दासुन शनाका, जेराल्ड कोत्जिया, कुलवंत खेजरोलिया
ट्रेड: शरफेन रदरफोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स

रिलीज खिलाड़ी: रवि बिश्नोई, डेविड मिलर, आकाश दीप, शमार जोसेफ, आर्यन जुयाल, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर
ट्रेड: शार्दुल ठाकुर

मुंबई इंडियंस

रिलीज खिलाड़ी: रीस टॉपली, मुजीब उर रहमान, विग्नेश पुतुर, बेवन जैकब्स, कर्ण शर्मा, लिज्जाड विलियम्स, सत्यनारायण राजू, के श्रीजित
ट्रेड: अर्जुन तेंदुलकर

पंजाब किंग्स

रिलीज खिलाड़ी: जॉश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, कुलदीप सेन, ऐरन हार्डी, प्रवीण दुबे

राजस्थान रॉयल्स

रिलीज खिलाड़ी: वानिंदु हसरंगा, महीष तीक्षणा, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, फजलहक फारुकी, कुणाल सिंह राठौड़, अशोक शर्मा
ट्रेड: संजू सैमसन, नीतीश राणा

सनराइजर्स हैदराबाद

रिलीज खिलाड़ी: एडम जैम्पा, वियान मुल्डर, राहुल चाहर, अथर्व ताइडे, सचिन बेबी, सिमरजीत सिंह, अभिनव मनोहर
ट्रेड: मोहम्मद शमी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रिलीज खिलाड़ी: लियम लिविंगस्टन, मयंक अग्रवाल, सात्विक चिकारा, लुंगी एनगिडी, टिम साइफर्ट, ब्लेसिंग मुजरबानी, मनोज भांडगे, मोहित राठी।

एनटीपीसी की नई परमाणु ऊर्जा योजना 30 फीसदी की हिस्सेदारी का है लक्ष्य

प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े विस्तार की योजना की घोषणा की है। कंपनी 700 मेगावाट, 1,000 मेगावाट और 1,600 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित करने की योजना बना रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य 2047 तक भारत की प्रस्तावित 100 गीगावाट परमाणु क्षमता में 30 गीगावाट का हिस्सा हासिल करना है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा और परियोजना शुरू होने से चालू होने तक लगभग तीन साल का समय लगता है। कंपनी ने गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में भूमि विकल्पों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। परियोजनाएं केवल परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) द्वारा अनुमोदित स्थलों पर ही क्रियान्वित की जाएंगी। एनटीपीसी एईआरबी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परियोजनाओं को लागू करेगी। यूरेनियम, जो परमाणु रिएक्टर का मुख्य ईंधन है, के लिए कंपनी ने विदेशों में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और संयुक्त तकनीकी-व्यावसायिक जांच के लिए यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ समझौते किए हैं। एनटीपीसी 700 मेगावाट और 1,000 मेगावाट संयंत्रों के लिए स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर का उपयोग करेगी। वहीं 1,600 मेगावाट परियोजनाओं के लिए तकनीकी सहयोग पर विचार किया जा रहा है। 1975 में स्थापना के बाद एनटीपीसी ने ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर विस्तार किया है। वर्तमान में कंपनी की समूह स्तर पर स्थापित क्षमता 84,848 मेगावाट है।

न्यूज ब्रीफ

फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और वैश्विक विस्तार में सक्रिय, तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली। फोर्स मोटर्स ने साझा परिवहन समाधानों और बहुउपयोगी वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी के प्रमुख उत्पादों में मसल ट्रैवलर और अर्बनिया प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों के लिए हल्के वाणिज्यिक वाहन प्रदान करते हैं। पिछले दो तिमाहियों से कर्ज-मुक्त फोर्स मोटर्स ने अगले तीन वर्षों में डिजिटलीकरण, उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश की योजना बनाई है। कंपनी खाड़ी क्षेत्र के 20 देशों को निर्यात कर रही है और लातिनी अमेरिका व अफ्रीका के नए बाजारों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। इस साल पांच और अंतरराष्ट्रीय बाजार जोड़ने का लक्ष्य है।ट्रैवलर खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 70 फीसदी से अधिक है। फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और रक्षा क्षेत्र में आक्रामक वृद्धि की ओर बढ़ रही है।

त्योहारी सीजन से पहले कोयला आयात में वृद्धि, इस्पात उद्योग की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। सितंबर 2025 में भारत का कोयला आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 1.94 करोड़ टन था। गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.39 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल के 1.32 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस्पात क्षेत्र के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का आयात 33.9 लाख टन से बढ़कर 45 लाख टन हो गया। एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2025 में गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 8.60 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 3.15 करोड़ टन रहा। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार त्योहारों के मौसम में खरीदारों की बढ़ी हुई मांग और सर्दियों में इस्पात मिलों की पुनः भंडारण आवश्यकता आयात वृद्धि का मुख्य कारण है। क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र में मौसमी कमजोरी को संतुलित करेगी। भारत घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ा रहा है, लेकिन उच्च-श्रेणी के तापीय और कोकिंग कोयले की कमी के कारण आयात आवश्यक बना हुआ है।

यामाहा को भारत से निर्यात में 25 फीसदी वृद्धि की उम्मीद, कंपनी चेन्नई को बना रही ग्लोबल हब

मुंबई। जापानी दोपहिया वाहन निर्माता यामाहा मोटर इंडिया इस साल भारत से अपने निर्यात में 25 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रख रही है। यामाहा मोटर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कंपनी वर्तमान में भारत से लगभग 55 देशों को अपने वाहनों का निर्यात करती है। 2024-25 में यामाहा ने 2,95,728 इकाइयों का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष 2,21,736 इकाइयों से 33.4 प्रतिशत अधिक है। अधिकारी ने बताया कि यामाहा का चेन्नई कारखाना अब विकसित देशों जैसे अमेरिका, यूरोप और जापान के लिए निर्यात केंद्र के रूप में काम करेगा। कंपनी ने पहले ही यूरोप को निर्यात शुरू किया है और यह प्रक्रिया सफल रही। यामाहा वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए चेन्नई संयंत्र में लगातार निवेश कर रही है। यामाहा चेन्नई कारखाने से कई लोकप्रिय मॉडल निर्यात करती है, जिनमें एफजेड वी (149 सीसी), एफजेड वी3 (149 सीसी), एफजेड वी4 (149 सीसी), क्रूक्स (106 सीसी), सैल्यूटो (110 सीसी), एरोक्स 155 (155 सीसी), रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड (125 सीसी), और फैसिनो 125 एफआई हाइब्रिड (125 सीसी)** शामिल हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के सूरजपुर संयंत्र से भी निर्यात जारी है। यामाहा न केवल वर्तमान देशों में बल्कि अन्य विकसित और संभावनाशील बाजारों में भी विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी उन बाजारों को भी देख रही है जहां उसके उत्पादों की मांग अधिक है।

अगले सप्ताह खुलेंगे 2 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

सोमवार यानी 17 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से ठंडी रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ 2 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 1 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच हुए दो कंपनियों के आईपीओ में भी 17 और 18 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

19 नवंबर को ही एक्सेल सॉफ्ट टेक्नोलॉजीज का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.50 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 2.67 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 13 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए फूजियामा पावर सिस्टम्स के 828 करोड़ रुपये के आईपीओ में 17 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 216 रुपये से लेकर 228 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 65 शेयर का है। आईपीओ के तहत 600 करोड़ रुपये के 2,63,15,789 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 228 करोड़ रुपये के 1 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 20 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इस आईपीओ को अभी तक 41 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल सका है।

इसी तरह 14 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए कैपिलरी टेक्नोलॉजीज के 877.50 करोड़ रुपये के आईपीओ में 18 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 549 रुपये से लेकर 577 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। आईपीओ के तहत 345 करोड़ रुपये के 59,79,202 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 532.50 करोड़ रुपये के 92,28,796 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 21 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इस आईपीओ को अभी तक 29 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल सका है।

जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है तो सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 18 नवंबर को फिजिक्सवाला ओर एमवी फोटोवोल्टिक लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी दिन महामाया लाइफ साइंसेज और वर्कमेट्स कोर2क्लाउड के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके बाद बुधवार 19 नवंबर को टेनेको क्लीन एयर के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग के जरिये कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसके अगले दिन 20 नवंबर को फूजियामा पावर सिस्टम्स के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 21 नवंबर को कैपिलरी टेक्नोलॉजीज के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग के जरिये कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं।

नेटको फार्मा ने निवेशकों को दिया बड़ा तोहफा, अंतरिम डिविडेंड का ऐलान

सितंबर तिमाही में मुनाफा घटा, खर्च बढ़ने से मार्जिन पर दबाव

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। फार्मा सेक्टर की प्रमुख कंपनी नेटको फार्मा ने अपने निवेशकों को बड़ी राहत देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड की घोषणा कर दी है। कंपनी ने बताया कि 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया जाएगा, जो 75 फीसदी के बराबर है। बोर्ड ने यह मंजूरी अपनी मीटिंग में दी। कंपनी ने 20 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वही डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। निवेशकों को भुगतान 28 नवंबर से शुरू होगा। इससे पहले कंपनी ने अगस्त में 2 प्रति शेयर और फरवरी में 1.50 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दिया था।

कंपनी ने सितंबर 2025 में खत्म हुई तिमाही के नतीजे भी जारी किए। इस दौरान नेटको का मुनाफा 517.9 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 676.5 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है। कंपनी ने बताया कि आरएंडडी पर बढ़ा खर्च और वन-टाइम कर्मचारी बोनस मुनाफे में गिरावट की प्रमुख वजहें रहीं। वहीं, ऑपरेशंस से होने वाली कमाई 1,363 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के 1,371.1 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। इस तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 849.3 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 616.7 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार में शुक्रवार को नेटको फार्मा के शेयरों में हल्की कमजोरी देखने को मिली और यह 1.33 फीसदी गिरकर 815.10 रुपए पर बंद हुआ।

एशिया-पैसिफिक में 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरतः एयरबस

मुंबई। एयरबस ने कहा कि अगले 20 सालों में एशिया-पैसिफिक क्षेत्र को 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरत होगी। इसमें नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी दोनों प्रकार के प्लेन शामिल हैं। यह वैश्विक मांग का लगभग 46 फीसदी है, क्योंकि दुनिया में कुल 42,520 नए विमान चाहिए होंगे। भारत और चीन इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान देंगे। इस क्षेत्र में पैसेंजर ट्रैफिक हर साल 4.4 फीसदी की दर से बढ़ेगा, जो वैश्विक औसत 3.6 फीसदी से अधिक है। एयरबस ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 3,500 वाइड-बॉडी प्लेन और 16,100 सिंगल-आइजल प्लेन की मांग होगी। एयरलाइंस की बढ़ती जरूरत, नई रूट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार से क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फेज 1 उद्घाटन किया, जिसकी लागत 19,650 करोड़ है। यह डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा और सालाना 20 मिलियन पैसेंजर्स संभालेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में भी अच्छी प्रगति है, जो दिल्ली-एनसीआर को आसपास के शहरों से जोड़ेगा।

तेल-तिलहन बाजार में मिली-जुली चाल, कुछ दाम बढ़े तो कुछ घटे

सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव से बाजार की चाल प्रभावित हुआ

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह दामों में उथल-पुथल देखने को मिली। कुछ तिलहन और तेलों के भाव में सुधार हुआ तो कुछ में गिरावट दर्ज की गई। सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव ने बाजार की चाल को प्रभावित किया। इस बीच किसानों और व्यापारियों के लिए दामों में संतुलन बना पाना चुनौतीपूर्ण रहा। सरसों दाने के दाम में 25 रुपये की बढ़त रही और यह 7,125-7,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, सरसों तेल के भाव में गिरावट आई। दादरी तेल 125 रुपये घटकर 14,750 रुपये प्रति क्विंटल और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,470-2,570 और 2,470-2,505 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। सरसों तिलहन के ऊंचे भाव के बावजूद आयात शुल्क में कटौती और कमजोर लिवाली के कारण सरसों तेल के दाम दबाव में रहे।

सोयाबीन दाना और लूज के थोक भाव में 150 रुपये की बढ़त हुई, क्रमशः 4,700-4,750 और 4,400-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर। सोयाबीन तेल (दिल्ली, इंदौर, डीगम) स्थिर रहे। घरेलू दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं और आयातित सोयाबीन लागत से कम पर बिकने के कारण दाम स्थिर बने। मूंगफली तिलहन 275 रुपये की बढ़त के साथ 6,175-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर और मूंगफली तेल गुजरात थोक 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल के दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंचे। जाड़े में मूंगफली की मांग और गुजरात में बिनौला तेल की सस्ती उपलब्धता इसकी वजह रही। सीपीओ का दाम 25 रुपये घटकर 11,300 रुपये प्रति क्विंटल और पामोलीन दिल्ली 13,075, एक्स-कांडला 12,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जाड़े में तेल जमने और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट, साथ ही आयात शुल्क में कटौती, पाम तेल की कीमतें घटाने का मुख्य कारण रहे। सरकार ने आयात शुल्क में कटौती कीः सीपीओ 70, पामोलीन 182 और सोयाबीन डीगम 42 रुपये प्रति क्विंटल। विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को एमएसपी के अनुरूप दाम देने से घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी के घटे भाव

उतार-चढ़ाव के बीच एक सप्ताह में 3,060 रुपये तक महंगा हुआ सोना

नयी दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में जोरदार गिरावट नजर आ रही है। सोना 1,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो आज की गिरावट के बावजूद सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 16,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,230 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

द्विपुष्कर योग को शुभ संयोग, शिवजी की कृपा से तुला धनु समेत पांच राशियों को जातक पाएंगे डबल लाभ

आज 17 नवंबर यानी दिन है सोमवार जिससे स्वामी ग्रह चंद्रमा हैं। और संयोग से आज मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि है जिससे आज प्रदोष व्रत भी रहेगा ऐसे में आज के देवता रहेंगे भगवान शिव। जबकि आज चंद्रमा का गोचर कन्या उपरांत तुला राशि में होगा। ऐसे में आज चंद्रमा और शुक्र की युति से आजानिधि योग बनेगा। जबकि चंद्रमा से दशवें भाव में गुरु के होने से गजकेसरी योग भी बनेगा। और तो आर आज के दिन उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के संयोग से द्विपुष्कर योग और प्रीति योग भी बनेगा। ऐसे में आज भगवान शिव की कृपा और द्विपुष्कर योग के संयोग से मेष, कर्क, तुला, धनु, और कुंभ राशि के जातक पाएंगे आर्ज मामलों में शुभ लाभ, तो आइए जानते हें आज का लकी राशिफल और साथ ही जाने सोमवार के उपाय भी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन करियर और कामकाज के मामले में बहुत शुभ लाभदायक रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में परिश्रम से बढ़कर लाभ मिलेगा। कोई काम जो आपका सरकारी क्षेत्र में अटका है वह पूरा हो सकता है। आपको किसी मित्र या संबंधी की मदद से भी फायदा हो सकता है। बिजनेस में आज मेष राशि के जातकों को आर्थिक लाभ मिलेगा। आप सामाजिक और राजनीतिक काम में भी आज लाभ और सम्मान प्राप्त कर पाएंगे। आपके सितारे बताते हैं कि आप आप आज किसी नई योजना अथवा परियोजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आपको अधिकारी वर्ग से भी आज पूरा सहयोग और सपोर्ट मिलेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर भगवान शिव का दूध से अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातको के लिए आज का दिन करियर और कमाई के मामले में अच्छा रहेगा। आपको आज किसी पिता तुल्य व्यक्ति से सहयोग और लाभ मिल सकता है। नौकरी में आपको आज कोई बड़ा मौका मिलेगा। अगर आप नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको कोई अच्छा मौका मिल सकता है। किसी निकट संबंधी और मित्रों से मिलने का भी आपको मौका मिलेगा। आपको आज परिवार के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। आप आज किसी शुभ काम में शामिल होने का भी मौका मिलेगा। आप किसी मित्र की मदद भी प्राप्त कर पाएंगे। बच्चों की सफलता से मन प्रसन्न होगा।

उपाय : आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए आपको माता से आशीर्वाद लेकर कोई भी जरूरी काम शुरू करना चाहिए।

तुला राशि – आज सोमवार का दिन कर्क राशि के जातको के लिए बहुत ही शुभ रहेगा। आप किसी शुभ और धार्मिक काम में भाग ले सकते हैं। नौकरी में आपको आज अधिकरीवर्ग से सहयोग मिलेगा। जबकि बिजनेस में आज आपको आर्थिक लाभ मिलेगा। आपके सितारे बातते हैं कि आपको आज अधिकारी कोई नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं ऐसे मं आपका कार्यक्षेत्र में प्रभाव और सम्मान बढेगा। किसी पूर्व परिचित या मित्र की मदद से आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आप विदेश में शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावना। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा सफल और सुखद रहेगी।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीहरि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए, किसी जरूरमंद को भोजन करवाना चाहिए।

धनु राशि – धनु राशि के लिए आज सोमवार का दिन आर्थिक मामले में शुभ रहेगा। आप आपको कहीं से अचानक धन का लाभ मिल पाएगा। बिजनेस में आपका पैसा फंसा है तो वह भी आपको वापस मिल जाएगा। आपके सितारे बताते हैं कि आप आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से कमाई कर पाएंगे। काफी सं आपका कोई पेंडिंग काम रहा है जिसे आप पूरा कर पाने में सफल होंगे। कोई मित्र या पड़ोसी आपकी किसी परेशानी में सहायता कर सकता है। अगर आप बैंक से लोन लोन लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको इसमें सफलता मिलेगी। आप आज अपनी रचनात्मक क्षमता और व्यवहार कुशलता का भी लाभ ले पाएंगे। कोई अच्छी खबर भी आपको मिलेगी।

उपाय : आपको आज के दिन भगवान शिव का दही से अभिषेक करना चाहिए।

कुंभ राशि – आज सप्ताह के पहले दिन कुंभ राशि के जातको का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा बीतेगा। आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे। आर्थिक मामलों में आज आपको भाग्य लाभ दिलाएगा। बिजनेस में आपकी कमाई बढेगी। वैवाहिक जीवन मे आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा। आप जीवनसाथी के लिए कोई उपहार भी ले सकते है। किसी रिश्तेदार की मदद करने से परिवार में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आप आज सरकारी क्षेत्र के काम में सफलता पाएंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी आज का दिन कुंभ राशि के लिए अच्छा है। कुंभ राशि के जातक शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। परिवार में माता पिता की सेहत नरम चल रही है तो उनकी सेहत में सुधार हो सकता है। संतान की ओर से आपको प्रसन्नता होगी।

उपाय : आपको आज दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

नारद पुराण के अनुसार ज्योतिषी से प्रश्न कैसे पूछें

भाग्य को जानने के लिए भी भाग्य की आवश्यकता होती है इसलिए जिन व्यक्तियों को अपने भाग्य की जानकारी चाहें जन्मकुण्डली के माध्यम से अथवा हस्तरेखा के माध्यम से हासिल करनी हो, ऐसे व्यक्तियों को भविष्यवाणी के लिए ज्योतिषी के पास जाने से पूर्व अपने इष्ट या ईश्वर या देवता की आराधना करनी चाहिए और निवेदन करना चाहिए कि वह जिस ज्योतिषी के पास जा रहा है वह उसके भविष्य के बारे में बता सके या वह इस दिशा में मार्गदर्शन दे सके कि वह अपने भविष्य को किस प्रकार ढाल सके तथा उसके सामने आई समस्या का निराकरण किस प्रकार हो।

ज्योतिष विज्ञान लौकिक परिभाषाओं से ऊपर ईश्वरीय शक्ति से संबंधित होने के कारण वेद भगवान का परमपुनीत अंग 'वेदांग' होने के कारण दिव्य विज्ञान की श्रेणी में आता है। भविष्यफल कथन की पूर्ण सफलता ईश्वरीय अनुकम्पा पर निर्भर करती है। सफल ज्योतिषी को भविष्यवाणी करने के लिए इष्टबल की आवश्यकता पड़ती है, ज्योतिषी जितना अधिक सात्विक एवं परोपकारी होगा, उतनी ही अधिक उस पर ईश्वर कृपा होगी, ईश्वर कृपा ही भविष्यवाणियों की सफलता–असफलता की मुख्य कड़ी है। जन्मकुण्डली, वर्गों को तैयार करना, दशा की गणना आदि और जन्मकुण्डली का समुचित विश्लेषण ये सभी ज्योतिषी की हाथ में है। कुछ बाते हैं जो मानव के हाथ में नहीं है जिसे कृपा कहते हैं जिससे सही भविष्यवाणी करने की सहायता मिलती है। ज्योतिषी मात्र ईश्वर का दूत होता है, उसे दैवज्ञ कहा जाता है क्योंकि वह जातक या राष्ट्र के भूत, वर्तमान और भविष्य बताने की क्षमता रखता है। ईश्वर के पश्चात ज्योतिषी ही वह पहला व्यक्ति है जो किसी व्यक्ति के भविष्य के बारे में सुनिश्चित जानकारी रखता है।

नारद पुराण में देवर्षि नारद के अनुसार किसी भी प्रकार के प्रश्न, या जन्मकुण्डली, विवाह आदि सम्बन्धी शुभ कर्मों की जानकारी के लिए सर्वप्रथम ज्योतिष शास्त्र पर विश्वास एवं ज्योतिषी पर श्रद्धा होना अनिवार्य है। साथ ही प्रश्न करने वाले को चाहिए कि शुभ दिन, शुभ घड़ी में ईष्ट का दर्शन–स्मरण करते हुए अपनी अंजलि में पान, फूल, फल और द्रव्य आदि लेकर ज्योतिष शास्त्र के ज्ञाता समस्त शुभ लक्षणों से सम्पन्न, प्रसन्न चित्त तथा सुख–पूर्वक बैठे हुए विद्वान ब्राह्मण के पास जाए और उन्हें देवता के समान मानकर भक्ति पूर्वक प्रणाम करके अपने शुभ कार्यों का प्रश्न रखना चाहिए।

दीवार पर घड़ी लगाने से पहले जान लें वास्तु के ये नियम वरना बुरा समय नहीं छोड़ेगा आपका पीछा

हर व्यक्ति को जीवन में अच्छे–बुरे समय का सामना करना पड़ता है। लेकिन कई बार अपने जीवन में कड़ी मेहनत और प्रयासों के बावजूद बुरा समय हमारा पीछा नहीं छोड़ता है। वास्तुशास्त्र में इसके पीछे कई कारण बताए गए हैं। आपके जीवन में आने वाली समस्याओं का कारण घर में गलत दिशा या गलत तरीके से लगी दीवार पर एक छोटी सी घड़ी भी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको दीवार की घड़ी से जुड़े कुछ विशेष वास्तु के नियम बताने जा रहे हैं। इन्हें आजमाने से आपके जीवन से कई बाधाएं और परेशानियां दूर हो सकती हैं।

घड़ी किस दिशा में नहीं लगानी चाहिए?

अगर आपने घर में दक्षिण दिशा की दीवार पर घड़ी लगाई है, तो उसे तुरंत उतार दें। वास्तुशास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा में भूलकर भी घड़ी नहीं लगानी चाहिए। माना जाता है कि यह दिशा पितरों और यमराज की होती है। ऐसे में दक्षिण दिशा में कभी समय नहीं देखना चाहिए। इससे आपको जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। और घर के सदस्यों की तरक्की भी रुक सकती है। यही कारण है कि दक्षिण दिशा में घड़ी लगाना वर्जित माना गया है।

घड़ी किस दिशा में लगाना शुभ होता है?

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में घड़ी को सही दिशा में लगाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। इससे परिवार के सदस्यों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और जातक के जीवन से बुरा समय भी दूर हो सकता है। वास्तु की मानें तो घर में हमेशा उत्तर, पश्चिम या पूर्व दिशा में ही घड़ी लगानी चाहिए। इन दिशाओं के घड़ी टांगने के लिए शुभ माना गया है। ऐसा करने से जीवन में शुभता आती है और सुख–समृद्धि में वृद्धि होती है।

मुख्य द्वार पर न लगाएं घड़ी

मान्यता है कि घर के दरवाजे के ऊपर कभी भी घड़ी नहीं टांगनी चाहिए। ऐसा करने से घर में आने–जाने वाले लोगों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, यह धन हानि का कारण भी बन सकता है और इससे नकारात्मकता बढ़ सकती है। ऐसे में वास्तु के अनुसार, घर के मेन गेट पर घड़ी लगाना शुभ नहीं माना जाता है। इसे आप ऐसे स्थान पर लगा सकते हैं जहां घर में प्रवेश करने पर आपकी घड़ी पर नजर पड़े। लेकिन वह दिशा दक्षिण नहीं होनी चाहिए।

घर में कभी भी न लगाएं ऐसी घड़ी

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी ऐसी घड़ी नहीं लगानी चाहिए जिसका कांच टूटा हुआ हो। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है और परिवार के सदस्यों की खुशियों पर भी विपरीत असर पड़ने लगता है। ऐसे में अगर घड़ी का कांच टूटा हुआ है तो उसे तुरंत बदला लें। साथ ही घर में बंद या स्लो चलने वाली घड़ी भी नहीं लगानी चाहिए। यह भी आपकी तरक्की पर बुरा प्रभाव डाल सकती है और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर घड़ी की सेल खत्म हो जाए तो उसे तुरंत चेंज करवा लेना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं ऐसी घड़ी

माना जाता है कि घड़ी खरीदते समय उसकी खूबसूरती के साथ–साथ कुछ अन्य चीजों पर भी ध्यान देना जरूरी होता। सही आकार की घड़ी घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जीवन में सुख–समृद्धि बनी रहती है। गोल, अष्टभुजाकार, अंडाकार और पेंडुलम वाली घड़ी लेना बेहद शुभ माना जाता है। इन्हें घर की सही दिशा में लगाने से जीवन में उन्नति प्राप्त करने के योग बनते हैं और घर का माहौल भी सकारात्मक बना रहता है।

घड़ी का समय पीछे है, तो जान लें ये बात

अक्सर हम अपनी घड़ी का समय कुछ मिनट आगे या पीछे रख देते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से भी हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। माना जाता है कि घड़ी का समय कभी भी पीछे नहीं चलना चाहिए। या तो टाइम एकदम सही हो या फिर आप इसे थोड़ा आगे रख सकते हैं। लेकिन भूलकर भी घड़ी को पीछे न चलने दें। इससे हमारी तरक्की रुक सकती है और बुरा समय पीछा नहीं छोड़ता है। ऐसे में हमेशा घड़ी का समय सही रखना चाहिए।

पाप–पुण्य का फल, जब महात्माजी की आत्मा ने सेठ के यहां पुत्र रूप में जन्म लेकर किया हिसाब बराबर

अक्सर लोग पूछते हैं, पाप–पुण्य का फल क्या और कब कैसे मिलता है। वैदिक ग्रंथ इस प्रश्न का उत्तर देते हैं, वे कहते हैं, 'हे मानव! तुमने जो कुछ किया है और करते हो, उनसे जो संस्कार बनते हैं, वे ही पुण्य–पाप के रूप में तुम्हें प्राप्त होता है।'

महात्मा लोग एक कथानक कहते हैं, एक बहुत बड़े धनिक किसी महात्मा के भक्त थे, वे रोज उन महात्मा के दर्शन के लिए आते–जाते थे। महात्मा जी के अनेक भक्त थे, जिनसे उनको यदा–कदा भेंट–पूजा आदि में द्रव्य यानी धन की प्राप्ति होती रहती थी। धीरे–धीरे महात्मा जी के पास उस जमाने में लगभग एक लाख रुपए इकट्ठे हो गए। अपने प्रति सर्वाधिक श्रद्धा भक्ति दिखाने वाले उस धनिक पर विश्वास करके महात्मा जी ने एक लाख रुपए उसी के पास जमा कर दिए।

कुछ समय पश्चात महात्मा जी की इच्छा आश्रम बनवाने की हुई, इसलिए उन्होंने सेठ जी से अपने जमा रुपए मांगे। सेठ जी की नीयत बदल गई, वह कहने लगे, कैसे रुपए, कब दिए थे आपने। आप जैसे लंगोट पहनने वालों के पास एक लाख रुपए आया कहां से। इन अप्रत्याशित वचनों को सुनकर महात्मा जी के हृदय की गति बंद हो गई और तत्काल उनका प्राणान्त हो गया।

उधर सेठ जी की कोई संतान न थी, सेठ जी इस घटना को भूल गए। किन्तु ठीक दसवें महीने, उनके यहां एक पुत्र उत्पन्न हुआ। पुत्र पैदा होते ही, खुशी में पैसा पानी की तरह बहाया जाने लगा। लड़के के लालन–पालन, खेल, खिलौने आदि में एक की जगह दस रुपए खर्च किया जाने लगा। ऐसे लाड़–प्यार में पला बालक बचपन से ही अधिक खर्चीला होता चला गया। युवावस्था में आते ही उसकी फिजूलखर्ची बढ़ती गई। प्रारम्भ में तो पिता ने अपने एक लौते

बेटे की इस जीवनचर्या पर ध्यान नहीं दिया, परन्तु जैसे–जैसे समय बीतता गया, पिता की चिन्ता बढ़ती गई। फिर भी पिता ने कभी यह हिसाब लगाकर नहीं देखा, कि लड़का कितना खर्च कर चुका और कितना कर रहा है, सिलसिला जारी रहा। एक बार लड़के ने बिना पिता की मर्जी के अपने दोस्तों को दावत पर बुलाया, जिसमें खूब पैसा खर्च किया गया। उसके बाद लड़के ने नौकर को भेजकर एक पान मंगवाया, पाने खाकर लड़का जो सोया तो वह कभी उठा ही नहीं। कुछ दिनों के बाद जब सेठ जी ने अपने मुनीम से दिवंगत बेटे द्वारा खर्च किए गए रुपयों के हिसाब–किताब का विवरण जाना, तो वे हैरान इस बात को लेकर हो गए कि बेटे ने आखिरी में पान मंगवाया था, उसकी कीमत को लेकर एक लाख रुपए की रकम बनी, तभी उसको महात्मा जी के एक लाख रुपए की बात स्मरण में आई और वह समझ गया कि महात्मा ही पुत्र के रूप में पैदा होकर अपना एक लाख रुपए का हिसाब–किताब बराबर करके चले गए। अगर इस जीवन में आपको कष्ट प्राप्त हो रहा है, तो अपने पीछे किए गए कर्मों का अवलोकन करें, इन कर्मों का साक्षी आपका अंतर्मन और ईश्वर है।

लव लाइफ रहेगी चुनौतियों से भरी, सिंगल लोगों के लिए आएंगे शादी के रिश्ते, जानें मकर राशि का वार्षिक लव राशिफल

मकर राशि वालों के लिए लव लाइफ के मामले में साल 2026 मिलाजुला रहने वाला है। साल की शुरुआत में वैवाहिक जीवन में कुछ कठिनाइयां सामने आ सकती हैं। साथ ही, आपसी तालमेल और प्रेम में भी कमी आने की संभावना है। हालांकि, एक बैलेंस बनाए रखने से जून में गुरु गोचर के बाद दांपत्य जीवन में खुशहाली वापस आने लगेगी और दोनों के बीच की दूरियां कम होंगी। आपके लिए फरवरी और जुलाई का महीना सबसे बेस्ट रहेगा। वहीं, लव लाइफ बिता रहे लोगों को साल की शुरुआत में थोड़ा अकेलापन महसूस हो सकता है। साथ ही, छोटे–मोटे झगड़े होने की भी संभावना है। हालांकि, प्रयास और आपसी समझ से दोनों के बीच का प्रेम वापस लौटेगा और लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। इस वर्ष में मई का महीना आपके लिए सबसे अच्छा रहेगा।

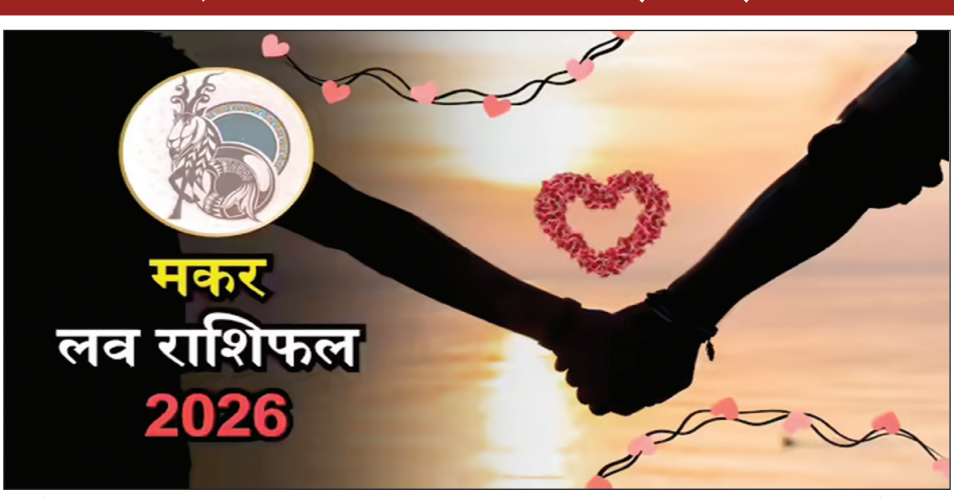

मकर लव राशिफल विवाहित लोगों के लिए

मकर राशि वालों को साल की शुरुआत में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ आपसी तालमेल बिठाने में भी परेशानी महसूस कर सकते हैं। ऐसे में आपको संयम रखना होगा और शांति के साथ किसी भी समस्या का समाधान ढूंढना होगा, अन्यथा दूरियां ज्यादा बढ़ सकती हैं। इसका प्रभाव आपके रिश्ते पर भी पड़ सकता है। इस अवधि के दौरान जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार की बहस करने से बचें और कटु वाणी का प्रयोग भी न करें। अन्यथा बात ज्यादा बढ़ सकती है।

जीवनसाथी के साथ रिश्ते होंगे मधुर

मकर राशि वालों के वैवाहिक जीवन के लिए साल का मध्य अच्छा रहेगा। जून में गुरु गोचर के बाद आपके रिश्ते में आने वाली समस्याएं कम होने लगेंगी और दोनों के बीच का प्रेम भी गहरा होता जाएगा। रिश्ते में सम्मान, विश्वास और प्रेम बढ़ेगा। ऐसे में आप एक दूसरे से गहरा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। अगर पहले कोई गलतफहमियां थीं तो वे भी बातचीत के माध्यम से दूर हो सकती हैं। छोटी–छोटी अनबन भी धीरे–धीरे कम होने लगेंगी, जिससे आपको रिश्ते में सुकून महसूस होगा और जीवन में खुशहाली आएगी।

दांपत्य जीवन रहेगा सुखद

मकर राशि वालों के लिए अक्टूबर में दोबारा गुरु गोचर के बाद स्थिति और बेहतर होने लगेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। साथ ही, शांति और प्रेम का अनुभव करेंगे। इसी के चलते घर का माहौल भी खुशनुमा देखने को मिलेगा। दोनों के एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और आपसी प्रेम के साथ–साथ रोमांस भी बढ़ेगा। साल के अंतिम महीने आपके लिए प्रेम और खुशियों से भरपूर रहने वाले हैं।

मकर लव राशिफल अविवाहित लोगों के लिए

मकर राशि के जो लोग शादी करने का विचार बना रहे हैं उनके लिए यह साल अच्छा साबित हो सकता है। अपने नए रिश्ते या शादी को लेकर आपके मन में कई उम्मीदें होंगी। साल की शुरुआत में किसी से कनेक्शन बनाना आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण फैसले लेने से बचना बेहतर होगा। वहीं, लव लाइफ बिता रहे लोगों के लिए साल की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है और अकेलापन महसूस करेंगे। दोनों के बीच का प्रेम और आपसी समझ कम हो सकता है। साथ ही, अनबन और झगड़ों की स्थिति बनने की भी संभावना है।

आपके प्रेम की हो सकती है परीक्षा

मकर राशि को अपने लव लाइफ में रोमांस और प्रेम वापस लाने के लिए शांति के साथ हर समस्या का समाधान खोजना होगा। आप बातचीत के माध्यम से हर अनबन को दूर कर सकते हैं। इसके लिए दोनों को एक दूसरे से अपने मन की बात शेयर करनी होगी। यह साल आपके रिश्ते की परीक्षा लेना वाला हो सकता है।

वहीं, सिंगल लोगों के लिए शादी के कई रिश्ते आ सकते हैं। परिवार या रिश्तेदारों के द्वारा आपको अपना पार्टनर भी मिल सकता है। वहीं, जून में गुरु गोचर के बाद आपकी कुछ खास लोगों से अच्छी मुलाकात हो सकती है। साथ ही, कुंडली में शादी के योग होने पर इस साल आपका विवाह होने की भी संभावनाएं हैं। ऐसे में आपको अपने पार्टनर को अच्छी तरह समझना होगा।

लव लाइफ में आएंगे उतार–चढ़ाव

मकर राशि के लव लाइफ में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। लेकिन साल के अंतिम महीनों में कुछ सुधार आने की संभावना है। दोनों एक दूसरे के साथ भावनात्मक जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने पार्टनर पर भरोसा रखना होगा और एक दूसरे को समझना बेहद महत्वपूर्ण होगा। इससे रिश्ते में आई दूरियां कम हो सकती हैं और धीरे–धीरे लव लाइफ में रोमांस बढ़ने लगेगा। मई का महीना आपके लिए अच्छा रहेगा और सिंगल लोगों के लिए जून माह बेस्ट हो सकता है।

अभिनेता राहुल रॉय ने 90 के दशक में 11 दिन में 47 फिल्में साइन करके मचाया था तहलका

पहली फिल्म के ब्लैक में बिके टिकट, कर्ज में डूबा तो सलमान ने की मदद

यहां एक ऐसे एक्टर के बारे में बता रहे हैं, जिसने 90 के दशक में एक साथ 47 फिल्में साइन करके तहलका मचा दिया था। इसकी पहली फिल्म इतनी ब्लॉकबस्टर रही थी कि टिकट तक ब्लैक में बिके थे। और तो और फिल्म 6 महीनों तक हाउसफुल रही थी। एक समय पर कहा जाने लगा था कि ये एक्टर शाहरुख खान, सलमान और आमिर खान तक को 'खा' जाएगा। लेकिन कई साल तक फिर गायब हो गया। पता है ये एक्टर कौन है? कुछ साल पहले इस एक्टर को ब्रेन स्ट्रोक आया था, जिससे इसकी बुरी हालत हो गई थी। तब सलमान ने ही इसके सारे मेडिकल बिल भरे थे।

यह एक्टर आज भी फिल्मों में काम कर रहा है और प्रोड्यूसर भी बन चुका है, पर जो स्टारडम इसने 90ी में बटोरा था, वैसा कभी नहीं पा सका। धीरे-धीरे इसका स्टारडम और चार्म फीका पड़ने लगा। कभी इस एक्टर के साथ हर टॉप फिल्ममेकर और हीरोइन काम करने को बेताब रहती थी, पर बाद में हालात ऐसे बने कि बड़ी फिल्में मिलना भी मुश्किल हो गईं। हालांकि, 2025 में इसने सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से वापसी की। ये हैं एक्टर राहुल रॉय, जो 'आशिकी' से रातोंरात स्टार बन गए थे। फिल्म के गाने सुपरहिट रहे और लड़कियां राहुल रॉय के लिए क्रेजी हो गई थीं। यहां तक कि राहुल रॉय का हेयरस्टाइल तक फेमस हो गया था। उस समय उन्होंने 11 दिन में 47 फिल्में साइन करके रिकॉर्ड बना दिया था। हालांकि, इसके बाद राहुल रॉय का करियर परवान नहीं चढ़ सका। उन्होंने फिल्में तो कई कीं, पर 'आशिकी' जैसा स्टारडम नहीं मिल पाया।

राहुल रॉय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी फिल्म 'आशिकी' सिनेमाघरों में 6 महीनों तक हाउसफुल रही थी, और उसके टिकट तक ब्लैक में बिके थे, पर उसका उनके करियर को कोई फायदा नहीं हुआ। हालांकि, 'आशिकी' की रिलीज के 6 महीने बाद ऐसा हुआ कि राहुल रॉय के पास फिल्मों के ऑफर धड़ाधड़ आने लगे। तब उन्होंने 11 दिनों में ही 47 फिल्में साइन कर ली थीं। इस बारे में राहुल ने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था। राहुल ने बताया था कि चूंकि उतनी सारी फिल्में एक साथ करना उनके लिए बहुत मुश्किल था, तो तब उन्होंने 21 प्रोड्यूसर्स के पैसे लौटा दिए थे। इसके बाद राहुल रॉय धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से गायब से हो गए। हालांकि, साल 2007 में 'बिग बॉस' के पहले सीजन का विनर बनकर वह सुर्खियों में जरूर आए। राहुल रॉय के करियर में एक ऐसा भी समय आया, जब फिल्में मिलना बंद हो गईं। तब उन्हें सी-ग्रेड फिल्म 'हर स्टोरी' तक में काम करना पड़ा था। राहुल रॉय अब भी एक्टिंग में सक्रिय हैं, पर पांच साल पहले एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आ गया था, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। तब सलमान उनकी मदद को आग आए थे और एक्टर के अस्पताल के सारे बिल का खर्च उठाया था। राहुल रॉय ने बताया था कि जब अस्पताल के महंगे बिल के कारण उन पर खूब कर्ज हो गया, तो सलमान आगे आए। सलमान ने उनके सारे कर्ज चुकाने में मदद की।

फातिमा सना शेख ने विजय वर्मा के साथ शेयर की तस्वीर

अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर विजय वर्मा के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। फातिमा ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, गुस्ताख इश्क 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तस्वीरों में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फातिमा के फैंस उनकी नई फिल्म को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों की केमिस्ट्री देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म और भी ज्यादा मजेदार होने वाली है। इस फिल्म से मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा प्रोडक्शन में डेब्यू कर रहे हैं, जो स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मनुष नंदन ने की है और साउंड डिजाइन रेसुल पूकुट्टी ने किया है। यह फिल्म न केवल एक प्रेम कहानी है, बल्कि क्लासिक और आधुनिक सिनेमा का संगम भी है। फिल्म में संगीत के लिए मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज एक बार फिर साथ आए हैं। फिल्म में पहली बार फातिमा और विजय स्क्रीन पर रोमांस करते दिखेंगे।

वहीं, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह दोनों के इश्क को नया आयाम देते दिखेंगे। विभु पुरी द्वारा निर्देशित 'गुस्ताख इश्क' एक रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार, जुनून और भावनाओं की कहानी पेश करेगी। फिल्म में दर्शकों को नए तरीके की प्रेम कहानी का अनुभव होगा। फिल्म में फातिमा सना शेख और विजय वर्मा के अलावा नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में दिखाई देंगे।

अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'आप जैसा कोई' और अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' थी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में थे। 'मेट्रो... इन दिनों' फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की 'लाइफ इन ए मेट्रो' की सीक्वल है।

भोजपुरी अभिनेत्री नीलम गिरी का डांस देख प्रशसंक रह गए दंग

बिग बॉस से बाहर आने के बाद भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया पर वह पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव नजर आ रही हैं और फैंस के साथ अपने खास पलों को शेयर कर रही हैं। नीलम ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने गाने 'देवरा छोहारा लागे' पर डांस करती दिख रही हैं। फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। वीडियो में नीलम गिरी को बेहद आत्मविश्वास से भरपूर देखा जा सकता है। वह गाने के हर एक बीट पर पूरे जोश के साथ डांस करती दिख रही हैं। उनके एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स बेहद जबरदस्त हैं। उनका हर मूवमेंट म्यूजिक के साथ पूरी तरह मेल खा रहा है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को फैंस खूब देख रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। 'देवरा छोहारा लागे' गाने की बात करें, तो इसे शिल्पी राज ने गाया है। वहीं, आशुतोष तिवारी ने गाने के बोल लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह का है। निर्देशक और कोरियोग्राफर की जिम्मेदारी रौनक राउत ने निभाई है। नीलम गिरी की जर्नी की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टिकटॉक से की थी, जहां उनकी वीडियोज को सुपरस्टार पवन सिंह ने नोटिस किया और उन्हें ब्रेक दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पहला भोजपुरी गाना 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' किया, जो हिट साबित हुआ। इस गाने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2021 में उन्होंने भोजपुरी फिल्म 'बाबुल' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, और इसके बाद 2022 में तीन और फिल्मों 'इज्जत घर', 'टुन टुन' और 'कलाकंद' में काम किया। '

अपेक्षा पोरवाल की बड़ी छलांग रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में

तेज रफ्तार से ऊपर उठ रहीं अपेक्षा पोरवाल, जो अनदेखी, हनीमून फोटोग्राफर और इंटरनेशनल हिट स्लेव़ मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी हैं, अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है – यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फिल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं – और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

कामिनी कौशल की वो फिल्म, जिसका आजतक कपूर और खान नहीं तोड़ पाए रिकॉर्ड, 34 साल तक भारत में नहीं हुई थी रिलीज

साल 1946 से 2022 तक फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव रहीं दिग्गज अदाकारा कामिनी कौशल हमारे बीच नहीं रहीं। उनका 14 नवंबर 2025 को मुंबई में 98 की उम्र में निधन हो गया था। 15 नवंबर को अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने दिलीप कुमार, देव आनंद और राज कपूर की तिकड़ी के साथ अभिनय किया था। 1940 के दशक के अंत और 1950 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में गिना जाता था। 95 साल की उम्र तक वह काम करती रहीं और आ-खिरी बार वह 2022 में 'लाल सिंग चड्ढा' में नजर आई थीं, जिसमें आमिर खान-करीना कपूर थे। 76 साल फिल्मों को देने वाली इस अभिनेत्री की डेब्यू फिल्म के कुछ रोचक किस्से, हम आपको 'संडे सिनेमा' सेगमेंट में सुनाने जा रहे हैं।

कामिनी कौशल का जन्म 24 फरवरी 1927 को पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। ह दो भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटी थीं। उनके पिता का नाम राम कश्यप था, जो लाहौर में पंजाब विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर थे। उन्हें भारतीय वनस्पति विज्ञान का जनक माना जाता है। उन्होंने पौधों की 6 प्रजातियों की खोज की थी। 26 नवंबर 1934 को जब उनके पिता का निधन हुआ तब वह केवल सात वर्ष की थीं।

एक्ट्रेस ने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में बीए (ऑनर्स) किया था। वह तैराकी, घुड़सवारी, स्केटिंग और आकाशवाणी पर रेडियो नाटक करती थीं, जिसके लिए उनको 10 रुपये मिलते थे। बड़ी बहन की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई तो उनके पति और दो बेटियों (कविता साहनी और कुमकुम सोमानी) के पिता बीएस सूद से शादी करनी पड़ी थी। और उस वक्त वह दिलीप कुमार से प्यार करती थीं लेकिन परिवार के खातिर उन्हें एक्टर से रिश्ता तोड़ना पड़ा

कामिनी कौशल का अमिताभ बच्चन की मां तेजी बच्चन से भी कनेक्शन था। एक्टर ने ब्लॉग में बताया था कि एक्ट्रेस का परिवार और उनकी मां जी का परिवार, भारत-पाकिस्तान के बंटवारे से पहले पंजाब में रहता था और दोनों परिवार बहुत अच्छे दोस्त थे। उन्होंने बताया था कि कामिनी की दिवंगत बड़ी बहन, मां तेजी बच्चन की करीबी दोस्त थीं। दोनों क्लासमेट्स थीं। दोनों साथ में रहती थीं और खुशमिजाज इंसान थीं।

कामिनी कौशल का पहले नाम उमा कश्यप था।

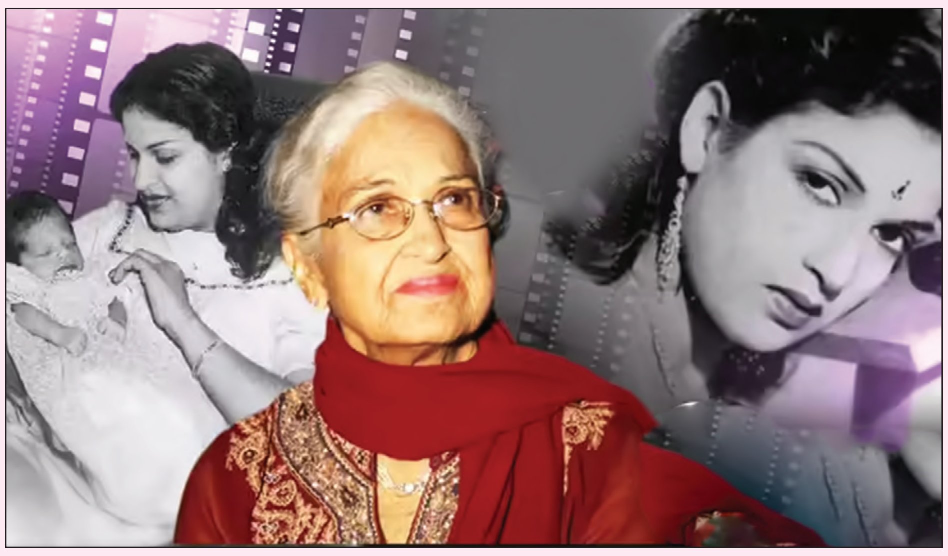

लेकिन बाद में उनका नाम बदल दिया गया। उन्होंने 'उमा' नाम से ही 1937 से 1940 तक लाहौर में एक रेडियो चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया था। फिर चेतन आनंद ने उन्हें अपनी फिल्म 'नीचा नगर' में लीड रोल ऑफर किया। 1946 में ये रिलीज हुई थी लेकिन कभी-भी भारत में व्यावसायिक रूप से रिलीज नहीं किया गया। लेकिन 1948 में कोलकाता में इसकी स्क्रीनिंग हुई और 1980 के दशक में दूरदर्शन पर प्रसारित किया गया। और इस मूवी ने उरपपशी फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड झरश्राश ऊंजठ जीता था। बता दें कि यह कान फिल्म महोत्सव में पाल्मे डी'ओर पुरस्कार जीतने वाली पहली और अब तक की एकमात्र भारतीय फिल्म है। एक इंटरव्यू में कामिनी कौशल से पूछा गया था कि उनका नाम क्यों बदला गया तो उन्होंने बताया था, 'चेतन की पत्नी उमा आनंद भी फिल्म का हिस्सा थीं। मेरा नाम भी उमा होने के कारण, वह मेरे लिए एक अलग नाम चाहते थे। मैंने उनसे अपनी बेटियों कुमकुम और कविता के नामों से मेल खाने के लिए 'के' से शुरू होने वाला नाम देने को कहा। जिसके बाद कामिनी रखा गया।'

'नीचा नगर' की सफलता के बाद, कौशल ने हिंदी सिनेमा की त्रिमूर्ति – दिलीप कुमार, देव आनंद और राज कपूर के साथ 'जेल यात्रा', 'दो भाई', 'आग', 'शहीद', 'नदिया के पार', 'जिद्दी', 'शबनम' और 'आरजू' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्ममेकर बिमल रॉय की 1954 में आई फिल्म 'बिराज बहू' में लीड रोल निभाया और उनको नेशनल अवॉर्ड के साथ-साछ बेस्ट एक्ट्रेस के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। लेकिन फिर मनोज कुमार की हिट फिल्म 'उपकार' (1967) से उन्होंने पर्दे पर मां की भूमिका निभाई थी और वह तब महज 40 साल की थीं। इसके बाद वह मां-दादी के रोल्स करती रहीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। हालाँकि वरिष्ठों से कुछ विरोध के स्वर सुनाई देंगे– लेकिन फिर भी आपको दिमाग़ ठण्डा रखने की ज़रूरत है। यात्रा और भ्रमण वग़ैरह न सिर्फ़ आनन्ददायक सिद्ध होंगे, बल्कि काफ़ी शिक्षाप्रद भी रहेंगे। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफ़ी मांगें। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायद–मन्द साबित होंगे अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अगर आप और आपका जीवनसाथी खाने–पीने पर ज़्यादा ध्यान देंगे, तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। रोमानी नज़रिए से वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। काम का तनाव आपके दिमाग़ पर छा सकता है जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक़्त नहीं निकाल सकेंगे। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत महसूस करेंगी । आपको एहसास होगा शाम का वक्त सुकून भरा हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज अच्छी सेहत का मज़ा लेने से आप वंचित हो सकते हैं। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

तनाव और चिंता में इज़ाफ़ा मुमकिन है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। एक बढ़िया जी–वनसाथी के साथ जीवन वाक़ई अद्भुत लगता है और आज आप इस बात का अनुभव कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। बहुत ख़ूबसूरत और प्यारे इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 नवंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 05:01 तक
योग : प्रीति प्रातः 07:21 तक
करण : गर सायं 06:00 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 03:05 तक
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोम प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ऑपरेशन ट्रैकडाउन

हरियाणा पुलिस ने एक दिन में 257 अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने राज्य को सुरक्षित बनाने और संगठित अपराध सिंडिकेट को जड़ से खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। 14 नवंबर को विशेष राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के दौरान विभिन्न अपराधों में शामिल 257 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। डीजीपी हरियाणा के निर्देश पर चलाए गए इस एक दिवसीय सघन अभियान के तहत दर्ज किए गए गंभीर मामलों में 76 कुख्यात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने अन्य वांछित मामलों में भी 181 अन्य गिरफ्तारियां कीं, जिससे एक ही दिन में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 257 पहुंच गई। इस ऑपरेशन के दौरान हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और अवैध हथियार जैसे गंभीर अपराधों के 42 मामले दर्ज किए गए, जिनमें तकरीबन 62 अपराधियों को जेल भेजा गया। जहां हत्या के 9 मामलों में 23 गिरफ्तारियां की गईं, वहीं हत्या के प्रयास के 13 मामलों में 16 गिरफ्तारियां हुईं। इसके अलावा, आर्म्स एक्ट (अवैध हथियार) के 14 मामलों में 15 अपराधियों को काबू किया गया। इसी दिशा में काम करते हुए अपराधियों पर नकेल कसने के लिए 13 अभियुक्तों की हिस्ट्री शीट खोली गई है। हिस्ट्री शीट खोलने का अर्थ है कि अब इन अपराधियों पर पुलिस की निरंतर और कड़ी निगरानी बनी रहेगी। इस ऑपरेशन के दौरान अब तक कुल 131 अपराधियों की प्रदेश पुलिस की ओर से हिस्ट्री शीट खोली जा चुकी है।

अगर हम पुलिस के पिछले 10 दिनों के इस व्यापक और निर्णायक अभियान की समग्र सफलता का आकलन करें, तो हरियाणा पुलिस ने अब तक 514 कुख्यात और दुर्दांत अपराधियों को विशेष रूप से चिन्हित कर जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया है। इस दौरान, पुलिस टीमों ने विभिन्न अपराधों में वांछित 2,346 अन्य अपराधियों को भी सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है।

इन लगातार सफलताओं के परिणामस्वरूप, 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के तहत पिछले 10 दिनों में कुल 2,860 अपराधी कानून के शिकंजे में आ चुके हैं और वे सभी अपने अपराधों की वैधानिक सजा भुगतने की प्रक्रिया में हैं। यह विशाल आंकड़ा हरियाणा पुलिस के अपराध उन्मूलन के प्रति समर्पण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

भिवानी के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के कड़े निर्देशों के अनुपालन में, 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के तहत सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने महीनों से फरार चल रहे एक इनामी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। उक्त आरोपी, नवीन पुत्र संजय निवासी चरखी दादरी, हत्या जैसे संगीन अपराध में वांछित था और उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित था।

यह मामला दिनांक 28 जुलाई को जूई खुर्द निवासी करण सिंह के साथ हुए जमीनी विवाद और गंभीर मारपीट से संबंधित है, जिसमें घायल पीड़ित ने 14 सितंबर को दिल्ली के एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस जघन्य अपराध में न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करते हुए, सीआईए स्टाफ प्रथम के सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार ने 14 नवंबर को 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के दौरान आरोपी नवीन को तोशाम बाईपास, भिवानी से गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर तीन दिन का रिमांड हासिल किया है, ताकि घटना के षड्यंत्र और इसमें शामिल अन्य आरोपियों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा सके। पुलिस टीम ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर भेजा गया। जानकारी के अनुसार आरोपी नवीन खेती–बाड़ी का काम करता है। पुलिस का कहना है कि रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी, ताकि केस में और तथ्यों का खुलासा हो सके। संगठित अपराध पर प्रहार करने की दिशा में, करनाल पुलिस ने एक रणनीतिक सफलता हासिल की है। करनाल पुलिस की सीआईए 2 के इंचार्ज निरीक्षक प्रवीण कुमार की टीम ने मेडिकल स्टोर पर फायरिंग करने के एक गंभीर मामले में शामिल आरोपी बादल पुत्र विमल साहनी को गिरफ्तार किया है, जो अपराधियों को हथियार उपलब्ध कराने का काम करता था।

इस कार्रवाई से साफ हो गया है कि हरियाणा पुलिस सिर्फ घटना को अंजाम देने वालों को नहीं, बल्कि अपराध की नींव रखने वाले सप्लायरों को भी नहीं बख्शेगी। यह आरोपी गांव सरफली खेड़ी, असंध में हुई फायरिंग की घटना के लिए जिम्मेदार था, जिसमें पहले ही सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बादल एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ जिला करनाल में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, दंगा और मारपीट सहित 15 मामले पहले से ही दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर तीन दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है, जिसके दौरान उससे अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त के पूरे नेटवर्क और इसके आर्थिक स्रोतों का पता लगाया जाएगा। यह गिरफ्तारी राज्य में अवैध हथियारों के प्रवाह को रोकने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है।

बदलते वक्त की चुनौतियों के लिए तैयार रहें उद्यमी : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यंग इंडिया और सीआईआई द्वारा गुरुग्राम में आयोजित संवाद श्रृंखला में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने युवाओं, स्टार्टअप फाउंडर्स और उद्योग जगत से जुड़े प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के कई उद्यमी और संस्थापक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अपने संबोधन में दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा की औद्योगिक नीति, निरंतर विकास, किसानों और उद्योग के आपसी संबंध, श्रम सुधार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण जैसी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ उद्योगों को नई नीतियों, तकनीक और पर्यावरणीय जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम में मौजूद कई उद्यमियों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की वैश्विक बाजारों की समझ, निवेश को बढ़ावा देने की सोच और हरियाणा के औद्योगिक विकास के प्रति उनके स्पष्ट नजरिये की सराहना की। प्रतिभागियों का कहना था कि दुष्यंत चौटाला आज के समय में हरियाणा के सबसे प्रगतिशील, व्यावहारिक और बिजनेस को प्रोत्साहन देने वाले नेताओं में से एक हैं। राज्य के अलग–अलग हिस्सों से आए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से सम्मान किया और उन्हें भविष्य का लोकप्रिय नेता बताया।

हरियाणा की तरक्की पीएम मोदी और सीएम सैनी का मिशन है : डॉ. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हिसार में शनिवार को आयोजित दादा बाढ़ देव जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा में मुख्यमंत्री एक जाति का नहीं, बल्कि हरियाणा का मुख्यमंत्री सभी कौम का मुख्यमंत्री है, जनता का मुख्यमंत्री है। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। डा. पूनिया ने कहा कि हर कौम का अपना इतिहास और स्वाभिमान होता है। हरियाणा की धरती ने मुगलों के दांत खट्टे किए और अंग्रेजों को भगाने के लिए अपनी शहादत देकर आजादी की सांस दी। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान से खड़ा होना आजादी की लड़ाई लड़ना यह दुनिया में पराकम्र के मामले कोई धरती अनूठी है तो हरियाणा की धरती है और मैं इस धरती को नमन करता हूं। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि इतिहास गवाह है जब किसानों का पसीना धरती पर गिरता है तो धरती अन्नपूर्णा होती है और इन्हीं की कोख से जन्मा जवान देश की सीमा पर खड़ा होकर देश की सुरक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत ओलंपिक के मेडल के लिए तरसता था। उन्होंने कहा कि भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना होती थी। हरियाणा की धरती ने उन्नत खिलाड़ी पैदा किए जिन्होंने मेडल लाकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाने का काम किया।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हमारी पहचान गोत्र से नहीं, बल्कि सभी जातियों को साथ लेकर समाज की सेवा करने और देश के लिए समर्पण के लिए होती है। समय बदल गया, राजनीति में मुद्दे आ गए, सत्ता आई और चली गई। आज भी भारत को कोई ताकत दे सकता है तो किसान देता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बहुत से मुद्दे थे, चुनौतियां थी, आशंकाएं थी, लेकिन हरियाणा की जनता ने भारतीयता और राष्ट्रवाद को चुना, मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार बनाई जिसके लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। कार्यक्रम में बिहार चुनाव पर बोलते हुए डा. सतीश पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का बिहार में पगफेरा भी शुभ था।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

ब्रह्मसरोवर के घाटों पर नजर आए विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति के अलग–अलग रंग

चण्डीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव–2025 के पावन पर्व पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केन्द्र की तरफ से विभिन्न राज्यों के कलाकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंच चुके है। यह कलाकार लगातार 5 दिसंबर 2025 तक अपनी लोक संस्कृति की छठा बिखेरने का काम करेंगे। इस महोत्सव पर आने के लिए देश का प्रत्येक कलाकार आतुर रहता है। पर्यटकों को फिर से ब्रह्मसरोवर के तट पर लोक संस्कृति को देखने का अवसर मिला है। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव पर रविवार को विभिन्न राज्यों की कला का संगम उमड़ा और विभिन्न राज्यों की कला के संगम के बीच कलाकार अपने–अपने राज्य की कला का बखूबी बखान किया। कलाकारों का कहना है कि आज के आधुनिक जमाने में भी उन्होंने अपनी कला को जिंदा रखा है, कला के माध्यम से ही आज वह भी जिंदा है और अपनी कला को विदेशों तक पहुंचा रहे है।

जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का दिया कुमारी ने किया उद्घाटन

जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का चौथा सीजन रविवार को आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में मुख्यअतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ओर आई ए एस मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ओर फर्स्ट इंडिया सी ई ओ मैनेजिंग डायरेक्टर पवन अरोड़ा,आईटीसी राजपूताना जी एम दीपेंद्र राणा ने उद्घाटन किया। यह एग्जीबिशन 20 नवंबर तक चलेगी। उपमुख्यमंत्री ने एग्जिबिशन में फोटो और पेंटिंग की तारीफ की और सभी पार्टिसिपेंट को बधाई दी। सभी लोग विरासत को सजोए ओर खूबसूरती को बनाए रखे।जयपुर स्थापना दिवस पर सभी लोगों से आग्रह किया कि सभी एग्जिबिशन को देखे। महाराजा भवानीसिंह जी की पुरानी तस्वीरें देख तस्वीरो तस्वीरों की सराहना की।

अतिथियों में जे डी माहेश्वरी, राघव गोयल,मोहित टेलर, दीपक गुप्ता, टीटू तनवानी, राहुल सिंघी,पी आर ओ शशि किरण, अनूप श्रीवास्तव,जगदीप सिंह,विजय शर्मा का स्वागत एग्जिबीशन क्यूरेटर अदिति अग्रवाल ने किया। इस प्रदर्शनी में शहरवासी पुराने और नए जयपुर की तस्वीरों को निहार सकेंगे। तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, शहर की पुरानी गलियों के साथ ही कल्चर की बेहद खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेगी। यहां एक ही मंच के माध्यम से फोटोग्राफर्स को अपनी कला का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। एग्जीबिशन में सिर्फ जयपुर की ही तस्वीरों को डिसप्ले किया जाएगा, जिसमें पुराने दौर की ब्लैक एंड वाइट तस्वीरे भी शामिल होगी। फेस्टिवल की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि जयपुर स्थापना दिवस पर जयपुर के कल्चर को सभी तक पहुंचाना और दिखाना ही इस एग्जीबिशन का उद्देश्य है। यहां की विरासत देश–विदेश में काफी जानी जाती है, इसलिए आज के यूथ और आम लोगों तक जयपुर की खूबसूरत सुंदर तस्वीरों के जरिए दिखाया जाए और यहां के पर्यटन को प्रमोट किया जाए।

नसोपुर में 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत

अलवर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बगड़ तिराया थाना क्षेत्र के ग्राम नसोपुर में शनिवार देर शाम एक 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका आयशा ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन किया, जिसके बाद उसकी स्थिति बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आयशा की मौत के लिए साबिर नाम के युवक को जिम्मेदार ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।मृतका के भाई खालिद ने बताया कि आयशा की पहली शादी वर्ष 2020 में हरियाणा के दोबा निवासी आलिम से हुई थी, लेकिन वैवाहिक संबंधों में विवाद के चलते दो साल बाद दोनों का तलाक हो गया। बाद में परिवार ने उसकी दूसरी शादी टॉफीक नाम के युवक से कराई, लेकिन यह रिश्ता भी एक साल के अंदर टूट गया। इसके बाद आयशा अपने पियर आकर रहने लगी। घर लौटने के बाद आयशा पिछले तीन महीने से साबिर नाम के युवक से बातचीत कर रही थी। परिजनों का आरोप है कि साबिर ने आयशा से करीब 40 हजार रुपये उधार लिए थे और जब आयशा पैसे मांगती थी तो वह उसे मानसिक तौर पर प्रताड़ित करता था। आरोप यह भी है कि युवक ने उसे इतना दबाव में रखा कि उसने जहर खाकर जान देने जैसा कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया।

बगड़ तिराया थाना पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आचार्य महाश्रमण का राजस्थान में प्रवेश

रतनपुर बॉर्डर पर सैकड़ों लोगों ने स्वागत कर किए दर्शन, 3 साल बाद मेवाड़ में वापसी

उदयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण ने रविवार को अपनी धवल वाहिनी के साथ गुजरात से राजस्थान की सीमा में प्रवेश किया। लगभग तीन वर्ष बाद मेवाड़ में लौट रहे आचार्य का यह आगमन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक उमंग और भावनात्मक उल्लास लेकर आया।

अहमदाबाद हाईवे पर रतनपुर बॉर्डर पर प्रवेश के क्षणों में वातावरण जय जय ज्योतिचरण, जय जय महाश्रमण के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। डूंगरपुर, उदयपुर, राजसमंद और भीलवाड़ा जिलों से बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और तेरापंथ समाज के श्रावक–श्राविकाएं सीमा पर पहुंचे और आचार्य का स्वागत–अभिनंदन किया। महिला और पुरुषों ने अलग–अलग कतारों में खड़े होकर वंदे गुरूवरम के साथ अगवानी की।

कांफ्रेंस अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण रविवार सुबह रणपुर से विहार करते हुए खजुरी माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। गुजरात में लगातार दो चातुर्मास तथा लगभग एक वर्ष के प्रवास के बाद आचार्य अब राजस्थान पधारे हैं। रतनपुर बॉर्डर पर श्रद्धालुओं की भव्य उपस्थिति ने सीमा को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।आचार्य के साथ साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा, मुख्य मुनि महावीर कुमार, साध्वी वर्या सम्बुद्ध यशा सहित साधु–साध्वियों की धवल वाहिनी दो–दो की कतार में राजस्थान में प्रवेश करती दिखाई दी–एक अनुशासित, शांत और प्रेरक दृष्य जिसने सभी को भाव–विभोर कर दिया। सीमा पर अगवानी के उपरांत आचार्य महाश्रमण ने जनसमुदाय को अमृत देशना दी। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों बाद राजस्थान आना सौभाग्य का क्षण है, विशेषकर इस वर्ष जब आचार्य भिक्षु के जन्म त्रि–शत–ाब्दी वर्ष का आयोजन पूरे देश में हो रहा है।आचार्य ने संदेश दिया–मनुष्य को राग–द्वेष की प्रवृत्ति से बचना चाहिए और सम्यकत्व को अपनाना चाहिए।देशना के दौरान मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया, जिससे वातावरण में शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।आचार्य महाश्रमण का अगला पड़ाव 17 नवंबर को प्रातः बिछीवाड़ा होगा, जबकि रात्रि प्रवास बिरोठी में निर्धारित किया गया है।

प्रियांक खड़गे के निर्वाचन क्षेत्र में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ आरएसएस का मार्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा कलबुर्गी जिले के चित्तपुर कस्बे में आरएसएस का जुलूस, अदालत के निर्देशों के अनुसार बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्वक संपन्न हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। आरएसएस का जुलूस, जो पिछले एक महीने से आरएसएस और कलबुर्गी जिले की प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे के बीच वाकयुद्ध का कारण बना हुआ था, उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई कुछ शर्तों के तहत सुचारू रूप से संपन्न हो गया। चित्तपुर के बजाज कल्याण मंडप से शुरू हुआ यह जुलूस अंबेडकर सर्कल, केनरा बैंक सर्कल होते हुए दोपहर 3 बजे से 3.45 बजे तक पुलिस की घेराबंदी में एपीएमसी पहुंचा। जुलूस में केवल 300 कार्यकर्ताओं और 50 बैंड-वादकों को ही अनुमति दी गई थी। जब आरएसएस कार्यकर्ता अपने निर्धारित मार्ग से कस्बे से गुजर रहे थे, तो लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा की। जुलूस की पृष्ठभूमि

में, चित्तपुर में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस ने मार्ग की रूपरेखा तैयार कर ली थी। बजाज कल्याण मंडप, जहां जुलूस निकला था, के पास एक-एक केएसआरपी और एक-एक डीएआर दस्ता सहित 650 पुलिसकर्मी और 250 होमगार्ड के जवान तैनात किए गए थे। कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और उप-पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया गया था। चित्तपुर में जुलूस मार्ग के चप्पे-चप्पे पर खाकी दस्ते की कड़ी नजर थी। चित्तपुर में आरएसएस जुलूस के संयोजक अशोक पाटिल ने जुलूस निकालने की अनुमति के लिए जिला प्रशासन के समक्ष एक याचिका दायर की थी। हालांकि, जिला प्रशासन ने याचिका खारिज कर दी थी।

उन्होंने इसे चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। आरएसएस जुलूस को लेकर चित्तपुर में दो शांति बैठकें आयोजित की गईं। पहली बैठक 28 अक्टूबर को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में हुई। इस बैठक के विफल होने के बाद, उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, 5 नवंबर को बेंगलूरु स्थित महाधिवक्ता (एजी) कार्यालय में दूसरी शांति बैठक आयोजित की गई। न्यायमूर्ति एम.जी.एस. कमल की कलबुर्गी पीठ, जो आरएसएस के कलबुर्गी जिला संयोजक अशोक पाटिल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, ने परेड की अनुमति न देने के जिला प्रशासन के कदम पर सवाल उठाया, तहसीलदार द्वारा परेड के लिए दी गई अनुमति पर विचार किया और यह आदेश जारी करके याचिका का निपटारा कर दिया। सरकार द्वारा आरएसएस की परेड की अनुमति न दिए जाने के बाद संघ परिवार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। आरएसएस के अदालत पहुंचने पर भीम आर्मी सहित दस से अधिक संगठनों ने भी जिला प्रशासन से उन्हें मार्च करने की अनुमति देने की अपील की थी। इससे भारी गतिरोध पैदा हो गया था। इस परेड विवाद ने राष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी थी क्योंकि दलित संगठनों ने जोर देकर कहा था कि आरएसएस को लाठीचार्ज छोड़कर मार्च करना चाहिए। इससे पहले राज्य के कानून एवं व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने कहा कि चित्तपुर में होने वाले आरएसएस के जुलूस के लिए कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक और कनिष्ठ अधिकारियों ने चित्तपुर में डेरा डाल दिया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस के अलावा केएसआरपी की सात प्लाटून तैनात की गई हैं। वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारी सुबह से ही चित्तपुर कस्बे में गश्त पर हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए जिले के अधिकांश कर्मचारी और अधिकारी यहां तैनात हैं। कुल मिलाकर, हितेंद्र ने कहा कि चित्तपुर में किसी भी तरह की घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

लौह अयस्क निर्यात मामले में कारवार विधायक के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय ने मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक, सतीश कृष्ण सैल, जो कारवार के विधायक भी हैं, के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में 44.09 करोड़ रुपये मूल्य के जब्त लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात के संबंध में अभियोजन शिकायत दर्ज की है।

ईडी के अनुसार, सैल ने कथित तौर पर कई अन्य आरोपियों के साथ मिलकर कर्नाटक उच्च न्यायालय और वन विभाग के निर्देशों की अवहेलना करते हुए बेलेकेरी बंदरगाह पर जब्त और भंडारित लौह अयस्क को अवैध रूप से हासिल करने की साजिश रची। विभिन्न खनन और व्यापारिक फर्मों से संबंधित इस अयस्क को बेलेकेरी के बंदरगाह संरक्षक महेश जे. बिलिये की कथित संलिप्तता के साथ चीनी खरीदारों को निर्यात किया गया था। जांचकर्ताओं ने कहा कि सैल ने इन अवैध लेनदेन के लिए विभिन्न आरोपियों को लगभग 46.18 करोड़ रुपये का भुगतान किया। लौह अयस्क का निर्यात हांगकांग स्थित एक संस्था, जेआई (हेबेई) आयरन एंड स्टील इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड पूर्व में मल्लिकार्जुन शिपिंग एचके लिमिटेड के माध्यम से किया गया था, बजाय इसके कि इसे सीधे चीन में खरीदारों तक पहुंचाया जाए। ईडी का आरोप है कि ऐसा अवैध निर्यात से प्राप्त आय को छिपाने और उसे वैध बनाने के लिए किया गया था। एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने 27.07 करोड़ रुपये की आपराधिक आय अर्जित की, जबकि सैल को हांगकांग की संस्था के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से 2.09 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। उस पर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (हांगकांग) और इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना (आईसीबीसी), हांगकांग में कई विदेशी बैंक खाते रखने का भी आरोप है। इस मामले में पहले की गई तलाशी में 1.68 करोड़ रुपये नकद, लगभग 6.58 करोड़ रुपये मूल्य का 6.75 किलोग्राम सोना और सोना जब्त किया गया था, और कई बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया था, जिनमें कुल मिलाकर 14.13 करोड़ रुपये थे। 21 करोड़ रुपये मूल्य की तीन अचल संपत्तियों को भी अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। जांच के दौरान गिरफ्तार किए गए सैल को अंतरिम मेडिकल जमानत दी गई थी, जिसे विशेष अदालत ने 7 नवंबर को रद्द कर दिया था।

दर्दनाक सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

सीवान/एजेंसियां।

जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बड़हरिया-मीरगंज मुख्य मार्ग पर स्थित जगतपुरा गांव के मिडिल स्कूल के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। मृतक की पहचान पकवलिया गांव निवासी रविन्द्र प्रसाद के रूप में की गई है।

वहीं घायलों में पकवलिया गांव के नरेश यादव, तथा तिलसंडी 510 के अखलाख अहमद, विश्वनाथ और साबिर अली शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बड़हरिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो को गंभीर स्थिति देखते

हुए सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, रविन्द्र प्रसाद घर निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करते थे। प्रतिदिन की तरह वे देर शाम काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे।

जैसे ही उनकी बाइक जगतपुरा मिडिल स्कूल के समीप पहुँची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रविन्द्र प्रसाद ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों की रफ्तार काफी तेज थी और सड़क पर अंधेरा होने के कारण हादसा और भी गंभीर रूप ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों में से एक पर तीन लोग सवार थे, जिससे संतुलन बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में शोक का माहौल है।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले आदि उडुपी-मालपे रोड पर काम तेज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आदि उडुपी-मालपे रोड पर लंबे समय से लंबित निर्माण कार्य ने 28 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उडुपी यात्रा के बाद अचानक गति पकड़ ली है। एक साल की धीमी प्रगति के बाद, अब इस परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे जनता की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। लगभग एक साल से, कंक्रीट सड़क परियोजना धीमी गति से आगे बढ़ रही थी, और अधिकारी अक्सर लंबित भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रशासनिक बाधाओं को देरी का कारण बताते रहे थे। हालांकि, प्रधानमंत्री की यात्रा की घोषणा के तुरंत बाद, निर्माण की गति कई गुना बढ़ गई, जिससे काम की तात्कालिकता और समय को लेकर कई सवाल उठे। स्थानीय निवासियों ने काम के तरीके पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य वाहनों की आवाजाही को बाधित किए बिना

सुनियोजित चरणों में किया जा सकता था। लेकिन अब अधिकारियों ने कंक्रीट का काम पूरा होने तक सड़क को पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है, जिससे यात्रियों के दैनिक जीवन में भारी व्यवधान आ रहा है। उडुपी-मालपे मार्ग जिले के सबसे महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों में से एक है, जो शहर को लोकप्रिय मालपे बीच, मालपे बंदरगाह और आसपास के कई इलाकों से जोड़ता है। इस मार्ग पर दिन भर भारी यातायात रहता है, खासकर पर्यटकों, मछुआरों, छात्रों और बंदरगाह क्षेत्र से आने-जाने वाले मजदूरों का। अचानक बंद होने से हजारों यात्रियों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है, जिससे देरी और व्यापक निराशा हो रही है। कई नागरिकों ने अधिकारियों की लापरवाही और खराब योजना पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। कई लोगों ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा है कि अगर प्रधानमंत्री हर साल उडुपी आते, तो कम से कम ज्यादातर बुनियादी ढांचा परियोजनाएं समय पर पूरी हो जातीं। कुछ अन्य लोगों का कहना है कि अधिकारी तभी हरकत में आते हैं जब कोई बड़ा दौरा तय होता है, जिससे जिले के विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण का अभाव उजागर होता है। पहले जमीन संबंधी मुद्दों को लेकर देरी से शुरू हुए कंक्रीट के कामों के अचानक शुरू होने से असंतोष और बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन ने परियोजना को उस समय प्राथमिकता नहीं दी जब इसकी जरूरत थी, और अब सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए काम में तेजी ला रहा है कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सड़क ठीक-ठाक दिखाई दे। अगर विकास के लिए हर बार वरिष्ठ नेताओं का आना जरूरी है, तो यह स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों की अक्षमता को साफ दर्शाता है। उडुपी आने वाले पर्यटक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। मालपे बीच आने वाले कई लोग सड़क बंद होने की जानकारी के बिना ही सीधे करावली बाईपास की ओर चले जाते हैं, लेकिन आखिरी समय में उन्हें दूसरा रास्ता दिखाकर मालपे बीच पहुंचने के लिए काफी लंबा रास्ता अपनाने का निर्देश दिया जाता है। चूंकि कंक्रीट का काम 30 नवंबर तक जारी रहने की उम्मीद है, इसलिए यात्रियों और पर्यटकों से अनुरोध है कि वे उपलब्ध कराए गए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। मालपे से मेंगलूरु और कुंदापुर की ओर जाने वाले भारी वाहनों को मालपे-बलराम सर्कल-थोट्टम-गुज्जराबेट्टू-हुडे-नेजार-कल्याणपुरा मार्ग से संथेकट्टे पहुंचना है और फिर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आगे बढ़ना है। मालपे की ओर आने वाले भारी वाहनों को आशीर्वाद सर्कल-लक्ष्मी नगर-कोडावूर मार्ग से जाने का निर्देश दिया गया है। मालपे आने-जाने वाले हल्के वाहन या तो कलमाडी सर्कल-अम्बलपाडी मार्ग का उपयोग करके राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंच सकते हैं, या कलमाडी-किडियूर-काडेकर-कन्नारपाडी होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। मालपे से मेंगलूरु जाने वाले हल्के वाहन पादुकेरे-थोट्टम-बलायीपाडे मार्ग का भी उपयोग कर सकते हैं।

रोहिणी के बाद अब राजद की बागी नेत्री ने तेजस्वी के करीबी पर बोला हमला

पटना/एजेंसियां।

तेजस्वी के करीबी और राजद के सांसद संजय यादव पर हमला बोलने वालों में केवल अब रोहिनी आचार्य ही अकेली नहीं रह गई हैं। उन्हें राष्ट्रीय जनता दल की पूर्व नेत्री और इस बार परिहार विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाली रितु जायसवाल का साथ मिल चुका है। रितु जायसवाल ने सोशल मीडिया पर संजय यादव के खिलाफ बड़ा हमला बोला है। उन्होंने चुनाव रिजल्ट की एक तस्वीर भी साझा की। राष्ट्रीय जनता दल से बागी हुई रितु जायसवाल ने संजय यादव पर हमला करते हुए कहा कि खुद को चाणक्य समझने की भूल में किस तरह जीती हुई सीटें गंवाई जाती हैं - यह बात राजद के सलाहकार से सीखी जा सकती है। परिहार विधानसभा चुनाव इसका जीता-जागता उदाहरण है। कार्यकर्ताओं की भावनाओं और ज़मीनी वास्तविकता की अनदेखी करके जब परिहार का सिंबल वितरण किया गया था, मैंने तभी कह दिया था कि राष्ट्रीय जनता दल यहां तीसरे नंबर पर रहेगी। चुनाव परिणाम उसी बात को दोहरा रहा है। दरअसल बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में परिहार विधानसभा से राजद का टिकट नहीं मिलने पर रितु जायसवाल ने काफी विरोध किया था और इसी वजह से पार्टी से नाराज होकर निर्दलीय उम्मीदवार बन गई थी। तेजस्वी यादव ने रितु जायसवाल का टिकट काटकर रामचंद्र पूर्वे की बहू स्मिता को टिकट दिया था। इसके बाद रितु जायसवाल ने जमकर राजद पर हमला बोला

न बिजली कनेक्शन है, न मीटर है, फिर भी बिल 10,000 रुपये है!

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

बिजली कनेक्शन और मीटर न होने के बावजूद, जेस्कॉम के कर्मचारी घर आए और 10,000 रुपये का बिल थमा दिया। यह घटना रायचूर तालुका के कडागंडोड्डी गांव में हुई। कडागंडोड्डी गांव की भाग्यम्मा के नाम पर 10,105 रुपये का बिल आया है। वर्तमान बिल 250 रुपये का है और बकाया 9,855 रुपये है। यह बिल भाग्यम्मा को दिया गया, जो उस घर का बिल चुका रही है। इसके अलावा, उन्होंने यह कहकर अपना गुस्सा जाहिर किया कि उनके नाम पर न तो घर है और न ही मीटर, फिर भी उन्हें बिल दिया है। लेकिन जेस्कॉम के अधिकारियों ने कहा कि बिल चुकाने के बाद वे आरआर नंबर बंद कर देंगे। 2013 में सौभाग्य योजना के तहत भाग्यम्मा के नाम पर बिजली कनेक्शन लिया गया था। जेस्कॉम के अधिकारी कह रहे हैं कि भाग्यमा को 250 रुपये प्रति माह का बिल देना होगा। लेकिन भाग्यमा के परिवार वालों ने जेस्कॉम के अधिकारियों से पूछा है कि घर में बिजली का कनेक्शन कहां से मिला और इतने लंबे समय से बिल का भुगतान क्यों नहीं हुआ। अधिकारियों ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा है कि वे जांच करेंगे।

घरेलू विवाद ने लिया भयावह रूप, पत्नी ने पति को जिंदा जलाने की कोशिश

कटिहार/एजेंसियां।

नगर थाना क्षेत्र के अरगरा चौक मोफरगंज में एक घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया और पति-पत्नी के झगड़े का मामला आगजनी और जान लेने की कोशिश तक पहुंच गया। आरोप है कि कल्याणी देवी ने अपने ही घर में आग लगा दी और पति पंकज पोद्दार को जिंदा जलाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद बंद कमरे से उठती तेज लपटों ने मोहल्ले का ध्यान खींचा। पड़ोसियों ने आवाज देकर दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। घर पूरी तरह आग की चपेट में था और उर्दू मध्य विद्यालय शरीफगंज के सरकारी शिक्षक पंकज पोद्दार बुरी तरह झुलस चुके थे। लोगों ने आनन-फानन में उन्हें बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के

मुताबिक पंकज की हालत गंभीर है और उन्हें रेफर कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग फैलने के दौरान कल्याणी देवी ने अपने आप पर पानी डालकर खुद को सुरक्षित रखने की कोशिश की, ताकि पीड़ित दिख सकें। हालांकि पड़ोसियों ने आग लगाने में उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए। लपटों के बढ़ते खतरे को देखते हुए दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया, लेकिन तब तक घर का लगभग सारा सामान जलकर राख हो चुका था। मोहल्ले में दहशत और आक्रोश दोनों का माहौल है। लोगों का कहना है कि दंपति के बीच पिछले कई दिनों से झगड़ा चल रहा था। चार दिन पहले सड़क पर हुई मारपीट की घटना ने तनाव और बढ़ा दिया था, जिसकी शिकायत पुलिस तक भी पहुंची थी, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि स्थिति इतनी भयावह हो जाएगी। पुलिस ने कल्याणी देवी को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। इधर अस्पताल में पंकज पोद्दार जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं, जबकि मोहल्ले के लोग अब भी यह सवाल कर रहे हैं कि घरेलू विवाद आखिर इतना भयावह कैसे बन गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com